राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 8वें वेतन आयोग के गठन का दिल्ली बीजेपी ने किया स्वागत, केजरीवाल ... | जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में ... 11

वर्ष : 15 | अंक : 273 | नई दिल्ली, रविवार, 19 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C
न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	79,005
चांदी	92,500
संसेक्स	81,786
निफ्टी	24,668

कांग्रेस कार्यकर्ता बीजेपी-आरएसएस के विचारधारा से लड़ने को तैयार राहुल गांधी

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में कार्यकर्ता सम्मेलन और प्रदेश कांग्रेस के कर्मचारियों के लिए नवनिर्मित आवास और राजीव गांधी सभागार के उद्घाटन के मौके पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की जनता के साथ मिलकर इस संविधान का निर्माण किया है जिसमें उनके तमाम जरूरतों को ध्यान में रखकर डॉ अम्बेडकर के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं के द्वारा तैयार किया गया। कांग्रेस के कार्यकताओं का यह कर्तव्य है कि इस संविधान की रक्षा करनी है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि जब यह संविधान बना था तब हमें आजादी नहीं मिली थी। इसका मतलब है कि वो देश के संविधान को भी नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की गरीब जनता को आर्थिक तौर पर लूटने वाली यह सरकार पूरी तरीके से हमारी अर्थव्यवस्था और लोगों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। देश की आम जनता मेहनत करती है और सरकार उनसे तरह तरह के टैक्स वसूल कर उनका दोहन करती है। देश की आम जनता की गाढ़ी कमाई पर टैक्स लगाकर पूरा का पूरा फायदा नरेंद्र मोदी अपने 20-25 अरबपति मित्रों को दे देते हैं। देश में आम जनता का ख्याल केवल और केवल कांग्रेस ही रख सकती है। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा में इलेक्शन कमीशन के वोटों में एक करोड़ वोटों का अंतर आया, हमने ये जानने की इच्छा जाहिर किया कि आखिर ऐसे कौन लोग हैं जो हमें वोट ज्यादा दिए। हमने इलेक्शन कमीशन से डेटा मांगा तो वो देने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार देश की राजनीति की लाइफलाइन है, हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं और हमारे कार्यकर्ता तैयार हैं बीजेपी आरएसएस के विचारधारा से लड़ने को और उन्हें हराना के लिए कमर कस चुके हैं। आपके डीएनए में कांग्रेस है, कांग्रेस के कार्यकर्ता किसी से डरते नहीं है और इसलिए हम जानते हैं कि आप हमारे साथ खड़े रहेंगे। मैं आपके हक हुकूक के लिए हमेशा संघर्ष करने को तैयार हूं। आगे श्री गांधी ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन आगामी चुनाव में एनडीए गठबंधन का सफाया करेगी।

स्वामित्व योजना ग्राम स्वराज को जमीन पर उतारने का प्रयास : पीएम मोदी

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख लाभार्थियों को संपत्ति कार्ड सौंपा। इस दौरान पीएम मोदी लोगों से वर्चुअली मुखातिब हुए और इस योजना की बारीकियां समझाईं। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹एक अर्थशास्त्री अपनी किताब में कहते हैं कि गांवों में लोगों के पास डेड कैपिटल होती है। क्योंकि गांव वाले, गरीब लोग उस संपत्ति के बदले में कोई लेनदेन नहीं कर सकते हैं। दुनिया के सामने मौजूद इस बड़ी चुनौती से भारत भी अछूता नहीं था। भारत के गांव में लोगों के पास लाखों लाख करोड़ रुपये की संपत्ति होने के बावजूद उसकी इतनी कीमत नहीं थी। वजह ये कि लोगों के पास अक्सर घरों के कानूनी दस्तावेज नहीं होते थे। इसलिए घर की मिल्कियत को लेकर भी विवाद होते रहते थे। कई जगहों पर दंबग घरों पर कब्जा कर लेते थे। बैंक भी ऐसी संपत्ति से दूर रहते थे। अच्छा होता अगर पहले की सरकारों ने इस दिशा में ठोस कदम उठाए होते। उन्होंने आगे कहा, ₹2014 में जब हमारी सरकार बनी तो हमने प्रॉपर्टी के कागज की चुनौती से निपटने की ठानी, इसलिए हमने स्वामित्व योजना शुरू की और तय किया कि ड्रोन की मदद से देश के गांव-गांव में घरों की जमीन की मैपिंग कराई जाएगी। आवासीय संपत्ति के कागज दिए जाएंगे। मैं अभी स्वामित्व योजना के लाभार्थियों से बात कर रहा था, इस योजना ने कैसे उनका जीवन बदल दिया है, अब बैंकों से मदद मिलने लगी है। उनके चेहरों पर जो संतोष था, खुशी थी, जो आत्मविश्वास था, कितना आनंददायक संवाद लगा मुझे। इसे मैं बहुत बड़ा आशीर्वाद मानता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ड्रोन सर्वे को लेकर जानकारी साझा की। बोले, ₹हमारे देश में 6 लाख से अधिक गांव हैं। इनमें से करीब आधे गांव में ड्रोन से सर्वे हो चुका है। कानूनी दस्तावेज मिलने के बाद लाखों लोगों ने अपने घर अपनी संपत्ति के आधार पर लोन लिया है। इस पैसे से छोटा-मोटा व्यापार शुरू किया है। इनके लिए ये प्रॉपर्टी कार्ड आर्थिक सुरक्षा की बड़ी गारंटी बन चुकी है। अवैध कब्जा, कोर्ट के विवाद, दलित पिछड़े आदिवासी परिवार ही सबसे अधिक परेशान थे। अब कानूनी प्रमाण मिलने से उनको इस संकट से मुक्ति मिल चुकी है। एक आकलन है कि इन सभी गांवों में प्रॉपर्टी कार्ड बनने के बाद 100 लाख करोड़ की आर्थिक गतिविधि का रास्ता खुल जाएगा। आज हमारी सरकार पूरी ईमानदारी से ग्राम स्वराज को जमीन पर उतारने का प्रयास कर रही है। पीएम मोदी ने दावा किया कि ये संपत्ति कार्ड कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। बोले, ₹प्रॉपर्टी कार्ड मिलने से डिजास्टर मैनेजमेंट बेहतर हो पाएगा, आपदा में उचित क्लेम मिलना आसान होगा। किसानों की जो जमीन होती है, उसको लेकर कितना विवाद होता है। ये परेशानियां कम हों, इसके लिए लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। स्वामित्व और भू आधार ये व्यवस्थाएं गांव के विकास का आधार बनने जा रही हैं। 23 करोड़ भू आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। बीते 7-8 साल में ही 98 प्रतिशत लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया गया है। पीएम मोदी ने बापू की कही याद की। कहा, ₹महात्मा गांधी कहते थे, भारत गांव में बसता है, भारत की आत्मा गांव में है। पूज्य बापू के इस भाव को सही मायने में जमीन पर उतारने का काम बीते दशक में हुआ है। जिन ढाई करोड़ से अधिक परिवारों तक बिजली पहुंची बीते दस वर्षों में, वे अधिकतर गांव के हैं। जिन 10 परिवारों तक बीते दस वर्षों में शौचालय पहुंचे, वे भी ज्यादातर गांवों के ही हैं। जिन 10 करोड़ बहनों को उज्ज्वला का गैस मिला, उनमें से अधिकांश बहनें गांव में रहती हैं। जन 12 करोड़ से अधिक परिवारों तक पांच सालों में नल से जल पहुंचा है, वे भी गांव के हैं। जिन 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खुले, वे भी गांव में ही हैं। प्रधानमंत्री मोदी बोले कि बीते दशक में डेढ़ लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं, वे भी गांव में हैं। आजादी के इतने दशकों तक हमारे गांव, हमारे गांव के करोड़ों लोग ऐसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थे। हमारे दलित, पिछड़े आदिवासी परिवार सबसे ज्यादा आभाव में थे। अब इन सुविधाओं का सबसे अधिक लाभ इन्हीं परिवारों को हुआ है। पीएम मोदी ने ग्रामीण भारत को समृद्ध बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी जिक्र किया। बोले, ₹गांवों में अच्छी सड़कें हों, इसके लिए भी बीते दशक में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं। साल 2000 में जब अटल जी पीएम थे, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू की थी। सवा आठ लाख किलोमीटर सड़क बनाई गई हैं। बीते दस सालों में पौने चार लाख किमी सड़क हमने बनाई है। गांव में इंटरनेट पहुंचाना भी हमारी प्राथमिकता रही है। 2014 से पहले देश की 100 से भी कम पंचायतें ब्रॉडबैंड फाइबर कनेक्शन से जुड़ी थीं। बीते दस साल में 2 लाख से अधिक पंचायतों को ब्रॉडबैंड फाइबर से जोड़ा गया है। उन्होंने आगे कहा, ₹2014 से पहले देश के गांवों में एक लाख से भी कम कॉमन सर्विस सेंटर थे, बीते दस सालों में 5 लाख से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, इनके साथ गांवों में सुविधाएं, आधुनिकता पहुंची है। पहले जिन सुविधाओं को लोग शहरों में देखते थे, अब गांवों में पहुंचने लगी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार द्वारा किसानों की बेहतरी के लिए शुरू की गई योजनाओं के बारे में भी बताया। बोले, ₹2025 की शुरुआत भी गांवों के लिए किसानों के लिए बड़े फैसलों के साथ हुई है। सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना को जारी रखने का फैसला किया है। अभी तक पौने 2 लाख करोड़ की क्लेम राशि मिल चुकी है। डीएपी खाद को लेकर भी फैसला किया गया। बीते दशक में किसानों को सस्ती खाद देने के लिए करीब 12 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी ने नारी शक्ति का अभिनंदन किया। बोले, ₹विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। इसलिए बीते दशक में हमने माताओं बेटियों के सशक्तीकरण को हर बड़ी योजना के केंद्र में रखा है। बैंक सखी, बीमा सखी जैसी योजनाओं ने गांवों में महिलाओं को सशक्त किया है। सवा करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बना दिया है। कई राज्यों में प्रॉपर्टी कार्ड में पति के साथ पत्नियों के नाम भी शामिल किए गए हैं। पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को जो घर मिलते हैं, उनमें भी अधिकतर आवास महिलाओं के नाम पर रजिस्टर किए गए हैं। स्वामित्व योजना के ड्रोन भी आज महिलाओं को प्रॉपर्टी राइट देने में मदद कर रहे हैं। स्वामित्व योजना में मैपिंग का काम ड्रोन कर रहे हैं, वहीं नमो ड्रोन दीदी योजना से गांव की बहनें ड्रोन पायलट बन रही हैं, वो ड्रोन से खेती में मदद कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड बांटे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 राज्यों और 2 केन्द्र-शासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50 हजार से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड के लाभार्थियों से बातचीत भी की। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन हमारे देश के गांवों के लिए और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि हजारों ग्राम पंचायतें, स्वामित्व योजना से जुड़े अनगिनत लाभार्थी और इतना बड़े कार्यक्रम में आपका उत्साह देखकर मैं आप सभी को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री द्वारा स्वामित्व योजना की शुरुआत गांवों में बसे हुए क्षेत्रों में घरों के मालिक परिवारों को सर्वेक्षण से संबंधित आधुनिकतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से अधिकारों का रिकॉर्ड्ह्ल प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने की दृष्टि से की गई थी। यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण एवं बैंक ऋण के माध्यम से संस्थागत ऋण को संभव बनाने, संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने, ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों व संपत्ति कर के बेहतर आकलन की सुविधा प्रदान करने और ग्राम-स्तर की व्यापक योजना के निर्माण में भी मदद करती है। कुल 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जिसमें लक्षित गांवों का 92 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। अब तक 1.53 लाख से अधिक गांवों के लिए लगभग 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। इस योजना ने पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड और हरियाणा में पूर्ण संतृप्ति हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ कई केन्द्र-शासित प्रदेशों में भी ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

दो भागों में होगा संसद का सत्र, 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा

01 फरवरी को आठवीं बार बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री सीतारमण

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली, 18 जनवरी (वेब वार्ता)। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक दो भागों में होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को आठवीं बार बजट पेश करेंगी। लोकसभा सचिवालय के प्रोविजनल कैलेंडर के मुताबिक सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन से होगी। इसके बाद उसी दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र 2025 के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक 31 जनवरी से 4 अप्रैल 2025 तक बुलाने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 31 जनवरी को सुबह 11 बजे दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। रिजिजू ने लिखा- केंद्रीय बजट 2025-26 आगामी 1 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 फरवरी को एक लंबे अंतराल के लिए स्थगित कर दी जाएगी। संसद की कार्यवाही 10 मार्च को दोबारा शुरू होगी जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी और बजट पारित कराया जाएगा। बजट सत्र के पहले भाग में 31 जनवरी से 13 फरवरी तक नौ बैठकें आयोजित की जाएंगी। पीएम नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे और वित्त मंत्री सीतारमण बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। पूरे बजट सत्र में 27 बैठकें होंगी और यह सत्र 4 अप्रैल को खत्म होगा। केंद्र में नई सरकार के गठन के कुछ सप्ताह बाद पिछले साल जुलाई में वित्त मंत्री सीतारमण ने अपना सातवां बजट पेश किया था और इस प्रकार लगातार छह बजट पेश करने का स्वर्गीय मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा था।

भारत-अमेरिका ने साइबर अपराध जांच पर समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने साइबर अपराध जांच में सहयोग बढ़ाने के लिए कल वाशिंगटन डीसी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कार्यवाहक अमेरिकी उप सचिव होमलैंड सुरक्षा क्रिस्टी कैनेगैलो ने हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और अमेरिका ने आपराधिक जांच में साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक पर सहयोग और सूचना साझा करने को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत की ओर से भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), गृह मंत्रालय (एमएचए) समझौता ज्ञापन के निष्पादन के लिए जिम्मेदार है। अमेरिका की ओर से यह होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और इसकी घटक एजेंसियां अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) और होमलैंड सुरक्षा जांच साइबर अपराध केंद्र (सी3) हैं। समझौता ज्ञापन दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों को आपराधिक जांच में साइबर खतरे की खुफिया जानकारी और डिजिटल फोरेंसिक के उपयोग के संबंध में सहयोग और प्रशिक्षण के स्तर को बढ़ाने की अनुमति देता है। साइबर अपराध का भारत और अमेरिका के सामने आने वाली आम सुरक्षा चुनौतियों से गहरा संबंध है, जैसे आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद, आतंकी वित्तपोषण, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध, मानव तस्करी, अवैध प्रवास, धनशोधन और परिवहन सुरक्षा। साइबर अपराध जांच पर समझौता ज्ञापन हमारी व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में भारत-अमेरिका सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने में सक्षम बनाएगा।

संक्षिप्त खबरें

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने त्रिवेणी में लगायी पवित्र डुबकी

महाकुंभनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में शनिवार दोपहर पवित्र डुबकी लगायी और विधिविधान से पूजन अर्चन कर देश में सुख शांति की कामना की। अपने एक दिवसीय प्रयागराज दौरे के दौरान श्री सिंह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संगम तट पर पहुंचे जहां उन्होने स्नान आदि के उपरांत पुष्प, नारियल आदि से मां गंगा का पूजन अर्चन किया और आरती उतारी। इस अवसर पर सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी उनके साथ थे।

महत्वपूर्ण खबर

दिल्ली : वायु गुणवत्ता में सुधार, हटाई गई ग्रैप 3 की पाबंदियां

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता में सुधार के साथ ही केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल ने शुक्रवार को दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण 3 की पाबंदियों को हटा दिया। यह कदम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर में गिरावट के बाद ग्रैप 4 को वापस लेने के एक दिन बाद उठाया गया है। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा कि ग्रैप को लेकर उसकी उप-समिति ने शुक्रवार को बैठक की और क्षेत्र में वायु गुणवत्ता परिदृश्य के साथ-साथ आईएमडी/आईआईटीएम के पूर्वानुमानों की समीक्षा की। सीएक्यूएम ने बयान में कहा, वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और तेज हवा की गति के कारण आने वाले दिनों में दिल्ली का एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी के निचले स्तर पर रहने की संभावना है।

कर्नाटक की बेहतरी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : शिवराज सिंह चौहान

बेंगलुरु। कर्नाटक की विकास योजनाओं को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्नाटक सरकार के कृषि मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्री और राजस्व मंत्री के साथ बैठक की। मीडिया को इस बैठक के बारे में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्रीफ भी किया। बताया, ''मैंने भारत सरकार की योजनाओं की समीक्षा की है। प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि सभी को पक्का मकान मिले। हमने सितंबर में कर्नाटक में 2 लाख 57 हजार 246 घर बनाने की मंजूरी दी थी। इसके लिए हमने पैसा भी आवंटित किया है।'' आगे कहा, ''आज कर्नाटक के गरीबों के मकान के लिए हमने आवासों की संख्या को बढ़ाया है। कुल मिलाकर कर्नाटक के उन आवासों के अलावा हमने 4 लाख 67 हजार 580 मकान गरीबों के लिए आवंटित किए हैं। भाजपा का संकल्प है कि हर गरीब को पक्का मकान मिले।'' चौहान ने प्रदेश सरकार को केंद्र द्वारा दिए गए फंड का उपयोग करने की सलाह भी दी।

आस्था | मात्र छह दिनों के अंदर सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और पूज्य साधु-संतों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई है।

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का भी संगम

प्रात : किरण/ एजेंसी

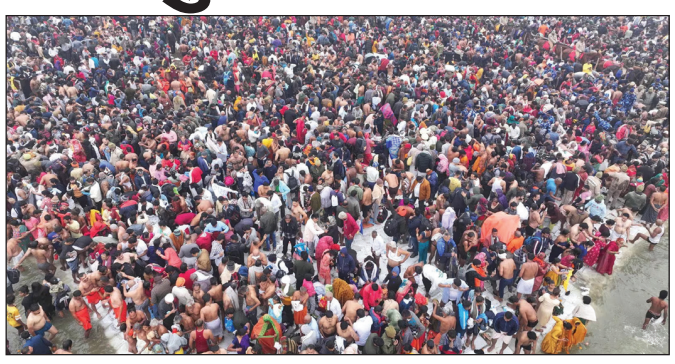

लखनऊ/महाकुंभ नगर। कारोबार और रोजगार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर कारोबार होगा तो रोजी-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इनमें से कुछ रोजगार स्थायी होंगे और कुछ अस्थायी। इससे संबंधित लोगों का जीवन पहले से खुशहाल हो जाएगा। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ भी इसका अपवाद नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कह चुके हैं कि पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक करीब डेढ़ महीने के इस आयोजन में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। अगर औसतन एक पर्यटक अपनी बुनियादी जरूरतों पर लगभग 5,000 रुपए खर्च करे तो इस दौरान करीब दो लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार करीब डेढ़ महीने का यह कारोबार संबंधित लोगों के लिए आठ महीने के कारोबार के बराबर होगा। इसका बड़ा हिस्सा करीब (25 हजार करोड़ रुपए) टैक्स के रूप में सरकार को मिलेगा। साथ ही देश की जीडीपी में भी इसका .03 फीसद का योगदान होगा। प्रयाग महाकुंभ के दौरान कारोबार के साथ रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे। इस बाबत विभिन्न एजेंसियों के रुझान भी आने लगे हैं। स्टैफिंग रिक्रूटमेंट सर्विसेज और फर्स्ट मेरिडियन ग्लोबल के मुताबिक महाकुंभ के दौरान 6 लाख से लेकर 10 लाख अस्थायी रोजगार सृजित होंगे। इसमें महाकुंभ की बसाहट और इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी अन्य काम, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, डेटा एनालिस्ट, डिजिटल सुरक्षा, ब्रांडिंग, मार्केटिंग के लिए बैनर, पोस्टर और फ्लेक्स, सोशल इन्फ्लूएंसर, हॉस्पिटैलिटी, इवेंट्स मैनेजमेंट आदि के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर प्रसाद बेचने वालों, नाई, पुरोहित, सिंदूर, बिंदी, चूड़ी, और टिकुली आदि बेचने वाले सबके हिस्से में कुछ न कुछ आना है। यकीनन यह औसत दिनों से कई गुना होगा। यही स्थिति कमोबेश स्थायी दुकानदारों की भी होगी। कारोबार और रोजगार का यह क्रम विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन प्रयागराज के महाकुंभ तक ही सीमित नहीं है। अगर काशी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद वहां 2023 में करीब 10 लाख पर्यटक आए तो यकीनन उन्होंने काशी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया होगा।

महाकुंभ के भव्य आयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक फीसदी से ज्यादा वृद्धि का अनुमान

महाकुंभ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा महाकुंभ न सिर्फ सांस्कृतिक और सामाजिक बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान की दिशा में भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाल ही में इसकी ओर संकेत किया था, जब उन्होंने कहा था कि महाकुंभ से दो लाख करोड़ का व्यापार होगा।

तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा महाकुंभ न सिर्फ सांस्कृतिक और सामाजिक बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान की दिशा में भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाल ही में इसकी ओर संकेत किया था, जब उन्होंने कहा था कि महाकुंभ से दो लाख करोड़ का व्यापार होगा। विशेषज्ञों की मानें तो 45 दिन तक चलने वाले इस महाआयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की वृद्धि हो सकती है। यही नहीं, जीएसटी कलेक्शन में भी भारी उछाल देखने को मिलेगा। दुनियाभर से आ रहे श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे खर्च से मांग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार में वृद्धि होगी और छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों की जेब में पैसा आएगा। सरकार को भी आयोजन से बड़े पैमाने पर आय होगी, जिसका उपयोग प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में होगा। कुल मिलाकर यह आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित होगा। देश के मशहूर सीए और अर्थशास्त्री पंकज गांधी जायसवाल के अनुसार, इस बार के महाकुंभ के आंकड़े जो सरकार बता रही है, उसके होने भर से ही नॉमिनल और रियल दोनों जीडीपी के आंकड़ों में एक प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सिडकुल की फार्मा कंपनी में इनकम टैक्स टीम का छापा, सभी मुख्य गेट पर लगाया ताला

हरिद्वार , एजेंसी। सिडकुल क्षेत्र की फार्मा कंपनी में अचानक आयकर विभाग की टीम पहुंच गई। टीम ने सभी गेट पर ताला लगाया और अंदर कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। हरिद्वार में सिडकुल क्षेत्र की फार्मा कंपनी में आज इनकम टैक्स विभाग की टीम ने छापा मारा। अचानक टीम को देख कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। जो कर्मचारी अंदर काम कर रहे थे वह अंदर ही हैं और जिनकी शिफ्ट अब शुरू होने वाली थी उन्हें बाहर ही रोक दिया गया है। इनकम टैक्स की टीम ने सभी मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया है। बताया जा रहा है कि कंपनी के मालिक तक के फोन बंद हैं। शिफ्ट से वंचित कर्मचारी परेशान होकर बाहर ही खड़े हैं।

असामाजिक तत्वों ने गोशाला में लगाई आग, गाड़ी में की तोड़फोड़

पोखरी (चमोली), एजेंसी। रडुवा गांव में असामाजिक तत्वों ने एक गोशाला में आग लगा दी। साथ ही सड़क पर खड़ी कार में भी तोड़फोड़ कर दी। पीड़ित व्यक्ति ने थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रडुवा निवासी कुलदीप सिंह नेगी ने बताया कि बुधवार देर रात किसी असामाजिक तत्वों ने उनकी गोशाला में आग लगा दी। गोशाला घर से कुछ दूरी पर है। आग लगने की सूचना मिलने पर ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई गई और मवेशियों को बचाया गया। वहीं चांदनीखाल में सड़क पर खड़ी उनकी कार में भी तोड़फोड़ की गई। थाने में इसकी शिकायत दर्ज करा दी गई है। वहीं राजस्व उपनिरीक्षक मनोज बर्त्वाल ने गांव में पहुंचकर आग से हुए नुकसान का जायजा लिया और रिपोर्ट एसडीएम को भेज दी है। थानाध्यक्ष पोखरी विनोद चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार छात्रा की मौत

कोटद्वार, एजेंसी। सिद्धबली मंदिर के निकट एक वाहन की टक्कर लगने से स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में स्कूटी पर सवार छात्रा की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। सिद्धबली मंदिर के निकट रहने वाले हरि सिंह की पुत्री अंजलि (20) बृहस्पतिवार दोपहर स्कूटी से सिद्धबली मार्ग से गुजर रही थी। अचानक अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से अंजलि स्कूटी समेत सड़क पर गिर गई। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजन अंजलि को आनन-फानन में बेस अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक जांच के बाद डॉ. कोमल ने अंजलि को मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में चीख-पुकार मच गई। कुछ ही देर में पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। परिजनों ने एसआई दीपिका को बताया कि अंजलि स्कूटी से अपनी मित्र के पास जा रही थी। रास्ते में उसे वाहन ने टक्कर मार दी। अंजलि को किस वाहन ने टक्कर मारी, पुलिस इसकी जानकारी करने में जुटी है। वहीं, पंचनामा कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

मड़ गांव में मोबाइल में नहीं आते सिग्नल

पिथौरागढ़, एजेंसी। मड़मानले के मड़ गांव में आज भी लोगों को संचार संपर्क के लिए मोबाइल लेकर घरों से बाहर निकलकर ऊंचे स्थानों पर जाना पड़ता है। फोन सेट में भारतीय कंपनियों के बजाय नेपाल की संचार कंपनियों के सिग्नल आते हैं। कई बार मांग के बाद भी टावर नहीं लगाए जाने से लोगों में नाराजगी है। मड़मानले की दूरी जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर है। मड़मानले में निजी कंपनी के टावर तो हैं लेकिन मड़ गांव में सिग्नल नहीं आते हैं। लोगों को यदि किसी से बातचीत करनी होती है तो घर से बाहर आकर ऊंचे स्थानों पर जाना होता है। सिग्नल नहीं आने से बुजुर्ग शहरों या देश की सरहदों पर ड्यूटी दे रहे अपने बेटों से बात नहीं कर पाते हैं। घर के भीतर जाते ही मोबाइल फोन से सिग्नल गायब हो जाते हैं। ऐसे में इंटरनेट की सुविधा से भी उपभोक्ताओं को वंचित रहना पड़ता है। सामाजिक कार्यकर्ता किशोर सिंह धामी ने बताया कि संचार सुविधा बदहाल होने के कारण लोग परेशान हैं। मड़ गांव में भारत के बजाय नेपाल की कंपनियों का अधिक नेटवर्क काम करता है।

नैनीझील में प्रदूषण पर एनजीटी ने बैठाई जांच, कुमाऊं आयुक्त को बनाया नोडल अधिकारी

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल का कूड़ा व सीवर की गंदगी नैनीझील में जा रही है। हाईकोर्ट ने भी इसका संज्ञान लेकर प्रशासन को निर्देशित किया था। अब यह मामला एनजीटी तक पहुंच गया है। एनजीटी ने कुमाऊं आयुक्त को नोडल अधिकारी बनाकर जांच के आदेश दिए हैं।

ब्रिटिश काल में नगर के कैचमेंट की सुरक्षा के लिए बनाए गए पांच दर्जन से अधिक नाले बसासत बढ़ने व सफाई की बेहतर व्यवस्था न होने से अभिशाप बन गए हैं। इनके माध्यम से कूड़ा व सीवर की गंदगी नैनीझील में जा रही है। हाईकोर्ट ने भी इसका संज्ञान लेकर प्रशासन को निर्देशित किया था। अब यह मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) तक पहुंच गया है। एनजीटी ने कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत को बतौर नोडल अधिकारी बनाकर केंद्रीय व राज्य बोर्ड को जांच के आदेश दिए हैं।

बता दें कि 1880 के भूस्खलन के बाद अंग्रेजी हुकूमत की ओर से कैचमेंट क्षेत्र को भूस्खलन से बचाने के लिए पांच दर्जन से अधिक नालों का निर्माण कराया। इनमें से लगभग 40 से अधिक नाले नैनीझील में खुलते हैं।

बारिश का पानी इन नालों से होते हुए झील तक पहुंचता है। अब नैनीताल की आबादी बढ़कर 55 हजार से अधिक हो गई है, पीक सीजन में पर्यटकों की संख्या भी इतनी ही रहती है। बढ़ते मानवीय दबाव और बेहतर सफाई प्रबंधन के अभाव में नालों के जरिये गंदगी झील में पहुंच रही है। यही नहीं सीवर भी झील में गिर रहा है। हाईकोर्ट ने बरसात के दौरान मॉलरोड पर सीवर के मेन होल के ओवरफ्लो होने से गंदा पानी झील में जाने पर स्वत- संज्ञान लेकर अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए थे।

अब आरटीआई कार्यकर्ता हेमंत सिंह गौनिया की शिकायत पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने इसका संज्ञान लिया है। एनजीटी ने नैनीताल झील के गंभीर जल प्रदूषण की शिकायत पंजीकृत कर ली है। एनजीटी ने उत्तराखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और आयुक्त नैनीताल की एक संयुक्त समिति का गठन कर जांच के लिए कहा है।

आरटीआई कार्यकर्ता समाजसेवी हेमंत सिंह गौनिया का कहना है कि दो वर्ष पूर्व यहां मेट्रोपोल, मस्जिद व मंदिर से होकर नैनीझील में जाने वाले नाले से झील में जा रही सीवर की गंदगी व कूड़े की शिकायत मुख्यमंत्री, राज्यपाल और प्रधानमंत्री कार्यालय तक की गई, जिलाधिकारी के निर्देश पर सिंचाई, प्राधिकरण, पालिका समेत अन्य विभागों की टीम गठित हुई, लेकिन इसका नतीजा कुछ नहीं निकाला। इसके बाद उन्होंने इन सभी पत्रों समेत आरटीआई का हवाला देकर एनजीटी में शिकायत की। एनजीटी की ओर से उन्हें मामला पंजीकृत होने समेत जांच के निर्देश बाबत पत्रावली भेजी है।

लिखित आश्वासन नहीं मिला तो एनआईटी परिसर का निर्माण कार्य का करेंगे विरोध

श्रीनगर, एजेंसी। एनआईटी सुमाड़ी परिसर के निर्माण में स्थानीय युवाओं को रोजगार दिए जाने, मालवाहक वाहनों, कैंटीन कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दिए जाने, बड़े वाहनों के संचालन से क्षतिग्रस्त हो रहे मार्गों का नव निर्माण कराए जाने आदि मांगों को लेकर स्थानीय लोगों की एनआईटी के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस दौरान लोगों ने एक स्वर में कहा कि यदि उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं दिया गया तो उन्हें एनआईटी परिसर के निर्माण कार्य को बंद करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

एनआईटी सुमाड़ी परिसर के निर्माण में खालु, चमराड़ा, नयालगढ़, सुमाड़ी आदि गांवों की भूमि को उपयोग में लाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने एनआईटी के लिए भूमि दान दी है। जिसके बदले में प्रभावित भूमिधरों को रोजगार व अन्य कार्यों में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसको लेकर कई बार ग्रामीण शासन-प्रशासन व एनआईटी के अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रख चुके हैं। पूर्व में इन मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने 18 जनवरी को कार्य बंद कराने की चेतावनी दी थी। जिसको देखते हुए शुक्रवार को एनआईटी के अधिकारियों ने महिला मंगल दल सुमाड़ी, नव युवक मंगल दल व अन्य लोगों के साथ बैठक कर मांगों के संदर्भ में वार्ता की। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि उनकी मांगों पर बैठक में कोई सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला है। जिसके विरोध में वह शनिवार को निर्माण कार्य नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। मौके पर हेमा काला, मनोज भट्ट, अंकित काला, प्रियांशु मुयाल, निखिल मुयाल, अनुज जोशी, राकेश मोहन घिल्डियाल, राजेश मोहन काला, राजमोहन चमोली, सुनीता देवी, सरिता काला, गुड्डी देवी, हेमलता, विपुल आदि मौजूद रहे।

इधर, एनआईटी के कुलसचिव एचएम आजाद ने कहा कि ग्रामीणों के जो मुद्दे थे उन पर सार्थक वार्ता हुई है, उनके मुद्दों पर एनआईटी प्रशासन पूरा सहयोग करेगा।

उम्मीदवार के रिश्तेदार कर्मचारियों की नहीं लगेगी निर्वाचन में ड्यूटी

बागेश्वर, एजेंसी। राज्य निर्वाचन आयोग से सामान्य प्रेक्षक नरेंद्र सिंह ने चुनाव में लगे अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने मतदान पार्टियों के खाने और रहने की व्यवस्था सरकारी भवन में करने को कहा। राजनीतिक पार्टी के प्रत्याशी से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े कार्मिक चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाने के निर्देश दिए।

बृहस्पतिवार को विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सामान्य प्रेक्षक सिंह ने कहा कि मतदान में लगे कार्मिक किसी भी प्रकार का आतिथ्य स्वीकार नही करेंगे। उन्होंने कार्मिकों को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मानक के अनुसार स्ट्रांग रूम बनाने, कर्मचारियों के लिए भोजन, पोलिंग पार्टियों की आवाजाही के लिए वाहन की अच्छी व्यवस्था करने को कहा। कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेते हुए निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग को अवैध शराब के मद्देनजर रात में भी वाहनों की चेकिंग करने, चेक किए गए वाहनों के नंबर रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला इस मौके पर एडीएम एनएस नबियाल, एसडीएम मोनिका, पीडी शिल्पी पंत, डीडीओ संगीता आर्या, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर पांडेय आदि मौजूद रहे।

उत्तरायणी मेले में थूक लगाकर रोटियां बना रहा था युवक, वीडियो देख सभी हैरान; लोगों में आक्रोश

बागेश्वर, एजेंसी। बागेश्वर के उत्तरायणी मेले में बाहर से आए समुदाय विशेष के व्यापारी के दुकान में रोटी में थूककर पकाने का वीडियो सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बागेश्वर में उत्तरायणी मेले में बाहर से व्यापार करने आए समुदाय विशेष की दुकान पर थूककर रोटियां बनाने का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुक्रवार की रात को सोशल मीडिया पर एक दुकान में थूककर रोटियां बनाने का वीडियो वायरल हुआ था। वडियो में दुकान में रोटी बना रहा युवक तंदूर में रोटियां डालने से पहले उन पर थूकते हुए दिखाई दे रहा था। वीडियो के सामने आते ही प्रशासन सतर्क हो गया। जिला अभिहित अधिकारी ललित मोहन पांडेय, तहसीलदार दलीप सिंह, ईओ मोहम्मन यामीन शेख, कोतवाल कैलाश सिंह नेगी समेत पुलिस दल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दुकान के मालिक और वहां काम कर रहे कुछ लोगों को तत्काल हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। आरोपियों से पूछताछ के बाद दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जिला रामपुर उत्तर प्रदेश और फिरासत (25) निवासी टांडा बादली, जिला रामपुर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ 196(1)/274/299 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर घटना को लेकर बजरंग दल ने आक्रोश जताया है।

मतपेटी खोलना और मतपत्रों को बाहर निकालना सीखा

चंपावत, एजेंसी। जिला कार्यालय सभागार में नगर निकाय चुनाव को लेकर मतगणना कार्य के लिए तैनात सुपरवाइजरों और मतगणना कार्मिकों को मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षण दिया। सीडीओ उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मतगणना संबंधित प्रथम प्रशिक्षण हुआ। द्वितीय प्रशिक्षण 24 जनवरी को मतगणना स्थल पर ही दिया जाएगा।

मास्टर ट्रेनरों ने मतपेटी खोलना, मतपेटी से मतपत्रों को बाहर निकालना और रंगों के आधार पर अवैध मतपत्रों को अलग करना सीखा। इस दौरान बताया कि वैध मतपत्रों के 50-50 बंडल बनाए जाएंगे। बताया कि पहले सदस्य पद के लिए पड़े मतपत्रों की गणना होगी। उसके बाद अध्यक्ष पद के लिए पड़े मतपत्रों की गणना की जाएगी। पुनर्गणना की भी उम्मीदवार अभिकर्ता, गणना अभिकर्ता रिटर्निंग अधिकारी की ओर से चुनाव परिणाम घोषित होने से पूर्व लिखित रूप में आवेदन करेगा। इस आधार पर रिटर्निंग अधिकारी जांच कर आवेदन को स्वीकृत कर सकता है। यहां नोडल अधिकारी प्रशिक्षण, एपीडी विम्मी जोशी, सीईओ मेहरबान सिंह बिष्ट, मास्टर ट्रेनर प्रकाश उपाध्याय, जीवन कलोनी, एमपी जोशी आदि 60 मतगणना पार्टियां मौजूद रही।

नगर निकाय चुनाव की मतगणना का परिणाम राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ऑनलाइन प्रदर्शित होगा। इसके लिए मतगणना ऑपरेटर और प्रशासक नियुक्त कर दिए गए हैं। इसके लिए नोडल एडीएम को बनाया गया है। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना कार्मिकों को व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। मतपेटी को खोलने आदि के बारे में जानकारी दी गई। सीडीओ ने कहा कि मतगणना में किसी प्रकार की गलती, अनियमितता या असावधानी नहीं बरती जाएगी और कार्य में लगाए गए कार्मिक पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें।

मंच बाजार में बाघ की दहशत, रतजगा कर रहे ग्रामीण

मंच/चंपावत, एजेंसी। सीमांत तल्लादेश के मंच में बाघ की दस्तक से क्षेत्र के लोगों में डर का माहौल है। बाघ की धमक से लोगों के लिए सफर करना मुश्किल हो गया है। बीते 20 दिनों से बाग की दहशत से लोगों का रात में सोना मुश्किल हो रहा है। बृहस्पतिवार शाम छह बजते ही बाघ मंच के जीआईसी, हॉस्पिटल और सड़क पर दहाड़ता नजर आया। मंच के लोगों का कहना है कि वन विभाग को इसकी सूचना दी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सूरज सिंह, बचना सिंह, नंदन सिंह, पंकज वर्मा, सचिन सिंह, रवींद्र सिंह आदि ने बाघ को भगाने की कोशिश की, लेकिन बाग रात भर मंच क्षेत्र में घूमता रहा। स्थानीय कृष्ण सिंह ने बताया कि बाघ रात के एक बजे मुख्य बाजार में घूम रहा था। डीएफओ नवीन चंद्र पंत ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की मूवमेंट को देखते हुए वन कर्मियों की गश्त बढ़ाई जाएगी। बाघ की मूवमेंट की सूचना कई जगह मिल रही है। यह धामीसौन में दिखाई देने वाला बाघ भी हो सकता है या कोई अन्य बाघ। फिलहाल अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ पकड़ने की मांग ही है। उन्होंने कहा कि बाघ की दहाड़ उन्हें रात भर डरा रही है। कभी भी अनहोनी हो सकती है। उन्होंने क्षेत्र में लगातार गश्त करने की अपील की है। मंच क्षेत्र में लोगों को कहना है कि 20 दिन से बाघ दहाड़ रहा है। जबकि आठ जनवरी को ढकना बडोला में छह साल का नर बाघ मृत मिला था। उसके कुछ दिन बाद धामीसौन गांव में एक बाघ का मूवमेंट दिखाई दिया। अब मंच में भी बाघ की दहाड़ 20 दिन से लोग सुन रहे हैं। ऐसे में क्षेत्र में अन्य बाघों के होने की संभावना है। अब एक बाघ की मूवमेंट धामीसौन क्षेत्र में कैमरों में ट्रैप नहीं हो पाई है। वहीं मंच में बाघ की दहाड़ ने अन्य बाघ होने की संभावना पैदा कर दी है। विभाग का कहना है कि मंच, चूका क्षेत्र में जिम कार्बेट ट्रेल हैं। यहां पर महान शिकारी जिम कार्बेट आदमखोर बाघ की तलाश में आए थे। ऐसे में संभावना है कि यहां पर अन्य बाघ हो सकता है।

गरुड़ तहसील क्षेत्र में मिला तेंदुए का शव

गरुड़, एजेंसी। तहसील क्षेत्र के गलई गां मेला है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे नष्ट कर दिया है। गढ़खेत रेंज में तेंदुए का शव दिखने की सूचना दी। सूचना के बाद वन रक्षक चंदन सिंह नेगी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय लाया गया। पशु चिकित्सक पीके पाठक ने तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम किया। जिसके बाद शव को जलाकर नष्ट किया गया। रेंजर केवलानंद पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया आपसी संघर्ष में तेंदुए की मौत का मामला लग रहा है।

सभी वार्डों का विकास पहली प्राथमिकता : ललित जोशी

हल्द्वानी, एजेंसी। कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी ललित जोशी ने शुक्रवार को कुल्यालपुरा वार्ड नंबर सात से 11 तक डोर टू डोर जनसंपर्क किया और एक बैंक्वेट हॉल में खिचड़ी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद अधिवक्ताओं से वोट मांगे। उन्होंने वार्ड 38 में जनमिलन कार्यक्रम कर लोगों को संबोधित किया और बाद में ब्लॉक चौराहे से गुरुकुल स्कूल कमलुवागांजा तक जनसंपर्क कर लोगों से वोट मांगे।

ललित ने कहा वार्डों का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। भाजपा के राज में नगर निगम के सभी वार्डों की हालत खस्ता है। कहा ग्रामीण क्षेत्रों से उन्हें मिल रहे समर्थन को देखते हुए भाजपाई परेशान हैं। इन्हीं वार्डों को भाजपा अपना गढ़ मानती थी। कहा कि जब भाजपा ग्रामीण वार्डों से जनता को रोड शो में लाने में नाकाम साबित हुई तो उसे बाहरी क्षेत्रों से भीड़ जुटाई पड़ी। उन्होंने कहा कि आज लोग विकास चाहते है। बोले भाजपा को अब ग्रामीण क्षेत्रों से अपना वोट बैंक खिसकने का डर सता रहा है। विधायक सुमित हृदयेश ने भी लोगों को संबोधित कर ललित को जिताने की अपील की।किशोर जोशी, योगेन्द्र पाठक, भगवती पलड़िया, कमला सनवाल, आदित्य कुमार, आरपी पांडे, कैलाश शाह, जगमोहन बगड़वाल, दीपक शाह, महेश सुयाल आदि मौजूद रहे।

बंदर व लंगूरों से परेशान काश्तकार, बागवानी छोड़ने को विवश

देवप्रयाग, एजेंसी। जहां एक ओर सरकार काश्तकारों को बागवानी के लिए प्रोत्साहित कर रही है, वहीं दूसरी ओर काश्तकारों की मेहनत से उगाई खेती को बंदर व लंगूर बर्बाद कर रहे हैं। इस गंभीर समस्या से निजात दिलाने के लिए सरकार की ओर से ठोस पहल न किए जाने पर काश्तकार बागवानी छोड़ने को मजबूर हैं। देवप्रयाग के निकट गोर्थीकांडा गांव निवासी अब्बल सिंह की उन काश्तकारों में से एक हैं जो बंदरों व लंगूरों के आतंक के शिकार हुए हैं। अब्बल सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बंजर पड़े खेतों में परंपरागत खेती के बजाय परिजनों की सहायता और कड़ी मेहनत से विभिन्न प्रजाति के देशी व विदेशी फूल, फलों व उन्नत दालों की नर्सरी तैयार की। जिसमें सात तरह के गुलाब, गेंदे के फूल, सेब, अखरोट, चीकू, लीची, कीनू जैसे फल, मूंग, मसूर, गहथ दाल, वनहल्दी की उन्नत किस्म सहित परशियन नाशपाती, जापानी फल आदि उगाए। इस नर्सरी को बनाने के लिए वह हिमाचल प्रदेश के बायोटेक लैब व अन्य राज्यों से उन्नत बीज लाए। साथ ही उन्होंने सिंचाई के लिए टैंक भी बनवाए। कड़ी मेहनत से बंजर जमीन पर कुछ वर्षों में अखरोट, सेब, दालचीनी, आवंला, कागजी नीबू आदि के करीब 85 पेड़ तैयार हो गए। लेकिन इस नर्सरी पर लंगूरों की नजर पड़ते ही उन्होंने इसे तहस-नहस कर दिया। अपनी कड़ी मेहनत को यूं खराब होता देख वह बेहद हताश हैं। इससे उनके फलदार पेड़ पूरी तरह टूट गए। उन्होंने वन विभाग से लंगूरों से निजात दिलाए जाने की गुहार लगाई। वन कर्मियों की टीम यहां पहुंची, लेकिन लंगूरों से निजात दिलाने में कामयाब नहीं हो पाई। उन्होंने बताया कि उनकी ओर से सीएम पोर्टल पर भी तीन बार शिकायत की गई, लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अंकिता हत्याकांड : बचाव पक्ष की ओर से हत्यारोपी पुलकित आर्य की पत्नी स्वाति ने दर्ज कराए बयान

कोटद्वार, एजेंसी। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे) में शुक्रवार को बचाव पक्ष की ओर से दूसरे गवाह के रूप में मुख्य हत्यारोपी पुलकित आर्य की पत्नी स्वाति आर्य की गवाही हुई। गवाही पूरी न होने के कारण अब अगली तिथि 31 जनवरी की निर्धारित की गई है।उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड की एसआईटी जांच के बाद कोटद्वार स्थित एडीजे कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। इस मामले में अभियोजन पक्ष की गवाही और बचाव पक्ष की जिरह का सिलसिला समाप्त होने के बाद बीती 3 जनवरी से बचाव साक्ष्य की गवाही शुरू हुई। उक्त तिथि पर बचाव पक्ष के पहले गवाह के रूप में दूसरे हत्यारोपी सौरभ भास्कर के जीजा ज्वालापुर हरिद्वार निवासी बिजेंद्र शर्मा ने अदालत में हाजिर होकर बयान दर्ज कराए थे।

अब बचाव पक्ष की ओर से दूसरी गवाह

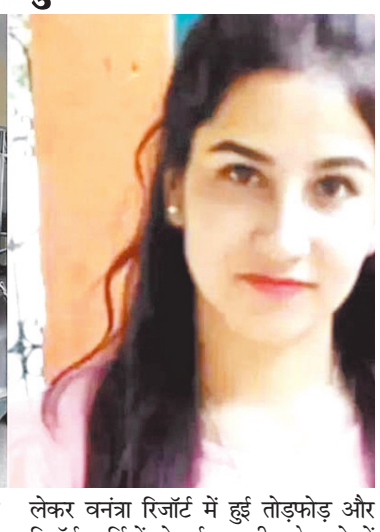

के रूप में शुक्रवार को पुलकित आर्य की पत्नी स्वाति आर्य के बयान दर्ज हुए। स्वाति आर्य ने अपने पति पुलकित आर्य पर लगे आरोपों को गलत बताया। उन्होंने मृतका अंकिता भंडारी की गुमशुदगी के बाद से लेकर वनंत्रा रिजॉर्ट में हुई तोड़फोड़ और रिजॉर्ट कर्मियों से हुई बातचीत के बारे में विस्तार से बयान दर्ज कराए।

कहा कि जिस समय की घटना है उस समय रिजॉर्ट में कारपेंटर इन्टीरियल का काम चल रहा था। काम के सिलसिले में उनके पति पुलकित रिजॉर्ट में रुक जाया करते थे। 19 सितंबर, 2022 की सुबह पुलकित घर आए थे, तब उन्होंने बताया कि रिसेप्शनिस्ट रिजॉर्ट से लापता है। 22 सितंबर, 2022 को पता चला कि पुलकित पर मृतका को नहर में धक्का देने का आरोप लगाया गया है। जिसे सुनकर वह बहुत डर गई थी। इसी दिन शाम को उसे पुलकित के गिरफ्तार होने की जानकारी मिली। बचाव पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार शुक्रवार को पूरी गवाही नहीं हो सकी है, जिसके लिए अदालत ने अगली तिथि 31 जनवरी निर्धारित की है।

बताते चलें कि बचाव पक्ष के अधिवक्ता की ओर से अदालत को बचाव साक्ष्य के लिए 13 लोगों की सूची सौंपी गई है। जिसमें से शुक्रवार को दूसरी गवाही शुरू हुई। अगली तिथि पर भी गवाह की मुख्य परीक्षा होगी। इसके बाद अभियोजन पक्ष की ओर से प्रति परीक्षा (जिरह) होगी।

संक्षिप्त खबरें

इग्नू के क्रिमिनल जस्टिस पाठ्यक्रम में आवेदन शुरू

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनल जस्टिस (पीजीडीसीजे) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह इग्नू के विधि विद्यालय के तहत संचालित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए तैयार किया गया है जो आपराधिक न्याय प्रणाली में अध्ययन करना चाहते हैं। यह कोर्स केवल अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध है। इग्नू से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कोर्स में दाखिला के बाद अभ्यर्थी इसे एक वर्ष से तीन वर्ष की अवधि के बीच पूरा सकता है। इसमें दाखिला के लिए किसी भी विषय में स्नातक होना आवश्यक है। इग्नू का कहना है कि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी, वकील, डॉक्टर, सेना के कर्मचारी के अलावा विशेष एजेंसियों व एनजीओ से जुड़े लोगों के अलावा आपराधिक न्याय प्रणाली और आपराधिक कानूनों को समझने में रुचि रखने वाले अभ्यर्थी इसमें आवेदन कर सकते हैं।

फुटबॉल मैच के दौरान हुआ झगड़ा, नाबालिग ने दोस्तों संग मिलकर युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। दिल्ली से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक छोटे से विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। 4 नाबालिगों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक 25 साल के युवक को गोली चला दी, जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं पुलिस का कहना है कि घायल युवक को इलाज के लिए नजदीक के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने 3 नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है और चौथे की तलाश अभी जारी है। बता दें कि दिल्ली के भलस्वा डेयरी के वाले रामलीला मैदान में गुरुवार को फुटबॉल खेलते वक्त एक नाबालिग लड़के से बहस हो गई। बहस होने के बाद ही नाबालिग ने निखिल पर गोली चला दी। पुलिस के मुताबिक, फुटबॉल खेलने के दौरान पीड़ित और नाबालिग में इस बात को लेकर झगड़ा हुआ कि पहले कौन खेलेगा। इसके बाद नाबालिग ने गुस्से में अपने तीन और दोस्तों को बुला लिया, जिसमें से एक ने पिसितौल निकाली और युवक पर गोली चला दी और वहां से फरार हो गए। वहीं खेल रहे एक 22 साल के लड़के ने बताया कि निखिल अपने दोस्तों के साथ ग्राउंड में खेल रहा था। खेल के दौरान ही उसके और एक दूसरे लड़के बीच में झगड़ा हो गया, जिसके बाद लड़का थोड़ी देर के लिए बाहर चला गया, लेकिन उसके बाद वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ वापस आया और निखिल के साथ मारपीट करने लगे। जब निखिल ने इसका विरोध करना चाहा तो उसमें से एक युवक ने देसी पिस्तौल निकाली और गोली चला दी और मौके से फरार हो गए। वहीं उद्धव वलसन बताया कि आरोपियों में से एक आरोपी गोली मारने की बात को कबूल कर लिया है। पुलिस अभी चौथे सदस्य की तलाश कर रही है।

केजरीवाल की घोषणा, सरकार बनने के बाद किरायेदारों का भी बिजली का बिल रहेगा माफ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक और घोषणा और बड़ा वादा दिल्ली की जनता के साथ किया है। जिसके अनुसार अब दिल्ली में किराए के मकान में रहने वाले किरायेदारों के भी बिजली के बिल माफ होंगे। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा पूर्वांचल के लोग ही दिल्ली में किराए के मकान में रहते हैं और गरीबी इतनी ज्यादा होती है कि एक-एक बिल्डिंग में 100 लोग रह रहे होते हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली में जगह-जगह घूम रहा हूं। दिल्ली के लोगों के लिए हमने बिजली फ्री कर दी। 200 यूनिट तक बिजली फ्री है। 200 से 400 यूनिट तक बिजली हाफ रेट है। 20,000 लीटर पानी हर महीने फ्री है। लेकिन दुख की बात है कि दिल्ली में रहने वाले किरायेदारों को फ्री बिजली और फ्री पानी का लाभ नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि इसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लेकिन जो भी कारण हो, किराएदार भी दिल्ली के रहने वाले हैं।

फर्जी दस्तावेज बनाकर की करोड़ो की ठगी, पुलिस ने मां-बेटे को किया गिरफ्तार, बहनोई अब भी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के कीर्ति नगर पुलिस ने मां-बेटे की शातिर जोड़ी को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे 4.5 करोड़ रुपये की ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवप्रीत सिंह और उनकी मां तजिंदर कौर के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य आरोपी, कमलजीत सिंह, फरार है। यह मामला तब सामने आया जब रविंदर सिंह नामक व्यक्ति की मौत के बाद उनकी संपत्ति को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस जांच में पाया गया कि उनकी पत्नी तजिंदर कौर, बेटा नवप्रीत सिंह और बहनोई कमलजीत सिंह ने संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों में हेरफेर कर कई फर्जी कर्ज, लिए और संपत्ति बेचने की साजिश रची।

8वें वेतन आयोग के गठन का दिल्ली बीजेपी ने किया स्वागत, केजरीवाल पर बोला हमला

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मोदी सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के गठन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मी आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों व योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का माध्यम बन रहे हैं। वे धन्यवाद के पात्र हैं।

वहीं, सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि कल मोदी सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग की स्थापना के बाद सरकारी कर्मचारियों में काफी खुशी है। दिल्ली वासी सरकारी कर्मचारी प्रतिनिधियों ने मुझे फोन कर सरकार का आभार प्रकट किया है। कालीबाड़ी से किदवई नगर तक सरकारी कर्मी आज संतुष्ट एवं प्रसन्न हैं कि उनके लिए मोदी सरकार ने समय पर ध्यान दिया है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि जहां वेतन आयोग की समयबद्ध स्थापना से सरकारी कर्मचारी अपने बेहतर कल को देख रहा है तो वहीं निजी वर्ग कर्मी भी आशावान हैं। इस वेतन आयोग के गठन

का लाभ जहां कर्मचारियों को होगा तो, वहीं पेंशन भोगियों को भी होगा। उन्होंने कहा कि जहां वेतन आयोग का सीधा लाभ सरकारी कर्मियों को होगा, वहीं प्राइवेट सेक्टर कर्मियों को भी परोक्ष लाभ होगा। न्यूनतम वेतन न्यायसंगत बढ़ सकते हैं। केजरीवाल के आयकर रिटर्न के आंकड़ें संदेहास्पद : सचदेवा ने कहा कि भाजपा ने दो दिन पहले सवाल उठाया था कि आखिर कैसे मुमकिन है कि एक मुख्यमंत्री अपनी बेसिक आमदनी से भी कम आयकर रिटर्न दाखिल करता है। अरविंद केजरीवाल ने उस पर जवाब देना जरूरी नहीं समझा। जवाब देंगे तो कैसे। क्योंकि वह जानते हैं कि उनके आयकर रिटर्न के आंकड़ें संदेह उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि हम आज फिर से अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछते हैं कि आखिर यह कैसे मुमकिन है कि गत दशक में आपके आयकर रिटर्न में दिखाई आय आपके मूल वेतन से भी कम है। वहीं, सिसोदिया पर कर्ज के आंकड़े हर नागरिक के मन में सैकड़ों सवाल खड़े करता हैं।

दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक

पार्टी की ओर से इसका एक पोस्टर भी जारी किया गया था। इस डॉक्यूमेंट्री के स्क्रीनिंग का आयोजन दिल्ली के आईटीओ स्थित प्यारेलाल भवन में शनिवार दोपहर 12 बजे होना था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए इसे रोक दिया।

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर जारी सरगर्मी के बीच शनिवार को पूर्व सीएम और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' की स्क्रीनिंग रोक दी गई। यह डॉक्यूमेंट्री पार्टी के नेताओं के जेल जाने और उनके संघर्ष पर आधारित है, जिसका नाम अनब्रेकेबल है। पार्टी की ओर से इसका एक पोस्टर भी जारी किया गया था। इस डॉक्यूमेंट्री के स्क्रीनिंग का आयोजन दिल्ली के आईटीओ स्थित प्यारेलाल भवन में शनिवार दोपहर 12 बजे होना था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए इसे रोक दिया।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर लगाया आरोप आम आदमी पार्टी ने पुलिस के इस कदम को भाजपा के दबाव का नतीजा बताया। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में थिएटर मालिकों को भी डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग न करने के लिए धमकाया गया है। आम आदमी पार्टी ने सवाल

उठाते हुए कहा कि भाजपा स्क्रीनिंग रोककर क्या छुपाना चाहती है ? यह जनता का अधिकार है कि वह सच्चाई जाने। आप नेताओं ने यह भी कहा कि हम डॉक्यूमेंट्री दिखाएंगे। भाजपा हमारी आवाज नहीं दबा सकती है। पार्टी का दावा है कि इस डॉक्यूमेंट्री जनता को सच्चाई से अवगत कराने के लिए बनाया गया है।

मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि चुनाव की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दलों को किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए डीईओ कार्यालय (डीएम कार्यालय) के सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति लेनी होती है। यह चुनावी प्रक्रिया का मानक नियम है। इस कार्यक्रम के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए यह नियमों का उल्लंघन होता। हम सभी दलों से आग्रह करते हैं कि वे चुनावी नियमों का पालन करें। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि दिल्ली पुलिस इस समय ऐसी अनुमति न तो दे सकती है और न ही अस्वीकार कर सकती है, क्योंकि सभी राजनीतिक गतिविधियों के लिए अनुमति संबंधित डीईओ कार्यालय के सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से दी जाती है।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच इस घटना ने तनाव को और बढ़ा दिया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा चुनाव के दौरान उनकी छवि खराब करने और जनता को सच्चाई से दूर रखने का प्रयास कर रही है। इस डॉक्यूमेंट्री में आप के नेताओं द्वारा जेल में बिताए गए समय और उनके संघर्ष को दिखाया गया है। पार्टी का कहना है कि यह फिल्म उनकी सच्चाई को जनता के सामने लाने का एक प्रयास है। अब देखना यह है कि आम आदमी पार्टी इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के लिए क्या कदम उठाती है और यह मामला दिल्ली विधानसभा चुनाव में किस तरह से असर डालता है।

शकूर बस्ती की पिच पर सत्येंद्र जैन चौका मारने उतरेंगे, विपक्षी पार्टियां उठा रहीं भ्रष्टाचार का मुद्दा

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सबसे पिछड़े इलाकों में से एक शकूर बस्ती से विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने दिग्गज नेता सत्येंद्र जैन को एक बार फिर टिकट दिया है। वह पिछले तीन चुनाव जीत चुके हैं, लेकिन इस चुनाव से ठीक पहले वह मनी लॉन्ड्रिंग के केस में लगभग दो साल जेल में बिताकर आए हैं। ऐसे में एक तरफ विपक्षी पार्टियां भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर आप के खिलाफ प्रचार कर रही हैं तो दूसरी तरफ सत्येंद्र जैन अपने-आप को साजिश का शिकार बताकर जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। यह दिल्ली के उत्तरी दिल्ली जिले मेंस्थित है और एक प्रमुख आवासीय और व्यावसायिक इलाका माना जाता है। शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन इस क्षेत्र में स्थित एक छोटा रेलवे स्टेशन है। यह स्टेशन दिल्ली उपनगरीय रेलवे का हिस्सा है। साल 2020 दिल्ली विधानसभा चुनावों में, आम आदमी पार्टी के सत्येन्द्र जैन ने 51,165 वोट प्राप्त कर चुनाव जीतने में सफलता प्राप्त की, जबकि भारतीय जनता पार्टी के एस.सी. वत्स को 43,573 वोट मिले और कांग्रेस के देव राज अरोड़ा को केवल 3,382 वोट मिले थे। साल 2015 के चुनाव में भी सत्येन्द्र जैन ने 51,530 वोट प्राप्त किए थे, जबकि भाजपा के एससी वत्स को 48,397 वोट मिले थे और कांग्रेस के चमन लाल शर्मा को 4,812 वोट मिले थे। साल 2013 में भी सत्येन्द्र जैन ने 40,232 वोट प्राप्त कर विजय हासिल की थी, जबकि भाजपा के श्याम लाल गर्ग को 33,170 और कांग्रेस के एससी वत्स को 18,799 वोट मिले थे। शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 1,56,352 हैं, जिनमें से 79,753 पुरुष और 76,594 महिला मतदाता हैं, जबकि थर्ड जेंडर के पांच मतदाता भी हैं। यह सीट दिल्ली की उन चंद सीटों में से एक है जहां तीन प्रमुख दलों - भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने जीत हासिल की है।

इस चुनाव में दिल्ली में सत्ता की रेस में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच मुख्य मुकाबला है, जबकि कांग्रेस भी सत्ता में वापसी की कोशिशों में है। साल 2020 के चुनाव में, जहां भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सीधा मुकाबला था, कांग्रेस के लिए स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण रही। हालांकि, कांग्रेस की रणनीति 10 साल बाद एक बार फिर से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की है। सत्येन्द्र जैन की लगातार तीन जीत ने उन्हें इस क्षेत्र में एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित किया है। वह अरविंद केजरीवाल की पहली कैबिनेट से मंत्री रहे थे, लेकिन 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। गिरफ्तारी के बावजूद, जैन की लोकप्रियता इस क्षेत्र में बरकरार रही और उनका राजनीतिक करियर प्रभावित नहीं हुआ है। शकूर बस्ती का इलाका प्रमुख रूप से रानी बाग, सरस्वती विहार, ऋषि नगर, पश्चिम विहार, ज्वाला हेड़ी गांव और बाजार जैसे क्षेत्रों से मिलकर बना हुआ है। इस क्षेत्र में एससी, पूर्वांचली, वैश्य और पंजाबी समुदाय की मिलीजुली आबादी है। यहां के स्थानीय मुद्दों में टूटी सड़कें, सीवर का ओवरफ्लो, जाम और अतिक्रमण प्रमुख हैं। इसके अलावा, इलाके के लोग अवैध रूप से कूड़ा फेंके जाने की शिकायत करते हैं, जिससे उन्हें आने-जाने में दिक्कत होती है। शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र का इतिहास पुराना रहा है। यह क्षेत्र 1972 में विधानसभा क्षेत्र घोषित किया गया था। उस समय कम्युनिस्ट पार्टी के श्रीचंद ने भारतीय जनसंघ के नेता बनारसी दास को हराकर विजय हासिल की थी।

भाजपा ने केजरीवाल-मनीष सिसोदिया की आय पर उठाया सवाल

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की चुनावी लाफनामों में दायर कर्ज और आय के आंकड़ों को लेकर सवाल किया है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा की भाजपा ने दो दिन पहले जन जिज्ञासा का सवाल उठाया था की आखिर कैसे मुमकिन है की एक मुख्यमंत्री अपनी बेसिक आमदनी से भी कम का आयकर रिटर्न दाखिल करता है। उन्होंने कहा कि इस पर अरविंद केजरीवाल ने अभी तक जवाब देना जरूरी नहीं समझा। हम आज फिर से अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछते हैं कि आखिर यह कैसे मुमकिन है की गत दशक में आपके आयकर रिटर्न में दिखाई आय आपके मूल वेतन से भी कम है। वहीं शराब नीति बनने वाले कोविड काल में आपकी आय 40 गुणा कैसे बढ़ गई थी। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की अभी हम समझ ही रहे थे की आखिर कैसे एक सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी एवं पूर्व मुख्यमंत्री की आय दिल्ली वालों की पर-केपिटा आय से भी कम हो सकती है तो तभी हमारा ध्यान मनीष सिसोदिया के हलाफनामे पर गया। इसमें सिसोदिया पर कर्ज के आंकड़े हर नागरिक के मन में सैकड़ों सवाल खड़े करते हैं। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने कहा है कि आजकल बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मां-बाप द्वारा कर्ज लेना सामान्य बात है लेकिन मनीष सिसोदिया के मामले में यह शिक्षा कर्ज लेना असामान्य बात है। साधारणता हम सब बच्चों का शिक्षा कर्ज बैंक से लेते हैं पर मनीष सिसोदिया व्यापारिक लोगों से शिक्षा ऋण लेते हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि मनीष सिसोदिया का चुनावी हलाफनामा यह बताता है की सिसोदिया आम लोगों की ही तरह फिक्स्ड डिपॉजिट बचत तो बैंक में करते हैं पर जब कर्ज लेने की जरूरत पड़ती है तो उनके पास ऐसे-ऐसे मित्र हैं जो उन्हें लाखों रुपये का कर्ज दे देते हैं, वो भी दीर्घकालीन अवधि के लिए।

उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया के रिटर्न अनुसार हर सामान्य नागरिक की ही तरह सिसोदिया भी सरकारी बैंकों में जाना पसंद करते हैं जैसे बैंक आफ बड़ोदा, शकरपुर में उनके पास 14 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट है, तो पंजाब नेशनल बैंक साहिबाबाद में 19 लाख 97 हजार का फिक्स्ड डिपॉजिट है। किसी मध्यम वर्गीय परिवार की ही तरह उनके जमा पूंजी आंकड़े सामान्य हैं पर जब हम मनीष सिसोदिया के ऊपर शिक्षा कर्ज का आंकड़ा देखते हैं तो लगता है की यह तो हेर-फेर का मामला हो सकता है। सचदेवा ने कहा कि सवाल यह भी है कि केजरीवाल-सिसोदिया ने कर्ज क्यों लिया, किसी सरकारी योजना का भी लाभ ले सकते थे और साथ ही बताएं कि वो तो दिल्ली में बड़े विश्वविद्यालयों की बात करते हैं तो फिर पुत्र को विदेश पढ़ने क्यों भेजा। हमें विदेश में पढ़ने पर आपत्ति नहीं केवल जिज्ञासा का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि आम जनता बच्चों की शिक्षा का दीर्घकालीन कर्ज बैंक से लेती है मनीष सिसोदिया को उनके तीन परिचित 1.5 करोड़ का कर्ज देते हैं वह भी शराब पॉलिसी के कालखंड में यह सवाल खड़े करता है। हम उनसे इसका जवाब चाहते हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की दिल्ली की जनता जानना चाहती है की मनीष सिसोदिया के वह 3 मित्र रोमेश चंद मित्तल, दीपाली एवं गुणित अरोड़ा कौन हैं जिन्होंने 86 लाख, 10 लाख एवं 58 लाख के पुत्र शिक्षा कर्ज सिसोदिया को शराब नीति विवादकाल में दिए हैं।

क्राइम ब्रांच ने सीरियल किलर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पैरोल लेकर फरार हुए आरोपित चंद्रकांत झा को गिरफ्तार कर लिया है। चंद्रकांत झा ने सात हत्याएं की थीं। आरोपित हत्या करने के बाद उनके शरीर के टुकड़ों को शहर में हर तरफ फेंक देता था। आरोपित को कोर्ट ने 2013 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। साल 2023 में चंद्रकांत को 90 दिन की पैरोल मिली थी। पैरोल खत्म होने के बाद चंद्रकांत वापस नहीं गया तो पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। चंद्रकांत ने कोर्ट में दलील दी थी कि वह अपने परिवार में अकेला पुरुष है और उसकी तीन बेटियां है। पिता होने के नाते वह बड़ी बेटी की शादी की जिम्मेदारी उसी के पास है। इसके साथ ही उसने कहा कि वह परिवार के साथ सामाजिक संबंध दोबारा स्थापित करना चाहता है। कोर्ट ने चंद्रकांत झा को 25,000 रुपये का मुचलका और इतनी ही धन राशि के दो जमानत बांड देने के आदेश दिए थे, जिसके बाद उसे पैरोल दी गई थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि आरोपित चंद्रकांत झा की इन हत्याओं की कहानियों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी रिलीज की गई थी। इस सीरीज का नाम ह्वइंडियन प्रीडेटर द बुचर ऑफ दिल्लीह्व। ये डॉक्यूमेंट्री नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गई थी। चंद्रकांत झा ने सबसे पहली हत्या 20 अक्टूबर 2006 को की थी। इसके बाद से हत्याओं का सिलसिला शुरू हुआ था। डीसीपी के अनुसार आरोपित के फरार होने के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। आरोपित नाम बदलकर रह रहा था। डीसीपी के अनुसार आरोपित को एक गुप्त सूचना के आधार पर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से 17 जनवरी को पकड़ा है। आरोपित बिहार भागने की फिराक में थे।

सीटीईटी परीक्षा : ओएमआर के साथ गणना शीट भी ले सकेंगे उम्मीदवार

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से आयोजित होने वाली केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में भाग लेने वाले उम्मीदवार ओएमआर शीट के साथ गणना शीट ले सकेंगे। सीबीएसई ने दिसंबर 2024 में हुई सीटीईटी परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को ओएमआर शीट के साथ गणना शीट देने का फैसला किया है। जो उम्मीदवार यह प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें 500 रुपये शुल्क के साथ 16 फरवरी तक आवेदन करना होगा। इस तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, जिन उम्मीदवारों ने पहले ही आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत या अन्यथा आवेदन कर दिया है, वह पांच रुपये के आवश्यक शुल्क के साथ नए सिरे से निर्धारित तिथि से पहले आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों की ओर से निर्धारित शुल्क सीबीएसई के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करना होगा। उम्मीदवारों को आवेदन में अपना रोल नंबर, नाम और पता सही ढंग से भरना होगा।

इसके साथ ही बैंक ड्राफ्ट के पीछे रोल नंबर, और नाम का उल्लेख करना जरूरी है। ओएमआर शीट की प्रति के साथ गणना शीट उम्मीदवार को केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजी जाएगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परिस्थिति में 16 फरवरी के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। ओएमआर शीट की प्रति के साथ गणना शीट किसी भी संस्थान या स्कूल को प्रदर्शन, व्यावसायिक उद्देश्य या प्रिंट मीडिया के लिए प्रदान नहीं की जाएगी। उम्मीदवार के नाम से किसी और द्वारा जमा किया गया आवेदन और अधूरा आवेदन बिना किसी संदर्भ के खारिज कर दिया जाएगा। मालूम हो कि सीबीएसई की ओर से सीटीईटी परीक्षा का आयोजन 14 व 15 दिसंबर 2024 को किया गया था। इसके नतीजे 9 जनवरी को घोषित किए गए थे।

कांग्रेस और भाजपा के कई नेता आम आदमी पार्टी में हुए शामिल

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस की पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं ममता वर्मा, किराड़ी विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी रहे बनवारी लाल उपाध्याय और मोहम्मद इकराम तथा सीमापुरी विधानसभा से भाजपा के पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं भूमिका सिंह समेत कई नेता आम आदमी पार्टी में शनिवार को शामिल हुए। मुख्यमंत्री आतिशी ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फ्री बिजली-पानी, अच्छे सरकारी स्कूल-अस्पताल, महिलाओं की बस यात्रा समेत अन्य हमारे कामों को देखकर लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

इस मौके पर आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति से प्रभावित होकर दिन-प्रतिदिन आम आदमी पार्टी का काफिला बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के हर हिस्से से लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

आज जिस तरह दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है और फिर भी जीरो बिजली का बिल आता है, सरकारी स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया है, मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाइयां और इलाज मिल रहा है और बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा कराई जा रही है, उसे देखकर कई लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं। आज इसी श्रृंखला में वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। ममता वर्मा जो वॉर्ड 66 से कांग्रेस की निगम प्रत्याशी रहीं। एमसीडी के चुनाव में इन्हें 7700 वोट मिले थे, वह अपने कई साथियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हुईं।

चुनाव सदर बाजार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

दिल्ली चुनाव 2025 : सदर बाजार में आप के रथ को रोकने के लिए पूरी ताकत झोंक रही भाजपा और कांग्रेस

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद राज्य के सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले इलाकों में से एक सदर बाजार की चुनावी रस्साकशी चालू है। यहां आम आदमी पार्टी के तीन बार के विधायक सोम दत्त के सामने भारतीय जनता पार्टी के मनोज कुमार जिंदल और कांग्रेस पार्टी के अनिल भारद्वाज हैं। दोनों के पास सोमदत्त को लगातार जीत का चौका लगाने से रोकने की चुनौती है।

सदर बाजार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। यह क्षेत्र दिल्ली के सेंट्रल जिले में स्थित है और इसकी पहचान मुख्य रूप से सदर बाजार के रूप में है, जो एशिया और भारत का सबसे बड़ा थोक बाजार माना जाता है। सदर बाजार एक ऐसा इलाका है, जहां प्रतिदिन लगभग 300 करोड़ रुपये का कारोबार होता है, और यह स्थान अपने भारी भीड़-भाड़ के लिए प्रसिद्ध है। यहां हर प्रकार के घरेलू सामान सस्ते दामों में थोक में मिलते हैं, जिससे यह बाजार पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए एक प्रमुख खरीदारी स्थल बन गया है। त्योहारी मौसम के दौरान, जैसे दिवाली, करवा चौथ, और छठ पूजा के समय यहां भीड़ और ज्यादा बढ़ जाती है, और इस दौरान बाजार पूरी तरह से गुलजार हो उठता है।

साल 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में, सदर बाजार सीट पर आम आदमी पार्टी के सोम दत्त ने शानदार जीत हासिल की थी। उन्हें 68,790 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी के जयप्रकाश को 43,146 वोट मिले और कांग्रेस के प्रत्याशी

सतबीर शर्मा को 9,857 वोट मिले। इस चुनाव में 66 फीसदी मतदान हुआ।

साल 2015 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अपनी पहली पूर्ण बहुमत सरकार बनाई। इस चुनाव में सोम दत्त ने 34,000 से अधिक वोटों के अंतर से भाजपा के प्रवीण कुमार जैन को हराया था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की 70 में से 67 सीटों पर विजय प्राप्त की, जिसमें सदर बाजार भी शामिल था। सोम दत्त को 67,507 वोट मिले जबकि भाजपा उम्मीदवार को 33,192 वोट मिले। साथ ही कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन को 16,331 वोट मिले थे।

अन्ना आंदोलन के बाद साल 2013 में हुए चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी। इस चुनाव में आप के सोम दत्त को 34,079 वोट मिले थे जबकि भाजपा के जयप्रकाश को 33,283 वोट मिले और कांग्रेस के राजेश जैन को 31,094 वोट मिले थे। सदर बाजार का इतिहास दिल्ली विधानसभा चुनावों के साथ जुड़ा हुआ है। इस सीट पर पहला चुनाव 1993 में हुआ था, और उस समय भारतीय जनता पार्टी के हरिकिशन ने जीत हासिल की थी। इसके बाद, 1998 से लेकर 2008 तक कांग्रेस के राजेश जैन का दबदबा इस सीट पर बना रहा। जैन ने लगातार तीन चुनावों में जीत दर्ज की। सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 1,94,582 हैं, जिनमें 1,03,545 पुरुष और 91,022 महिला मतदाता हैं। इसके अतिरिक्त 15 ट्रांसजेंडर मतदाता भी हैं। यह इलाका न केवल अपने व्यापारिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां के धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व भी इस क्षेत्र को एक विशिष्ट पहचान देते हैं। सदर बाजार क्षेत्र के आसपास के इलाके जैसे खारी बावली, प्रताप बाजार, और स्वदेशी मार्केट भी प्रसिद्ध हैं, जो स्थानीय और बाहरी खरीदारों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक है खानपान, जो इस क्षेत्र को और भी खास बनाता है। इसके साथ ही, रेलवे स्टेशन जैसे सराय रोहिल्ला और सदर बाजार इस क्षेत्र के यातायात के मुख्य केंद्र हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, रविवार, 19 जनवरी, 2025

संक्षिप्त खबरें

सुबह सुबह मोहन गार्डन में पकड़ी गई कार में शराब

नई दिल्ली। मोहन गार्डन थाना की पुलिस टीम ने शराब तस्करी के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 1050 क्वार्टर शराब का बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नरेश कुमार और भरत मखीजा के रूप में हुई है। यह दोनों पीतमपुरा और उत्तम नगर के रहने वाले हैं। नरेश पहले से मायापुरी, मौर्या एनक्लेव और अलीपुर थाना में दर्ज 6 मामलों में शामिल रहा है। जबकि भरत मखीजा पर दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मोहन गार्डन थाना में एक मामला दर्ज है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि यह कार में शराब भरकर लाए थे। एसएचओ मुकेश अंटील की देखरेख में हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, जितेंद्र और कांस्टेबल अनिल की टीम ने इस कार को सुबह के समय पी ब्लॉक में रोका। गाड़ी चला रहे सख्स ने यू टर्न लेकर कार भगाने की कोशिश की। जब कार की तलाशी ली गई तो 21 पेटी शराब की बरामद की गई। कार सवार दोनों आरोपियों के खिलाफ दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

स्कूटी चुराने वाले को पुलिस ने पकड़ा, तीन स्कूटी बरामद

नई दिल्ली। स्कूटी चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक ऑटो लिफ्टर को वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी की तीन स्कूटी बरामद की गई है। जो हरी नगर और उत्तम नगर इलाके से चुराई गई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशीष के रूप में हुई है। यह दसघरा गांव, इंद्रपुरी का रहने वाला है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि स्कूटी चोरी की लगातार हो रही वारदात में आरोपी का पता लगाने के लिए एएटीएस की टीम को जांच के लिए लगाया गया था। एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष चौधरी, एएसआई शौकत अली, हेड कांस्टेबल विकास और सुनील की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से इसके बारे में पता लगाना शुरू किया। हरी नगर के परशुराम पार्क के पास रात में इसको ट्रैक कर लिया। जिस स्कूटी से यह जा रहा था, वह चोरी की निकली। पुलिस को देखते ही स्कूटी छोड़कर दौड़ लगाकर भागने लगा था। पुलिस ने पीछा करके पकड़ा, स्कूटी के कागज मांगे तो कोई जवाब नहीं दिया। जीप नेट से जांच में स्कूटी चोरी की निकली। फिर इसकी निशान देही पर दो और चोरी की स्कूटी बरामद की गई। पूछताछ में पता चला कि यह स्नेचिंग के मामले में जेल गया था। हाल में ही बेल पर छूट कर बाहर आया था। उसके बाद यह स्कूटी चोरी की वारदात को अंजाम देने लगा।

वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर तंज कसा, आय में 40 प्रतिशत की वृद्धि पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर निशाना साधा। वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि हमें अपने सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी के दौरान अरविंद केजरीवाल की आय में 40 प्रतिशत की वृद्धि का क्या कारण है? केजरीवाल सैफ अली खान, सलमान खान पर बोलते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर चुप रहते हैं। अरविंद केजरीवाल को जवाब देना चाहिए। जिस व्यक्ति ने लोगों को लूटा है, उसे जवाब देना चाहिए।

दिल्ली के स्कूलों में नर्सरी, केजी और कक्षा एक में दाखिले के लिए मेघा सूची जारी

नई दिल्ली। निजी स्कूलों में नर्सरी, केजी और पहली कक्षा में दाखिले के लिए पहली मेधा सूची जारी कर दी गई है, जिसमें अधिकांश स्कूलों ने 150 से अधिक छात्रों का चयन किया है। शुक्रवार को करीब 1,741 स्कूलों ने अपनी मेघा सूची के साथ-साथ प्रतीक्षा सूची भी जारी की है। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल ने 108 उम्मीदवारों का चयन किया है जबकि 245 प्रतीक्षा सूची में है। इसी तरह, वसंत कुंज स्थित विकास भारती पब्लिक स्कूल ने 140 छात्रों का चयन किया है और 20 को प्रतीक्षा सूची में रखा है। आईएलटी पब्लिक स्कूल, द्वारका की प्रधानाचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि पहले चरण में 97 उम्मीदवारों का चयन किया गया है और 53 प्रतीक्षा सूची में हैं। वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल, रोहिणी की प्राचार्य नमिता सिंघल ने बताया कि 108 छात्रों का चयन किया गया है, जिनमें से नौ प्रतीक्षा सूची में हैं। दिल्ली शिक्षा निदेशालय 18 जनवरी से 27 जनवरी तक दाखिले से जुड़े सवालों के समाधान के लिये मंच उपलब्ध करवाएगा।

केजरीवाल की गारंटी, आप की सरकार बनने पर किराएदारों को भी देंगे मुफ्त बिजली और पानी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पाटी की सरकार बनने के बाद किराए के मकान में रह रहे सभी लोगों को प्रतिमाह 200 यूनिट बिजली और 20 हजार लीटर पानी मुफ्त मिलेगा। शनिवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने किराएदारों को यह गारंटी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दोबारा आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर मुफ्त बिजली-पानी का फायदा हर किराएदार को मिलेगा, उन्हें भी सब्सिडी का फायदा मिलेगा। यह केजरीवाल की गारंटी है कि हर किरायेदार को समान अधिकार और सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए हम योजना लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली में लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली और 20 हजार लीटर पानी प्रतिमाह देती है। दिल्ली में किराए पर रहे रहे पूर्वांचल समाज के लोगों को अच्छे स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा के साथ ही फ्री बिजली और पानी का लाभ भी मिलने लगेगा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि मैं दिल्ली में जगह-जगह घूम रहा हूं। दिल्ली के लोगों के लिए हमने बिजली और पानी फ्री किया हुआ है। दिल्ली के लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री है, 200 से 400 यूनिट बिजली हाफ रेट पर बिजली मिलती है और 20 हजार लीटर पानी हर महीने फ्री मिलता है। लेकिन दुख की बात है कि दिल्ली में रहने वाले किरायेदारों को फ्री बिजली और पानी का लाभ नहीं मिलता। इसके अलग-अलग जगह पर अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लेकिन जो भी हो किराएदार भी दिल्ली के रहने वाले हैं। उनको भी फ्री बिजली और पानी का फायदा मिलना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, वहां किराएदार मुझे घेर लेते हैं और कहते हैं कि आपके अच्छे स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त तीर्थ यात्रा का हमें फायदा मिल रहा है, लेकिन आपके मुफ्त बिजली और पानी का लाभ हमें नहीं मिल रहा है। इसलिए आज मैं एलान करता हूं कि चुनाव के बाद हमारी सरकार बनने के बाद हम ऐसी योजना लेकर आएंगे और ऐसा सिस्टम बनाएंगे, जिससे किरायेदारों को भी फ्री बिजली और पानी का फायदा मिलना चालू हो जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं सभी किराएदारों को बहुत बधाई देना चाहता हूं। यह बहुत बड़ा कदम होगा। दिल्ली में अधिकतर पूर्वांचल से आने वाले लोग किराए पर रहते हैं। वह बहुत गरीब होते हैं। मैंने देखा है कि कई बार एक-एक बिल्डिंग में 100 लोग रह रहे होते हैं। इतनी गरीबी की हालत में भी अगर उनको सब्सिडी और सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता है तो उन्हें आर्थिक रूप से बहुत दिक्कत होती है। इसलिए अब आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद उन सब लोगों को भी फ्री बिजली और पानी का लाभ मिलना चालू हो जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से महिला सम्मान राशि देने की गारंटी दी है। इस योजना के तहत आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद दिल्ली की 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह सम्मान राशि दी जाएगी। इसका लाभ लेने के लिए महिला को दिल्ली का निवासी और वोटर लिस्ट में नाम होना आवश्यक है। अगर महिला पूर्व या वर्तमान में सरकारी नौकरी कर रही है, सांसद, एमएलए, पार्षद या पेंशनर्स है तो वह इसके लिए पात्र नहीं होगी। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के 60 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को शानदार और मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए संजीवनी योजना की गारंटी दी है। इसके तहत बुजुर्ग अपना इलाज निजी या सरकारी किसी भी अस्पताल में करा सकते हैं और उसका सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी।

अरविंद केजरीवाल ने यह गारंटी दिल्ली के मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को दी है। इस योजना का उद्देश्य आध्यात्मिक योगदान और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए पुजारियों और ग्रंथियों के प्रयासों का सम्मान करना है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर हर पुजारी और ग्रंथी को करीब 18 हजार रुपए महीना दिए जाएंगे।

इसी तरह अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पढ़ाई कर रहे छात्रों की आर्थिक परेशानियों को समझते हुए उन्हे दिल्ली सरकार की बसों में महिलाओं की तरह ही मुफ्त यात्रा की सुविधा देने की गारंटी दी है। साथ ही, दिल्ली मेट्रो में भी छात्रों को किराए में रियायत देने की गारंटी दी है। इसके साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अपील की है कि छात्रों को मेट्रो के किराए में 50 फीसद तक रियायत दी जाए और इसमें आने वाले खर्च को केंद्र और दिल्ली सरकार आधा-आधा वहन करें। क्योंकि दिल्ली में मेट्रो केंद्र और दिल्ली सरकार का ज्वाइंट वेंचर है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के ऑटो वालों को के कल्याण के लिए गारंटी दी है। इसमें उन्होंने ऑटोवालों से पांच वादे किए हैं। पहला, ऑटो वाले की बेटी की शादी में सरकार की तरफ से 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। दूसरा, साल में दो बार, होली और दीपावली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए हर ऑटोवाले को दिए जाएंगे।

आप पर जनता का विश्वास कायम, सत्येंद्र जैन को चुनाव के लिए दिया 40 लाख रुपए चंदा : संजय सिंह

दिल्ली समेत देश भर से सिर्फ 1105 लोगों ने पूर्व मंत्री और शकूरबस्ती से आप के प्रत्याशी सत्येंद्र जैन को 40 लाख रुपए चंदा दिया है। आप के सांसद संजय सिंह ने सभी दानदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी पर जनता का विश्वास कायम है। इसी के परिणाम स्वरूप सत्येंद्र जैन को चुनाव के लिए चंद दिनों में ही आम लोगों ने 40 लाख रुपए चंदा दिया है। आम आदमी पार्टी आम जनता से मिले चंदे के पैसों से चुनाव लड़ती है और चुनाव जीतकर जनता के लिए काम करती है।

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेताओं को दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए देश भर से लोगों का जबरदस्त सहयोग मिल रहा है। दिल्ली समेत देश भर से सिर्फ 1105 लोगों ने पूर्व मंत्री और शकूरबस्ती से आप के प्रत्याशी सत्येंद्र जैन को 40 लाख रुपए चंदा दिया है। आप के सांसद संजय सिंह ने सभी दानदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी पर जनता का विश्वास कायम है। इसी के परिणाम स्वरूप सत्येंद्र जैन को चुनाव के लिए चंद दिनों में ही आम लोगों ने 40 लाख रुपए चंदा दिया है। आम आदमी पार्टी आम जनता से मिले चंदे के पैसों से चुनाव लड़ती है और चुनाव जीतकर जनता के लिए काम करती है। लेकिन जो लोग बड़े-बड़े पूंजीपतियों से चंदा लेकर चुनाव लड़ते हैं, वह चुनाव जीतने के बाद उन्हीं के लिए काम करते हैं।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह और वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि जब से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ तब से लेकर आज तक हमने राजनीति में हमेशा पारदर्शिता कायम रखने का प्रयास किया। हर चुनाव के अंदर हमारे प्रत्याशियों ने जनता से चंदा लेकर चुनाव लड़ा। आम आदमी पार्टी ने आम आदमी से चंदा लेकर चुनाव लड़ा, चुनाव जीता और आम आदमी के लिए काम किया। यही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की खूबसूरती है। कुछ दिन पहले ह्यआपह्न के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन ने अपने चुनाव लड़ने के लिए जनता से चंदा देने की अपील की थी। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि सत्येंद्र जैन ने जनता से जो 40 लाख रुपए की मांग की थी, उसे कुछ दिनों के अंदर ही जनता ने अपने सहयोग से पूरा कर दिया है। यह आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन की राजनीति के ऊपर लोगों का विश्वास है।

संजय सिंह ने आगे कहा कि सिर्फ 1105 लोगों ने 40 लाख रुपए का चंदा दिया है। यह बहुत खुशी की बात है। मैं चाहता हूं कि देशभर में आम आदमी पार्टी की राजनीति का विस्तार इसी तरह से हो कि हम लोग आम लोगों के चंदे से चुनाव लड़ें। जो लोग बड़े-बड़े पूंजीपतियों के चंदे से चुनाव लड़ते हैं, वह फिर उन्हीं के लिए काम करते हैं। लेकिन जब आम आदमी के पैसे से चुनाव लड़ा और जीता जाता है तो आम आदमी के लिए काम किया जाता है। हम लोग बिजली, पानी, इलाज, शिक्षा, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा और महिलाओं के लिए बसों की यात्रा फ्री इसलिए कर पाए क्योंकि हम लोगों ने हमेशा आम लोगों के चंदे से पार्टी को आगे बढ़ाया। फिर चुनाव लड़ा, चुनाव जीता और सरकार बनाई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन ने कहा कि हमने 14 जनवरी की शाम को इस चंदे के लिए अभियान शुरू किया था। मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने चंदा दिया है। 1105 लोगों ने चंदा दिया है। हमारा चंदे का 40 लाख रुपए का टारगेट शनिवार सुबह को ही पूरा हो गया था। पहली बार ऐसा हुआ है कि हमने 10 रुपए का भी चंदा लिया है। ऐसे काफी लोग थे जिन्होंने 10-10 रुपए भी दिए हैं। मैं 10 रुपए देने वालों का भी आभारी हूं और जिन्होंने उससे ज्यादा दिए हैं उनका भी आभारी हूं। मैं विश्वास देता हूं कि जनता द्वारा दिया गया एक-एक पैसा ईमानदारी से खर्च होगा और इस चुनाव को ईमानदारी से लड़ा जाएगा। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति जनता का काम करना है और हम उस पर अडिग रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे। सत्येंद्र जैन ने कहा कि यह अभियान हमेशा लोगों के बारे में रहा है। आपकी ईमानदार राजनीति में अडिग विश्वास और आपकी सुलभ स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सतत विकास की दृष्टि में आपकी प्रतिबद्धता ने इसे संभव बनाया है। प्रत्येक बड़ा या छोटा दान आपके द्वारा हमारे शहर के उज्ज्वल भविष्य में रखे गए विश्वास और आशा को दर्शाता है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, दिल्ली ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और जनकल्याण में परिवर्तनकारी पहलों को देखा है। आपके योगदान से हमारे संकल्प को मजबूती मिलती है कि हम इस परिवर्तन और प्रगति की यात्रा को जारी रखें।

फजीवर्ड़ा में फरार वांटेड मां और बेटा हुए गिरफ्तार

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कीर्ति नगर थाना की पुलिस टीम ने कोर्ट के द्वारा भगोड़ा घोषित दो वांटेड को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मां और बेटा है, उनकी तलाश पिछले साल से पुलिस को थी। प्रॉपर्टी के फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर उसको अलग-अलग बैंक और फाइनेंशियल कंपनी में मॉर्टगेज करके लोन लेने के फर्जी वाड़ा का आरोप इन पर है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेंद्र कौर और उसके बेटे नवप्रीत सिंह के रूप में हुई है। इस मामले में अब पुलिस तीसरे आरोपी कमलजीत सिंह की तलाश कर रही है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि फजीवर्ड़ा का मामला सामने आने के बाद यह तीनों गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हो गए थे। अपना ठिकाना बदलकर किराए का कमरा लेकर रह रहे थे। गिरफ्तार रविंद्र सिंह इंजीनियरिंग का वर्क करता था और यह रोड रोलर प्रोडक्शन में माहिर था। लेकिन कोविड के दौरान फाइनेंशियल लॉस में जाने के कारण व्यवसाय चौपट हो गया।

जबकि इसकी मां हाउसवाइफ है। एसीपी पंजाबी बाग विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ संजीव डोढी, सब इंस्पेक्टर राहुल, रजनीकांत, हेड कांस्टेबल प्रदीप और कांस्टेबल नवीन की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पता लगा करके इन दोनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इन्होंने लगभग 13 साल पहले ढाई करोड़ का लोन एक प्रॉपर्टी पर लिया था और उसके बाद इन्होंने उसे प्रॉपर्टी का फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर के दो और लोन अलग-अलग फाइनेंस करने वाली कंपनी से लिया। बाद में फजीवर्ड़ा का पता चला तो इनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ।

भाजपा प्रत्याशी एमसीडी के सफाई कर्मचारी से करवा रहा अपने घर का काम- सोमनाथ भारती

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारी से अपने घर काम करा रहे भाजपा नेता को लेकर बड़ा खुलासा किया है। मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने यह खुलासा करते हुए बताया कि मालवीय नगर से ही भाजपा के प्रत्याशी सतीश उपाध्याय 2012 से एमसीडी के एक सफाई कर्मचारी से अपने घर काम काम करवा रहे हैं। सफाई कर्मचारी की जिम्मेदारी मालवीय नगर की सफाई करने की है, लेकिन सतीश उपाध्याय उससे घरेलु सहायक के तौर पर काम ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अगर किसी गली की सफाई नहीं हो रही है तो उसके लिए भाजपा के नेता जिम्मेदार हैं। उन्होंने चुनाव आयोग इस मामले का संज्ञान लेने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग करने के लिए सतीश उपाध्याय पर एफआईआर दर्ज करने की अपील की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मालवीय नगर से प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि जब से हम एमसीडी में आए हैं तब से लगातार हर विभाग को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन कुछ समय से भाजपा जगह-जगह जाकर कहती हैं कि यहां कूड़ा है वहां कूड़ा है। कहीं कुछ गिरा होता है तो उसकी फोटो खींचकर मीडिया को दिखाती है।

सोमनाथ भारती ने मीडिया को एक तस्वीर दिखाई जिसमें सतीश उपाध्याय नजर आ रहे हैं और उनके साथ एक शख्स भी दिखाई दे रहा है। सोमनाथ भारती ने कहा कि यह होली के त्यौहार की तस्वीर है। सतीश उपाध्याय के साथ नजर आ रहा शख्स अपनी थाली में रंग भरे हुए खड़ा है। इस व्यक्ति को सतीश उपाध्याय होली के मौके पर अपने घर पर डोमेस्टिक हेल्प की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मालवीय नगर से भाजपा के उम्मीदवार सतीश उपाध्याय मालवीय नगर वार्ड से 2012-17 तक पार्षद रहे हैं। सोमनाथ भारती ने कहा कि यह व्यक्ति मालवीय नगर वार्ड का सफाई कर्मचारी है। जिसका नाम पूरन है। सतीश उपाध्याय एक सफाई कर्मचारी का अपने घर पर डोमेस्टिक हेल्प की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि जिस व्यक्ति की जिम्मेदारी एमसीडी सफाई कर्मचारी होने के नाते मालवीय नगर के सड़कों और पार्कों की सफाई करना था वह व्यक्ति सतीश उपाध्याय के घर में 2012 से डोमेस्टिक हेल्प की तरह काम कर रहा है। सोमनाथ भारती ने कहा कि वह पूरन नाम का यह व्यक्ति चाहता है कि उसे छोड़ दिया जाए तो उसे धमकी दी जाती है कि तुम्हारी नौकरी खत्म कर दी जाएगी। सतीश उपाध्याय एक एससी समाज के व्यक्ति का मानवाधिकार हनन कर रहे हैं। एमसीडी के सफाई कर्मचारियों को भाजपा के नेता अपने घर में डोमेस्टिक हेल्प की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं और फिर आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हैं कि ये गली साफ नहीं हुई या कूड़ा नहीं उठा है।

केजरीवाल की काम की राजनीति से प्रभावित कांग्रेस और भाजपा के कई नेता आप में शामिल

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति से प्रभावित होकर दूसरी पार्टियों के अच्छे लोग लगातार आप में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस की पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं ममता वर्मा, किराड़ी विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी रहे बनवारी लाल उपाध्याय और मोहम्मद इकराम के अलावा सीमापुरी विधानसभा से भाजपा के पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं भूमिका सिंह समेत कई नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की सीएम आतिशी ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फ्री बिजली-पानी, अच्छे सरकारी स्कूल-अस्पताल, महिलाओं की बस यात्रा समेत अन्य हमारे कामों को देखकर लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और सीएम आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति से प्रभावित होकर दिन-प्रतिदिन आम आदमी पार्टी का काफिला बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के हर हिस्से से लोग आम आदमी पार्टी को ज्वाइन कर रहे हैं। आज जिस तरह दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है और फिर भी जीरो बिजली का बिल आता है, सरकारी स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया है, मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाइयां और इलाज मिल रहा है और बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा कराई जा रही है, उसे देखकर कई लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

आज इसी श्रृंखला में वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आम आदमी पार्टी ज्वाइन रहे हैं। ममता वर्मा जो वॉर्ड 66 से कांग्रेस की निगम प्रत्याशी रहीं। एमसीडी के चुनाव में इन्हें 7700 वोट मिले थे, वह अपने कई साथियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। जिसमें कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष चंद्रेश वर्मा, ब्लॉक प्रेसिडेंट अब्दुल सत्तार, जनरल सेक्रेटरी भगवान दास, एससी-एसटी प्रेसिडेंट राम मनोहर, जनरल सेक्रेटरी मोहम्मद नवाब इसके अलावा, अरुण कुमार, अक्षय अरोड़ा, मोहम्मद करीम शामिल हो रहे हैं।

केजरीवाल की काम की राजनीति से प्रभावित कांग्रेस और भाजपा के कई नेता आप में शामिल

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति से प्रभावित होकर दूसरी पार्टियों के अच्छे लोग लगातार आप में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस की पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं ममता वर्मा, किराड़ी विधानसभा से कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी रहे बनवारी लाल उपाध्याय और मोहम्मद इकराम के अलावा सीमापुरी विधानसभा से भाजपा के पूर्व निगम पार्षद प्रत्याशी रहीं भूमिका सिंह समेत कई नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की सीएम आतिशी ने सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फ्री बिजली-पानी, अच्छे सरकारी स्कूल-अस्पताल, महिलाओं की बस यात्रा समेत अन्य हमारे कामों को देखकर लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और सीएम आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति से प्रभावित होकर दिन-प्रतिदिन आम आदमी पार्टी का काफिला बढ़ता जा रहा है। दिल्ली के हर हिस्से से लोग आम आदमी पार्टी को ज्वाइन कर रहे हैं। आज जिस तरह दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है और फिर भी जीरो बिजली का बिल आता है, सरकारी स्कूलों ने प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया है, मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाइयां और इलाज मिल रहा है और बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा कराई जा रही है, उसे देखकर कई लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं।

आज इसी श्रृंखला में वजीरपुर विधानसभा से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता आम आदमी पार्टी ज्वाइन रहे हैं। ममता वर्मा जो वॉर्ड 66 से कांग्रेस की निगम प्रत्याशी रहीं। एमसीडी के चुनाव में इन्हें 7700 वोट मिले थे, वह अपने कई साथियों के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। जिसमें कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष चंद्रेश वर्मा, ब्लॉक प्रेसिडेंट अब्दुल सत्तार, जनरल सेक्रेटरी भगवान दास, एससी-एसटी प्रेसिडेंट राम मनोहर, जनरल सेक्रेटरी मोहम्मद नवाब इसके अलावा, अनूप गुप्ता, संदीप गुप्ता, यासिन खान, यतिन शर्मा, मोहम्मद अमीन अहमद, मुहम्मद नियाज अहमद, रोहित कुमार, अरुण कुमार, अक्षय अरोड़ा, मोहम्मद करीम शामिल हो रहे हैं।

रिपोर्ट कार्ड

16 नए बूम बैरियर लगावाए और झुग्गियों में टॉयलेट का इंतजाम कराया।

राजेंद्र नगर के आप विधायक दुर्गेश पाठक ने पेश किया अपना रिपोर्ट कार्ड

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। राजेंद्र नगर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के विधायक और प्रत्याशी ने अपने दो साल के छोटे से कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने बताया कि पहली बार मैंने विधानसभा में मोहल्ला सभा शुरू किया, जिसमें लोगों की शिकायतें सुनी जाती है। आज इस मोहल्ला सभा से करीब 20 हजार लोग जुड़े हैं। अब तक हमें 27,336 शिकायतें मिलीं और इसमें से हमने 25,302 का निपटारा करा दिया है। इसके अलावा, राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कें बनवा दी है। कई कॉलोनियों में सुंदर प्रवेश द्वार बनवाए हैं। 5 हजार सीसीटीवी और 7 हजार स्ट्रीट लाइट्स भी लगवाई। 16 नए बूम बैरियर लगावाए और झुग्गियों में टॉयलेट का इंतजाम कराया। उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य राजेंद्र नगर विधानसभा को पूरी दिल्ली के लिए मॉडल बनाना है। इस संबंध में सोमवार से मैं लोगों को विजन डॉक्यूमेंट देना शुरू करूंगा।

आम आदमी पार्टी के नेता एवं विधायक दुर्गेश पाठक ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि लोकतंत्र में सबसे जरूरी बात यह है कि जनता ने एक नेता को जितने समय के लिए भी मौका दिया, उसके अंदर उसने क्या-क्या काम किया वह जनता को इसका हिसाब-किताब दे। दो साल पहले राजेंद्र नगर विधानसभा में उपचुनाव हुए और वहां के लोगों ने आम आदमी पार्टी से मुझे वहां से विधायक बनाया। इन दो वर्षों में हमने जितने काम किए हैं, उसकी पूरी डिटेल के साथ 50-60 पन्नों की एक छोटी सी किताब निकाली है। दुर्गेश पाठक ने कहा कि मैंने पहली बार राजेंद्र विधानसभा में मोहल्ला सभा शुरू की, जिसमें मेरे साथ दोनों काउंसलर भी होते थे। मोहल्ला सभा में लोग समस्याओं को लेकर सीधे हमें शिकायत देते थे और हम उनका समाधान करते थे। मोहल्ला सभा से अभी तक करीब 20 हजार निवासी जुड़े हुए हैं, जो हमें रोज अपनी शिकायतें देते हैं। हफ्ते में 6 दिन सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक मेरा ऑफिस खुला रहता है। वहां पर भी लोगों की शिकायतें ली जाती हैं। हेल्पलाइन नंबर से भी शिकायत लेते हैं। कई बार मुझे और हमारे कार्यकताओं को भी फोन आते हैं। उन शिकायतों को दर्ज करके उनका समाधान किया जाता है। अब तक हमारे पास 27,336 शिकायतें आईं और 25,302 शिकायतों का हमने समाधान किया। हमने करीब 93-94 प्रतिशत से ऊपर शिकायतों का हल किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि राजेंद्र नगर विधानसभा में पीडब्ल्यूडी की सारी सड़कें पूरी तरह से बन चुकी हैं। पिछले दो साल में 632 नई सड़कों का निर्माण हुआ है। इंदरपुरी हॉल्ट की एक बहुत बड़ी समस्या थी, जिसके तहत एक फुटओवर ब्रिज बनना था। भाजपा ने राजनीति करके उसे रोकने की पूरी कोशिश की। लेकिन हमने एमसीडी से जमीन दिलाकर उस फुटओवर ब्रिज को बनाने का काम शुरू किया। वहीं कई कॉलोनियों में नए और खूबसूरत प्रवेश द्वार बनवाए हैं। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पूरी विधानसभा में 5 हजार नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आज राजेंद्र नगर विधानसभा का 80 से 82 प्रतिशत हिस्सा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। कहीं कोई घटना होने पर सब उसमें कैद हो जाता है और बाद में वह फुटेज पुलिस को देकर उस पर कार्रवाई कराई जाती है। 16 नए बूम बैरियर्स बनवाए और कुछ नए दरवाजे भी लगवाए। लगभग 7 हजार नई स्ट्रीट लाइट लगाई गईं। राजेंद्र नगर में 234 पार्क हैं, जहां लाइट की काफी कमी थी। कई पार्कों में लाइट ही नहीं थी। वहां स्ट्रीट लाइट लगवाई।

नोएडा में नामी विश्वविद्यालय से बीकॉम कर रहे छात्र ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। थाना दनकौर क्षेत्र के मंडी श्याम नगर के पास बीकॉम के छात्र ने आज सुबह को ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर लिया। इसके अलावा दादरी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई है। जीआरपी पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं एक विवाहिता समेत दो लोगों ने मानसिक तनाव के चलते अपने-अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। विभिन्न जगहों पर रहने वाले दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने वाला छात्र गलगोटिया विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रहा था। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अमनदीप मिश्रा पुत्र विजय प्रकाश मिश्रा उम्र 25 वर्ष मूलनिवासी जनपद सुलतानपुर जो कि गलगोटिया विश्वविद्यालय से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था, उसने आज सुबह को मंडी श्याम नगर के सामने चलती ट्रेन के आगे छलांग लगा दिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के पिता से बात करने पर पता चला कि उन्होंने किसी बात को लेकर उसे डांट दिया था। इस बात से वह नाराज था।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक ने मानसिक तनाव के चलते आज सुबह को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि हाजीपुर गांव में रहने वाले विनीत चौधरी पुत्र बासुकी चौधरी उम्र 25 वर्ष ने आज सुबह को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि सदरपुर कॉलोनी में रहने वाली शांति देवी उम्र 45 वर्ष के परिजनों ने आज सुबह को उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया की मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि सदरपुर कॉलोनी में ही रहने वाली संध्या चौहान 54 वर्ष को गंभीर हालत में उनके परिजनों ने नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

दादरी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना में उनकी मौत हो गई है। जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जीआरपी पुलिस ने बताया कि कपिल पुत्र रकम पाल उम्र 40 वर्ष मूल निवासी सरधना जनपद मेरठ शुक्रवार को दादरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना में उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उदय गुप्ता क्रिकेट एकेडमी ने सात विकेट से जीत दर्ज की

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे अंडर-19 क्रिकेट टूनार्मेंट में शनिवार को उदय गुप्ता क्रिकेट एकेडमी ने दिल्ली कैपिटल एकेडमी को सात विकेट से हरा दिया। आर्यन को मैच में पांच विकेट लेने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिल्ली कैपिटल क्रिकेट की टीम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते 18.3 ओवर में 45 रन पर ही सिमट गई।सनी ने सबसे ज्यादा 21 रन बनाए। विपक्षी टीम के कप्तान आर्यन ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। लक्ष्य को हासिल करने उतरी उदय गुप्ता क्रिकेट एकेडमी ने 6 ओवर में तीन विकेट पर 48 रन बनाकर मैच जीत लिया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज काव्य ने 39 रन की पारी खेली।मैच में घातक गेंदबाजी कर पांच विकेट लेने वाले आर्यन को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

लोगों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता : जिलाधिकारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नवनियुक्त जिलाधिकारी दीपक मीणा ने शनिवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। वहीं शासन की परियोजनाओं को समय से गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूरा कराया जाएगा। दीपक मीणा इससे पूर्व मेरठ के जिलाधिकारी पद पर तैनात थे, यहां तैनात इंद्र विक्रम सिंह को पदोन्नति करके कृषि सचिव बनाया गया है। उनके स्थान पर दीपक मीणा को गाजियाबाद की जिम्मेदारी सौंप गई है। शनिवार को दीपक मीणा ने पद ग्रहण किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। चार्ज लेने के उपरांत नवनियुक्त डीएम दीपक मीणा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता लोगों की समस्याओं को समझकर उनके निस्तारण कराने की होगी। जिले में यातायात, स्वास्थ्य, शिक्षा में बेहतर सुधार लाना होगा। इसमें शासन की मंशा के अनुरूप कार्य किए जाएंगे। जिले में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की जो परियोजनाएं लंबित हैं उनमें तेजी लाई जाएगी ताकि समय से उन्हें पूरा कराया जा सके। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि वह समय से कार्यालय आए और अपना कार्य निष्ठा और ईमानदारी से करें। इस मौके पर सीडीओ अभिनव गोपाल, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह, एडीएम सिटी गंभीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.संतोष उपाध्याय, एसडीएम अरूण दीक्षित ने बुके भेंट कर डीएम का स्वागत किया।

नोएडा : कर्मचारी बनकर मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-24 पुलिस ने मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी करने वाले गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक आरआरयू बरामद किया गया है। ये बदमाश मोबाइल कंपनी के कर्मचारी बनकर टावर पर चढ़ते थे और आरआरयू समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो जाते थे। नोएडा में मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। टावर में लगा रिमोट रेडियो यूनिट (आरआरयू) मोबाइल सिग्नल का ट्रांसमिशन करता है। इसके बिना आसपास के एरिया में नेटवर्क की समस्या होती है। शुक्रवार को सेक्टर-22 स्थित एक मकान की छत पर लगे टावर से आरआरयू चोरी किया गया था। कंपनी ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। इस मामले में पुलिस ने शनिवार को सेक्टर 22 के एफ ब्लॉक स्थित बारात घर के पास से चार लोगों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान सुरजीत सिंह, सन्नी सिंह, जितेंद्र, प्रदीप चौहान के रूप में हुई। इन चारों ने कंपनी के टावर से आरआरयू चोरी किया था। चोरी किए गए आरआरयू को भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी कंपनी के कर्मचारी बनकर टावर वाले स्थान पर जाते थे और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। इसके बाद चोरी किए गए आरआरयू को दिल्ली और अन्य स्थानों पर बेच देते थे। पुलिस चारों से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी निकाला जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक आरआरयू मोबाइल टावर में लगने वाला महत्वपूर्ण डिवाइस है। इसके न होने की वजह से सिग्नल में प्रॉब्लम और कॉल नहीं लगने जैसी समस्याएं होती हैं। यह डिवाइस लाखों रुपए का आता है। पुलिस को लगातार आरआरयू चोरी की सूचनाएं मिलती रहती हैं। पुलिस चोरों को गिरफ्तार भी करती है, लेकिन चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

फरीदाबाद : शेयर मार्किट में निवेश के नाम पर ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद में साइबर अपराधियों द्वारा शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर की गई धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने इस मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस गिरोह के कुल चार सदस्य पकड़े जा चुके हैं। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सेक्टर 22 के एक निवासी ने 28 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, 13 मई को एक अनजान नंबर से उसे संपर्क किया गया और शेयर मार्केट ट्रेडिंग का प्रस्ताव दिया गया। आरोपियों ने पीड़ित को ह्यग्लोब सिक्योरिटी ग्रुपह्न में जोड़ा और एक फर्जी ऐप ह्यग्लोब कैपिटल प्राइमरी मार्केटह्न डाउनलोड करवाया। इस ऐप के जरिए पीड़ित से कुल 14.20 लाख रुपए का निवेश करवाया गया। साइबर ठगों ने एक और फर्जी ऐप ह्यकोटक एसएस प्रोह्न के माध्यम से भी धोखाधड़ी की। पीड़ित को ग्रुप में जोडकर 5.50 लाख रुपए का निवेश करवाया गया। हालांकि पीड़ित ने दोनों ऐप्स से कुछ राशि निकाल ली, लेकिन फिर भी उसे कुल 7.20 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपी गिरोह सोशल मीडिया पर लोगों को टारगेट कर फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स के जरिए ठगी करता था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त खबरें

रविवार को खुलेंगे सभी बैंक

बदायूँ: जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में शासकीय योजनाओं में बैंक अधिकारियों के सहयोग के संबंध में आहूत बैठक में निर्देशित करते हुए कहा कि सभी बैंक अधिकारी शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग प्रदान करें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। उन्होंने 19 जनवरी 2025 दिन रविवार को सभी बैंकों को खोलकर वहां लाभार्थियों के आवेदनों को निस्तारित करने के लिए कहा।

जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग की योजनाओं अंतर्गत ई-रिक्शा तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों का 19 जनवरी को लाभार्थियों के समक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विभिन्न बैंकों के कार्यों को मॉनिटर करने हेतु अधिकारियों को नामित करने के लिए भी कहा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी व बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद में सर्दी से नहीं मिली राहत, हवा की सेहत भी हुई खराब

गाजियाबाद। दो दिन सुबह से शाम तक कोहरा रहने के बाद शुक्रवार की दोपहर में धूप निकली तो लोगों को सर्दी से कुछ राहत मिली, लेकिन शाम ढलते ही ठिठुरन फिर से बढ़ गई। तेज हवाओं ने लोगों की कंपकंपी छुड़ा दी। शनिवार को सर्दी और बढ़ गई है। न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस कम होने का अनुमान है। दूसरी मुसीबत हवा की सेहत खराब होने से जो और बिगड़ गई है। अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आद्रता 71 व शाम को सात बजे आद्रता बढ़कर 93 फीसदी पहुंच गई। शनिवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हैं। न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट व अधिकतम तापमान में किसी तरह के परिवर्तन होने की स्थिति नहीं है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सूरज देव ने बताया कि रविवार को अधिकतम तापमान बढ़कर 21 व न्यूनतम तापमान में भी तीन डिग्री का इजाफा होने की उम्मीद है। बूंदाबांदी भी हो सकती है। अगले सप्ताह के अंत तक मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। अगले सप्ताह के शुरू से मौसम साफ होगा। सुबह के वक्त कोहरा पड़ सकता है। ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदी लागू होने के बाद भी हवा की सेहत नहीं सुधरी है। शुक्रवार को जिले का वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी में पहुंच गया। 53 अंक की बढ़ोतरी के साथ शुक्रवार को शहर का एक्यूआई 249 दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार को 296 दर्ज किया गया था, हालांकि बृहस्पतिवार को दो ही स्टेशन का एक्यूआई दर्ज था। इसकी वजह से भी जिले का एक्यूआई कम रहा। चारों स्टेशनों का एक्यूआई दर्ज किया गया। सबसे खराब हवा इंदिरापुरम की रही। दिल्ली के बाद इंदिरापुरम की हवा सबसे अधिक खराब रही। यहां का एक्यूआई 280 दर्ज किया गया।

20 जनवरी को डीएम की अध्यक्षता में तहसील दातागंज में होगा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बदायूँ: जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार 18 जनवरी 2025 को मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रदेश सहित देश भर में तैयार किये गये प्रापर्टी कार्ड (घरौनियों) का इलेक्ट्रानिक वितरण नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से किया गया। तत्पश्चात मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा चयनित अभ्यार्थियों को भौतिक रुप से भी घरौनी वितरित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दृष्टिगत सम्पूर्ण समाधान दिवस माह जनवरी 2025 के तृतीय शनिवार 18 जनवरी 2025 के स्थान पर 20 जनवरी 2025 (सोमवार) को आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रातः 10:00 बजे से तहसील दातागंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

गाजियाबाद में विदाई समारोह में डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने दिया सफलता का मंत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह को सचिव कृषि, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद निदेशक बनने पर बधाई देने वालों की भीड़ लगी रही। कलेक्ट्रेट कर्मचारियों द्वारा जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह का विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें कलक्ट्रेट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किये। विदाई समारोह के दौरान अधिकारियों,कर्मचारियों द्वारा अपने विचार साझा किये गये। इस मौके पर एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने कहा कि मैंने अपने कार्यकाल में अनेक चुनाव कराये हैं। बहुत कुछ सीखा है। जिलाधिकारी की अगुवाई में हुए लोकसभा व विधानसभा उप-चुनाव में कार्यों को सहज ढंग से करने के नये तरीके सीखने को मिले। एडीएम एफआर सौरभ भट्ट ने कहा कि जिलाधिकारी की नाराजगी व उनके द्वारा पड़ने वाली डाट और दिये गये उपदेशों से उन्हें बहुत कुछ सीखने का मिला। जिससे कार्यों में बेहतर सुधार आए हैं। एडीएम ई रणविजय सिंह ने कहा कि हर अधिकारी में अपने कार्य करने की अपनी एक कला होती है। उसी प्रकार जिलाधिकारी सभी कार्यों को बारीकी से देखते हैं और कार्य करते हैं। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के कार्य में बहुत सहयोग प्रदान किया गया है। इस मौके पर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि हमें अपने कार्यों के प्रति पूरी ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। हमें सर्वप्रथम अपने स्तर पर कोई कार्य लम्बित नहीं रखना है। यही मंत्र हमारी सफलता की कुंजी है। यदि हमारे अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारियों को कार्य करने में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो रही है तो हमें चाहिए कि हम उनका निराकरण करें। उन्हें प्रेम से या डाटकर समझायें। क्योंकि आपकी इस डाट के आने वाले समय में अच्छे परिणाम आयेंगे, जो उस अधिकारी,कर्मचारी के लिए एवं उनके पद के लिए लाभप्रद सिद्ध होगें। विदाई समारोह का संचालन नाजिर प्रमोद द्वारा किया गया।

जनपद में हुआ 59884 घरौनियों का वितरण

ग्रामवासियों की आर्थिक संपन्नता व समृद्धि में सहायक सिद्ध होंगी घरौनियां

बदायूँ: प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ0 अरुण कुमार ने डायट स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित घरौनी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया। शनिवार को जनपद की तहसील, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में कुल 59884 घरौनियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नई दिल्ली में मा0 प्रधानमंत्री व लखनऊ में आयोजित मा0 मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। राज्यमंत्री ने घरौनियों का वितरण भी किया। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरुण कुमार ने कहा कि जैसे खेत की खतौनी होती है, वैसे ही घर की घरौनी होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने कहा कि घरौनी (प्रॉपर्टी कार्ड) ग्रामों के विकास की कड़ी में सहायक सिद्ध होगी। केंद्र व प्रदेश सरकार ग्रामों में विकास कार्य कर रही है, ग्राम वासियों को आर्थिक संपन्नता मिले, इस ओर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि ग्राम वासियों के लिए आर्थिक संपन्नता व समृद्धि में घरौनी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि घरौनियों के बन जाने से ग्रामों में आपसी सौहार्द बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव के एमओयू हस्ताक्षर किए। उन्होंने भौतिक रूप से घरौनियों का वितरण भी किया।

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कहा कि शनिवार को तहसील, ब्लाक व ग्राम पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं। जनपद में कुल 59884 घरौनियों का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि घरौनियों के बन जाने से ग्राम पंचायत विकास योजना सुदृढ़ होगी, जिसका सीधा लाभ ग्राम वासियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि संपत्ति आदि विवादों के निस्तारण में भी घरौनियां सहायक सिद्ध होगी। इससे पूर्व कार्यक्रम के दौरान मा0 प्रधानमंत्री जी ने डिजीटल रूप से घरौनियों का वितरण किया तथा अपने उद्बोधन के दौरान देश के विभिन्न प्रदेशों के घरौनी धारकों से वार्ता की। वही लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी ने भौतिक रूप से घरौनियां वितरित की। डायट ऑडिटोरियम में विद्यालयों की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वन राज्य मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों व ग्राम वासियों को नशा मुक्ति व स्वच्छता की शपथ भी दिलाई तथा नशा मुक्ति व स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील भी की। डायट परिसर में आगमन पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ0 अरुण कुमार को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, उन्होंने परिसर में पौधारोपण किया तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रर्दशनी का अवलोक कर उसे सराहा। कार्यक्रम के दौरान मा0 राज्य मंत्री जी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। वहीं जनपद में आयोजित कार्यक्रम का भी सोशल मीडिया हैंडल्स पर सजीव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व विधायक प्रेम स्वरूप पाठक, एसएसपी बृजेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग व ग्रामवासी मौजूद रहे।

300 करोड़ के भूमि घोटाले में ईडी की जांच तेज, नोएडा अथॉरिटी की फाइलें खंगालीं

नोएडा। 300 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। ईडी ने शुक्रवार को नोएडा अथॉरिटी पहुंचकर इस घोटाले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कब्जे में लिया। यह जांच नोएडा अथॉरिटी के पूर्व सीईओ और रिटायर्ड आईएएस अधिकारी मोहिंदर सिंह के कार्यकाल से जुड़े मामलों पर केंद्रित है। पिछले महीने ईडी ने मोहिंदर सिंह के ठिकानों पर छापा मारा था, जहां से करोड़ों रुपये की संपत्ति बरामद हुई थी। इसमें हीरे, सोने के आभूषण, नकदी और कई अहम दस्तावेज शामिल थे। इन खुलासों के बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया और घोटाले की गहराई से जांच शुरू की। ईडी की जांच का केंद्रबिंदु नोएडा के सेक्टर-107 स्थित लोटस 300 हाउसिंग प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं की जांच की जा रही है। शुक्रवार को ईडी अधिकारियों ने नोएडा अथॉरिटी पहुंचकर प्रोजेक्ट से जुड़े दस्तावेज मांगे। हालांकि, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास के दौरे के चलते टीम की मुलाकात वर्तमान सीईओ से नहीं हो सकी, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने जांच टीम को आवश्यक फाइलें सौंप दीं। ईडी ने घोटाले की जांच का दायरा बढ़ाते हुए अब पूर्व सीईओ रमारमण के कार्यकाल को भी शामिल कर लिया है। लोटस 300 प्रोजेक्ट से जुड़े भूमि सौदों और अन्य वित्तीय लेन-देन की गहनता से जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कदम मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क और प्रोजेक्ट में अनियमितताओं का पदार्फाश करने के लिए उठाया गया है। इस जांच का मुख्य उद्देश्य नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों और प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों के बीच मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय गड़बड़ियों के नेटवर्क को उजागर करना है। इसके अलावा, इस मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। ईडी अब मोहिंदर सिंह और रमारमण के कार्यकाल से संबंधित और अधिक फाइलों और दस्तावेजों को खंगालने की तैयारी कर रही है। जांच एजेंसी का उद्देश्य इस भूमि घोटाले में शामिल सभी दोषियों को कानून के दायरे में लाना और घोटाले की सच्चाई को उजागर करना है। यह घोटाला न केवल नोएडा बल्कि पूरे प्रदेश के प्रशासनिक तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ईडी की इस कार्रवाई से अन्य अनियमितताओं का भी खुलासा होने की संभावना है।

भव्य रूप से होगा उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन, प्रशासन ने तैयार की रूपरेखा

बदायूँ: जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव में कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आगामी 24 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन की तैयारी के संबंध में आहुत बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को भव्य रूप से उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन कराने के लिए कहा। उन्होंने 25 जनवरी को मतदाता दिवस व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के आयोजन के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग विभाग की योजना से प्राप्त ई-रिक्शा की रैली को 24 जनवरी उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न विभागीय अधिकारियें को शासन स्तर से निर्धारित दायित्वों का सफलतापूर्वक निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश 2025 के आयोजन की थीम विकास विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इसी थीम पर निर्धारित कार्यक्रमों जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, रोड शो व संगोष्ठी आदि का आयोजन कराने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना 24 जनवरी 1950 को हुई थी। इस दिन प्रदेश का नाम संयुक्त प्रांत से बदलकर उत्तर प्रदेश रखा गया था। वर्ष 2018 से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के स्थापना को भव्यपूर्ण ढंग से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने 24 जनवरी से 26 जनवरी तक त्रिदिवसीय आयोजन सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जन सहभागिता के सहयोग से मनाए जाने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि डायट ऑडिटोरियम में 25 जनवरी को मतदाता दिवस का आयोजन गौरवपूर्ण ढंग से किया जाए। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाए। वही उन्होंने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के आयोजन के संदर्भ में भी दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

I अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 वैभव शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क है कुष्ठ रोग का उपचार

बदायूँ: 18 जनवरी। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामेश्वर मिश्र ने बताया कि कुष्ठ एक जीर्ण संक्रामक रोग है, जो वैक्टीरिया के कारण होता है। यह मूल रूप से चमडी और तंत्रिकाओं को प्रभावित करता है। यदि कुष्ठ रोग का पता शुरूआत में चल जाए और रोगी का बहु औषधि से इलाज किया जाए तो रोगी अपंगता से बच जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आइए मिलकर जागरूकता फैलाएँ, भ्रांतियों को दूर भगायें, कुष्ठ प्रभावित कोई पीछे छूट न जाये। उन्होंने कुष्ठ रोग के लक्षणों के सदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि जिसकी चमड़ी पर एक या अनेक ऐसे दाग धब्बे हो जिनमे सुन्नपन हो। कुष्ठ रोग के दाग धब्बे पीले, लाल या तांबई रंग के हो सकते है। इनमे खुजली नहीं होती और न कोई तकलीफ होती है, न ही पसीना आता है।

विवाहिता पंखे के फंदे व युवक का शव पेड़ से लटका मिला, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। थाना दनकौर क्षेत्र के बलूखेड़ा गांव में रहने वाली एक विवाहिता का शव उसके घर पर पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला। इस मामले उसके पिता ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा थाना दादरी क्षेत्र के रूप बास बाईपास के पास एक अज्ञात युवक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। उसके हाथ की नस भी कटी हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शीतल पत्नी चिंटू निवासी ग्राम बलूखेड़ा थाना दनकौर का शव उसके घर पर पंखे के फंदे से लटका हुआ मिला है। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि उसने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मृतका के पिता खेमचंद ने उसके पति चिंटू, ससुर निरंजन, देवर शिवा तथा ननद के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। उनका आरोप है की शादी के समय से ही उसकी बेटी के ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करते थे।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि थाना पुलिस को सूचना मिली कि रूपवास गांव के बाईपास के पास एक युवक का शव पेड़ की डाल पर फंदे से लटका हुआ है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच कि तो पता चला कि उसके हाथ की नस कटी हुई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि युवक की हत्या कर उसके शव को पेड़ से लटकाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रहकर मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत मनकुआ वि0ख0 छजलैट जनपद मुरादाबाद

पत्र सं0 मीमों/ग्राम निधि-मनरेगा/ग्रा0पं0/निविदा/2024-25 दिनांकः- 17.01.2025

-: अल्पकालीन निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत मनकुआ विकास खण्ड छजलैट मुरादाबाद की आयोजित बैठक में पारित कार्य योजना के सापेक्ष पंचम राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/मनरेगा योजनान्तर्गत में निम्न कार्य इस पंचायत द्वारा जनहित में कराये जाने है। इच्छुक सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत ठेकेदार दिनांक 18.01.2025 से 25.01.2025 समय दोपहर 02:00 बजे तक अपनी अपनी निविदायें अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में अपने पंजीकरण प्रमाण-पत्र/व्यापारकर विभाग में पंजीकरण की छायाप्रति सहित नियमानुसार जनानत राशि के साथ एफ0डी0आर0 आदि संलग्नक करते हुये अपनी निविदा अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा कर सकते है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा। निविदायें ग्राम पंचायत मुख्यालय पर दिनांक 25.01.2025 को अपराहन 03:30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	जमानत राशि	निविदा मूल्य	समय अवधि
1	अहसान के घर से चन्द्रपाल के घर तक सी0सी0 टाईल्स का निर्माण कार्य	397042	2 प्रतिशत	500	तीन माह
2	रिसाल के घर से सुनील के घर तक सी0सी0 टाईल्स का कार्य	364663	2 प्रतिशत	500	तीन माह
3	गंगाराम के घर से चन्द्र के घर तक सी0सी0 टाईल्स का कार्य	373115	2 प्रतिशत	500	तीन माह

शर्तें:-
1.आयकर, व्यापारकर नियमानुसार देय होगा, ठेकेदारो को आयकर व्यापारकर एंव टिन नम्बर सहित निविदा प्रपत्र देना होगा।
2. निविदा को निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्तारी को निहित होगा।
3. कोई भी निविदा बिना शर्त स्वीकार नही की जायेगी।

सचिव
ग्राम पंचायत मनकुआ
वि0ख0 छजलैट जनपद मुरादाबाद

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मनकुआ
वि0ख0 छजलैट जनपद मुरादाबाद

कांग्रेस-आप सत्ता संघर्ष के मायने

देशहित के नाम पर सत्ता संघर्ष में लगे इंडिया गठबंधन में अब रस्मी अदायगी मात्र बची है। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस गठबंधन की रही-सही कसर भी पूरी कर दी है। दिल्ली में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का हिस्सा आम आदमी पार्टी न सिर्फ एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला कर रही हैं, बल्कि सत्ता की इस दौड़ में दोनों दलों के नेता एक-दूसरे की छिछालेदार करने में भी पीछे नहीं हैं। दिल्ली के सीलमपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के लिए पहली रैली के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रणनीति को बीजेपी जैसा बताया। क्षेत्रीय स्तर पर कांग्रेस नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बोलते रहे हैं, लेकिन यह पहला मौका था जब राहुल गांधी ने सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल पर वार किए। पिछले कई दिनों से दोनों ही राजनीतिक दल एक-दूसरे पर बीजेपी से मिले होने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस और आप आपस में ही जब विरोधी की भूमिका निभा रही हैं, ऐसे में भाजपा को दोनों के खिलाफ ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। भाजपा दोनों ही दलों की चुटकियां लेकर गठबंधन की खिल्ली उड़ाने में लगी है। राहुल गांधी ने कहा कि केजरीवाल जी आए और कहा कि दिल्ली साफ कर दूंगा, भ्रष्टाचार मिटा दूंगा, पेरिस बना दूंगा। अब हालात ऐसे हैं कि भयानक प्रदूषण है। लोग बीमार रहते हैं। लोग बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। जैसे मोदी जी झूठे वादे और प्रचार करते हैं, वैसे ही झूठे वादे केजरीवाल करते हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मैं जातिगत जनगणना की बात करता हूं, तो नरेंद्र मोदी जी और केजरीवाल जी के मुंह से एक शब्द नहीं निकलता। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों चाहते हैं कि देश में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को भागीदारी नहीं मिले। राहुल गांधी के बयान पर आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी पलटवार किया और कहा कि राहुल गांधी ने उन्हें गाली दी। केजरीवाल ने यह भी कहा है कि उन्होंने राहुल गांधी पर एक लाइन बोली, लेकिन जवाब बीजेपी वालों की ओर से आ रहा है। करीब सात महीने पहले ही दोनों पार्टियां लोकसभा चुनाव एक ही गठबंधन में रहकर लड़ी थीं, हालांकि उसके बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव दोनों अलग-अलग लड़े, लेकिन शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर ऐसे जुबानी हमले पहले सुनाई नहीं पड़े थे। केजरीवाल ने कहा कि क्या बात हैङ्कमैंने राहुल गांधी जी पर एक ही लाइन बोली और जवाब बीजेपी वालों से आ रहा है। बीजेपी को देखिए कितनी तकलीफ हो रही है। गौरतलब है कि कांग्रेस की देश से सत्ता समटेने में जो भूमिका भाजपा ने निभाई है, उसमें आप पार्टी का योगदान भी कम नहीं है। हाल ही में हुए कुछ राज्यों के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद आप को एहसास हो गया कि किसी भी तरह का गठबंधन करने से उसे नुकसान ही होगा। दिल्ली की राजनीति में एक मजबूत ताकत रही कांग्रेस पार्टी पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल पाई। वर्ष 2013 में नवगठित आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले कांग्रेस ने लगातार पंद्रह साल दिल्ली पर राज किया। कांग्रेस भरसक कोशिश कर रही है कि किसी भी तरह सत्ता वापस मिल जाए, हालांकि आप और भाजपा की दमदार मौजूदगी में इसकी संभावना कम नजर आती है। कांग्रेस दिल्ली में अपने शीर्ष पर थी, तब उसके पास 40 फीसदी तक का वोट शेयर था। लेकिन 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सिर्फ 4.26 प्रतिशत ही वोट हासिल कर सकी। इससे पहले साल 2015 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 9.7 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। कांग्रेस 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से वजूद में आई आम आदमी पार्टी कांग्रेस की राजनीतिक ताकत खत्म कर सत्ता तक पहुंची है। आम आदमी पार्टी की फ्री बिजली, फ्री पानी, शिक्षा में सुधार और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने की योजनाओं ने गरीब और मध्यमवर्ग के मतदाताओं को आकर्षित किया। इस वोटर वर्ग के छिटकने से कांग्रेस दिल्ली की राजनीति में और भी अलग-थलग पड़ गई। भाजपा भी इस वोट बैंक में सेंध लगाने की भरसक कोशिश में लगी हुई है। इसके बावजूद कांग्रेस और भाजपा को आप के खिलाफ विधानसभा चुनावों में सफलता नहीं मिल सकी। दरअसल सत्ता की जो लड़ाई कांग्रेस दिल्ली में भाजपा से लड़ रही है, वही दूसरे राज्यों में दूसरे दलों से लड़ती रही है। यही वजह रही कि इंडिया गठबंधन तिनके की तरह बिखरता रहा है। लोकसभा चुनाव और बाद में हुए राज्यों के चुनावों में कांग्रेस को जो सफलता मिली भी तो गठबंधन के घटक दलों को उसकी कीमत चुकानी पड़ी।

भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट जोड़ने वाला विश्व का चौथा देश बना

भारत ने वर्ष 2025 की शुरूआत के साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने अंतरिक्ष में ही स्पेडेक्स मिशन के दो सैटेलाइट मॉड्यूल आपस में जोड़ लिए हैं। इस मिशन में ह्यडॉकिंगह्न की प्रक्रिया पूरी हो गई है। यह क्षमता हासिल करने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। इस मिशन के लिए 30 दिसम्बर, 2024 को सैटेलाइट छोड़े गए थे और बाद में धीमे-धीमे इन सैटेलाइट को पास में लाकर जोड़ दिया गया। इसरो अब इसी मिशन के बाकी लक्ष्य पूरा करने के लिए कदम बढ़ाएगा। इसरो ने 16 जनवरी, 2025) को यह जानकारी देते हुए अपने ट्विटर पर लिखा, स्पेस क्राफ्ट डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। यह एक ऐतिहासिक क्षण था। पहले 15 मीटर से 3 मीटर होल्ड पॉइंट तक पास लाया गया। डॉकिंग की शुरूआत सटीकता के साथ हुई, इसके बाद अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक कैप्चर किया गया। डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। भारत अंतरिक्ष डॉकिंग को सफल बनाने वाला चौथा देश बन गया। पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई! इसरो की इस सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, सैटेलाइट की अंतरिक्ष डॉकिंग में सफलता के लिए सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मिशन की सफलता भारत को अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन बनाने, अपने अंतरिक्ष यात्री को भेजने और बाकी स्पेस मिशन पूरे करने में मदद करेगी। इसरो ने जो प्रक्रिया पूरी की है उसे डॉकिंग कहा जाता है। डॉकिंग से पहले दोनों सैटेलाइट मॉड्यूल अलग थे। इसरो द्वारा लॉन्च किए गए मिशन में से एसडीएक्स-01 चेसर सैटेलाइट है जबकि एसडीएक्स -02 टार्गेट सैटेलाइट है। इसका मतलब है कि एसडीएक्स -01 कक्षा में स्थापित किए जाने के बाद एसडीएक्स -02 की तरफ बढ़ा और अंत में दोनों जुड़ गए। पीएसएलवी सी -60 रॉकेट ने इन्हें आपस में लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर छोड़ा था। इसके बाद इन्हें जोड़ने की प्रक्रिया चालू की गई। दोनों सैटेलाइट को जोड़ने की प्रक्रिया यानि डॉकिंग 7 जनवरी, 2025 को चालू की गई। इसके लिए सबसे पहले दोनों को 20 किलोमीटर की दूरी पर रोका गया था। इसके बाद टार्गेट सैटेलाइट एसडीएक्स-01 को स्टार्ट किया गया। 10 जनवरी, 2025 को यह दोनों 1.5 किलोमीटर पास लाए गए। 11 जनवरी को 225 मीटर पर लाए गए। 12 जनवरी को यह 100 मीटर पर आए। इस बाद इसरो ने इन्हें 15 मीटर और फिर 3 मीटर करीब लाया। दोनों को फिर वापस 15 मीटर पर ले जाया गया। इसके बाद 16 जनवरी, 2025 की सुबह दोनों मॉड्यूल आपस में जोड़ दिए गए। अब इन पर आगे और भी प्रयोग भी किए जाएँगे। अब सारे प्रयोग पूरे होने के बाद दोनों सैटेलाइट को अनडॉक यानी एक-दूसरे से अलग भी किया जाएगा। यह दोनों इसके बाद लगभग 2 साल तक अलग-अलग प्रयोग में काम आएँगे। एसडीएक्स-01 सैटेलाइट पर छोटे कैमरे भी लगे हुए हैं। यह कैमरे इसके बाद तस्वीरें और वीडियो लेंगे। इसके अलावा भी इस पर कई सेंसर लगे हैं। यह सेंसर अंतरिक्ष में होने वाली गतिविधियों का पता लगाएँगे। इनमें से एक सेंसर रेडियेशन का स्तर भी मापेगा। इन सैटेलाइट को भारत में स्थित सैटेलाइट नियंत्रण सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इसरो ने सोमवार को रात 10 बजे श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी सी-60 रॉकेट लॉन्च किया था। इस रॉकेट पर कुल 24 सैटेलाइट लदे हुए थे। इनमें से सबसे प्रमुख दो सैटेलाइट थे, जिनकी डॉकिंग होनी थी। इसरो ने इन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अब अंतरिक्ष में ही जोड़ लिया।

आकाश में नए द्वार खोलती भारत की अंतरिक्ष डॉकिंग

भारत सरकार ने भी पिछले साल घोषणा की थी कि 2035 तक देश का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया जाएगा। इस दिशा में स्पेडेक्स जैसी सफलताएँ भारत को और आगे ले जाएंगी। अंतरिक्ष में भारत की यह उपलब्धि दुनियाभर में सराहना का केंद्र बनी हुई है। देशभर में भी हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग को अंजाम दिया। इस अद्भुत उपलब्धि के साथ भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सफलतापूर्वक जोड़ने वाला चौथा देश बन गया है।

डॉ सत्यवान सौरभ
लेखक

हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष डॉकिंग का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसरो द्वारा पीएसएलवी-सी60 मिशन ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसमें दो उपग्रहों के अंतरिक्ष में एक दूसरे से मिलने और डॉक करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। अंतरिक्ष डॉकिंग कक्षा में दो अंतरिक्ष यान को जोड़ने की प्रक्रिया है। इसमें तेज गति से चलने वाले अंतरिक्ष यान को एक ही कक्षीय प्रक्षेप पथ पर लाना, उन्हें मैन्युअल रूप से या स्वायत्त रूप से एक दूसरे के करीब लाना और अंत में उन्हें यांत्रिक रूप से एक साथ लॉक करना शामिल है। यह क्षमता जटिल अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्त्वपूर्ण है, जिसमें अंतरिक्ष स्टेशनों को इकट्ठा करना, चालक दल का आदान-प्रदान करना और आपूर्ति पहुँचाना शामिल है। संयुक्त राज्य अमेरिका में (1966) पहली डॉकिंग नासा के जेमिनी श्क्क्क मिशन के दौरान हासिल की गई थी, जहाँ अंतरिक्ष यान एजेना लक्ष्य वाहन के साथ डॉक किया गया था। यूएसएसआर ने कोस्मोस 186 और कोस्मोस 188 के बीच पहली मानवरहित, स्वचालित डॉकिंग का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने 1967 में अंतरिक्ष दौड़ के दौरान उनकी इंजीनियरिंग क्षमता को रेखांकित किया। चीन के मानवरहित शेनझोउ 8 अंतरिक्ष यान ने 2011 में तियांगोंग 1 अंतरिक्ष प्रयोगशाला के साथ डॉक किया। एक साल बाद, देश ने शेनझोउ 9 मिशन के साथ अपनी पहली मानवयुक्त डॉकिंग हासिल की। भारतीय डॉकिंग सिस्टम (बीडीएस) के बारे में 2010 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय डॉकिंग सिस्टम मानक (आईडीएसएस) अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के साथ अंतरिक्ष यान डॉकिंग को नियंत्रित करता है। भारत एक उभयलिंगी डॉकिंग प्रणाली का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि चेजर और टारगेट दोनों उपग्रहों पर समान प्रणालियाँ मौजूद हैं। आईडीएसएस के समान लेकिन आईडीएसएस डिजाइन में 24 मोटर्स के बजाय दो मोटर्स का उपयोग करता है। उन्नत सेंसर और प्रौद्योगिकी जिसमें सटीक माप के लिए अभिनव सेंसर शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं: लेजर रेंज फाइंडर, रेंडेजवस सेंसर और प्रॉक्सिमिटी और डॉकिंग सेंसर। ये सेंसर सटीक दृष्टिकोण और डॉकिंग प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हैं। इसमें सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम से प्रेरित एक नया प्रोसेसर है। साथ ही, अंतरिक्ष यान की सापेक्ष स्थिति और वेग निर्धारित करता है। यह भविष्य की स्वायत्त डॉकिंग प्रणालियों के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। साथ ही, उपग्रह-आधारित नेविगेशन डेटा पर निर्भर किए बिना डॉकिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है। डॉकिंग तकनीक कक्षा में बड़े अंतरिक्ष यान के निर्माण की अनुमति देती है, जो मंगल अन्वेषण जैसे गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक है। चंद्र मिशनों के लिए समर्थन: डॉकिंग इसरो के चंद्रयान-4 चंद्र नमूना वापसी मिशन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे अधिक उन्नत और जटिल अंतरिक्ष संचालन संभव हो पाता है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की योजना कक्षीय पुनःपूर्ति और चालक दल के मिशनों का समर्थन करने के लिए डॉकिंग तकनीक पर निर्भर करती है। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्त्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने ह्यस्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंटह्न स्पेडेक्स के तहत दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग को अंजाम दिया।

मिशन साबित करता है कि उच्च-स्तरीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को न्यूनतम व्यय के साथ विकसित और प्रदर्शित किया जा सकता है। यह अंतरिक्ष यान के लिए डॉकिंग प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करेगा और डॉक किए गए अंतरिक्ष यान के बीच बिजली हस्तांतरण को सक्षम करेगा। अंतरिक्ष यान के परिचालन जीवन को बढ़ाने के लिए डॉक की गई स्थितियों में नियंत्रण क्षमता को बढ़ाएगा। विमान लेजर रेंज फाइंडर और रेंडेजवस सेंसर जैसे उन्नत सेंसर से लैस है। रिएक्शन व्हील, मैग्नेटोमीटर और थ्रस्टर्स के साथ मजबूत रवैया और कक्षा नियंत्रण प्रणाली। मोटर चालित कैप्चर, रिट्रैक्शन और रिजिडाइजेशन क्षमताओं के साथ डॉकिंग मैकेनिज्म। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्त्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है। अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों ने एक बड़ी छलांग लगाई है, जब पीएसएलवी-सी60 ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को प्रक्षेपित किया, जिससे स्वायत्त अंतरिक्ष यान डॉकिंग के लिए भारत की उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन हुआ।

स्पैडेक्स मिशन में दो छोटे अंतरिक्ष यान, एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 शामिल हैं, जो स्वचालित रूप से कक्षा में स्थापित होंगे, जिससे कक्षा में उपग्रह की सर्विसिंग, ईंधन भरने और भविष्य में अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। सार्वजनिक-निजी सहयोग द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक मिशन, अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि करता है तथा वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अधिक अंतरग्रहीय और वाणिज्यिक उपक्रमों के लिए उसे तैयार करता है। इसके अलावा, इस मिशन के लिए इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक तकनीक अंतरिक्ष अन्वेषण में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। स्पैडेक्स परियोजना न केवल भारत के मौजूदा अंतरिक्ष अन्वेषण लक्ष्यों के लिए बल्कि समग्र रूप से अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्त्वपूर्ण कदम बन गई है। इस मिशन से मिले सबक वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में गूंजेंगे और भविष्य के सहयोग को प्रेरित करेंगे।

पांच साला सरकार चुनें, फ्री स्कीम ठुकराएं

पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु और उड़ीसा में पटनायक सरकार लंबे समय तक सत्ता में रहती हैं तो अपने कार्यों से। उस दौर में तब इस तरह की योजना के बारे में सोचना भी कल्पना से बाहर है। परन्तु आज हालत वो नहीं हैं। आज दलों को सत्ता चाहिए और मतदाताओं को मुफ्त का माल। इस मुफ्तखोरी से ना केवल राज्य की आर्थिक स्थिति छिन्न भिन्न हो रही है बल्कि प्रदेश का नागरिक अब काम नहीं करना चाहते हैं। उन्हें पता है कि जरूरत के लायक सरकार तो दे रही है। इसी के चलते पांच साला सरकार की अवधारणा ध्वस्त हो रही है। इस मुफ्तखोरी में एक बड़ा कारण अशिक्षा के साथ जागरूकता का नहीं होना भी है। अगर समाज नहीं चेता तो कोई हमें हिमाचल बनने से नहीं रोक पाएगा। मुफ्त की जगह रोजी रोजगार मांगिए ताकि आने वाली पीढ़ी को आप जवाब दे सकें।

मनोज कुमार अग्रवाल
लेखक

इस समय देश के कई राज्यों की सरकार अंगद के पैर तरह जम गई हैं। एक लंबे समय तक सत्ता में रहने से निरंकुशता आ जाती है, जो दिख रही है। भ्रष्टाचार की परते लगातार खुलती रही है लेकिन इस समय जिस व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार सामने आ रहा है, वह स्तब्ध कर देने वाला है। यह बीमारी किसी एक राज्य या किसी एक व्यक्ति तक नहीं है बल्कि सब शामिल हैं इसमें। कौन कितना किया या कर पाया, व्यक्ति की नैतिकता पर भी निर्भर करता है। नैतिकता की बात भी बेमानी हो गई है। एक शब्द राजनैतिक हुआ था जो आज राजनीति हो गया है। दोनों को गौर से देखेंगे तो राज के साथ नैतिक शब्द था, वह विलोपित हो गया और इसके स्थान पर नीति चलन में आ गया है। कहावत है युद्ध और प्रेम में सब जायज है और जब राज अर्थात सत्ता की बात करते हैं तब नीति, कुनीति को जायज मान लिया गया है। जब सत्ता सिर चढ़ कर बोलता है, तब स्वाभाविक रूप से सब जायज हो जाता है। बहरहाल, देश में वन इलेक्शन, वन नेशन की तैयारी है, तब इस बात पर भी मंथन किया जाना चाहिए कि संविधान के अनुरूप सरकार पांच वर्ष के लिए निर्वाचित होती थी। किन्तु मुफ़्त योजनाओं ने सारे पैमाने ध्वस्त करते हुए अंगद के पांव की तरह जमे हुए। ऐसे में भ्रष्टचार की गंगा बह रही है। एक दौर था जब मतदाता पाँच साल होते ही सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया करते थे, आज वही मतदाता बीस बीस साल के लिए सरकारों की ताजपोशी कर रही है। मतदाताओ को भी जीवन की बुनियादी सुविधाओं से ज्यादा मुफ़्त का आनंद चाहिए। सत्ता को यह रास्ता आसान लगा और उसके बाद सत्ता ने मुफ़्त की बंटाई शुरू कर दी। जहां तक याद पड़ता है कि मुफ्त चावल बांटने की शुरूवात दक्षिण से हुई थी। छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को चाउर वाले बाबा के नाम से प्रसिद्धि मिली। फिर मध्य प्रदेश में तत्कालीन शिवराज सिंह सरकार ने मुफ़्त की ऐसी मोहक योजनाओं का श्रीगणेश किया कि उनकी विजय सुनिश्चित होती थी। शिवराज सिंह सरकार के इन योजनाओं को अनेक राज्यों ने जस का तस लागू कर दिया। शिवराज सरकार ने जब लाडली बेटी या किसान कल्याण की योजना शुरू तो उसका स्वागत किया गया। यह जरूरी था। बच्चियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था जो उनके लिए शिक्षा के नए द्वार खोलता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार बेटियों को स्कूल नहीं भेजा करते थे, अब वह बच्चियां अपने पैरों पर खड़ी हो रहीं हैं। उन्हें गणवेश, पाठ्य पुस्तक, साइकिल देकर बेटियों को मुख्यधारा में लाने का सुंदर कार्य किया। इनमें किसान कल्याण योजना भी एक है। शासकीय सेवकों की जिम्मेदारी तय करने के लिए लोक सेवा गारंटी कानून लाया गया। यह कानून पहली बार बना था। अब कौन शासकीय सेवक, कितना जिम्मेदार है, इसके लिए विशद रूप से समीक्षा की जानी चाहिए। इसके बाद शिवराज सरकार ने मुफ़्त की इतनी योजना आरम्भ की कि वह उनकी सत्ता में वापसी की गारंटी हो गई। इसमें मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन और उनके कार्यकाल की अंतिम लोक लुभावन योजना लाडली बहना ने राज्य के बजट का पूरा समीकरण बिगाड़ दिया। अनेक राज्यों को इस योजना सत्ता में वापसी की गारंटी मिल गई। महाराष्ट्र और झारखंड में इसी आधार पर चुनाव जीतने की बात राजनीतिक गलियों में कही सुनी गई। अब खबर आ रही है कि वर्तमान डॉ. मोहन यादव सरकार लाडली बहना की समीक्षा कर उन नामों को हटा रही है जो योजना की शर्तें पूरी नहीं करते हैं। मीडिया इसे लेकर बवाल काट रही है और एक सही फैसले की तरह जाती सरकार को रोक रही है। जब सरकार इन खर्चों और प्रदेश की जरूरत के अनुरूप बाजार से ऋण लेती है, तब भी मीडिया हल्ला मचाता है कि प्रदेश का कर्ज. बढ़ता जा रहा है। ऐसे में सरकार के खिलाफ मानसिकता बनती है। मीडिया को राज्य के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए और समाज को सकारात्मक मैसेज दिया जाना चाहिए। प्रतिपक्ष भी ऐसे अनेक हवा हवाई ऐलान कर देता है क्योंकि उसे पता है सत्ता में वापस नहीं आ रहे है तो मतदाता के मन में आस तो पैदा कर दो और सत्ता के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दे। मीडिया की तरह प्रतिपक्ष भी सरकार को बाजार से कर्ज लेने पर कटघरे में खड़ी करती है। प्रतिपक्ष सरकार से सवाल करे, उसके कार्यों की समीक्षा करे, यह उसका राज्य के प्रति जिम्मेदारी है और प्रतिपक्ष होने के नाते भी। हिमाचल प्रदेश जिस खस्ताहाल आर्थिक स्थिति में है, उसका खुलासा हो चुका है लेकिन राजनीतिक समीक्षकों के संज्ञान में होगा कि और कितने राज्य हिमाचल के रास्ते पर हैं। दिल्ली की आप सरकार ने तो मुफ़्त की योजनाओं की बाढ़ लगा दी। इसके बाद आप सरकार के जो कथित तौर पर गोलमाल खुला तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल की यात्रा करनी पड़ी। दिल्ली के दंगल में तो जैसे बंटाई का ऐलान हो रहा, वह हैरान कर देने वाला है। कांग्रेस दिल्ली की सत्ता से दूर है लेकिन उसका भी वायदा प्रति माह साढे आठ हजार रुपए देने का है। लोकपाल को लेकर देशव्यापी आंदोलन से उपजी आप पार्टी में सब एक दूसरे के कंधे पर सवार होने लगे। इस आंदोलन ने आप को सत्ता की चाबी सौंप दी। इसमें चतुर केजरीवाल ने धीरे धीरे सबको किनारे कर दिया। उनके विश्वस्त सहयोगी एवं कवि कुमार विश्वास को आप का साथ छोड़ना पड़ा। हालांकि कुमार को उम्मीद थी कि उनकी राज्यसभा की टिकट पक्की लेकिन कुछ नहीं मिला। केजरीवाल इतने घुटे हुए राजनेता हैं कि वे कभी कुमार के सवालों या आरोप का कोई जवाब नहीं दिया। इस समय आप पार्टी की फ्री स्कीम उन्हें सत्ता में वापसी करती है या बाहर का रास्ता दिखाती है। दिल्ली के मतदाता फ्री स्कीम को भूल जाते हैं और अपने विवेक से सरकार चुनते हैं तो इस बात की आश्वस्ति है कि अब समय बदलाव वाला आ गया है।

सामयिक बिश्लेषण : कृषि की ठोस नीति हल्दी आयोग

प्रभुनाथ शुक्ल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में हल्दी बोर्ड के गठन की घोषणा की है। गंगा रेड्डी को बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे हल्दी की उन्नतशील खेती में किसानों को जहाँ मदद मिलेगी दूसरी तरफ वैश्विक बाजार पर भारत का सौ फीसदी कब्जा होगा। क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादन और खपत करने वाला देश है। वैश्विक जरूरत की 70 फीसदी की आपूर्ति भारत करता है। हल्दी के निर्यात को पांच साल में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। हल्दी हमारे संस्कृति और संस्कार में बसी है। हाथ पीले करने के लिए हल्दी आवश्यक है। हमारे यहाँ हल्दी को शुभ माना जाता है। हमारे यहाँ कोई भी संस्कार बगैर हल्दी के संम्पन्न नहीं होता है। जीवन के आगमन और महाप्रयाण में भी हल्दी का अपना महत्व है। हल्दी आयुर्वेद की सबसे गुणकारी औषधि है यह एंटीबायोटिक भी है। लेकिन अब भारतीय हल्दी किसानों के लिए एक अच्छी खबर आयी है। केंद्र सरकार ने हल्दी किसानों की 40 सालों से चली आ रही लबी मांग को मान लिया है। सरकार ने हल्दी आयोग का गठित करने की अधिसूचना जारी कर दिया है। बोर्ड का मुख्यालय तेलंगाना के निजामबाद में होगा। देश के हल्दी किसान जहाँ संवृद्ध होंगे वहीं हल्दी निर्यात में भारत का अपना दबदबा होगा। भारत में सबसे अधिक हल्दी का उत्पादन दक्षिण भारत में होता है। आयोग के गठन से जहाँ हल्दी की नई -नई प्रजातियों का विकास होगा। इसके अलावा हल्दी का कृषि क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर व्यपाक होगा। देश के दूसरे हिस्सों में भी शोध के जरिए जलवायु और मिट्टी की गुणवत्ता से हल्दी की नई प्रजाति का विकास कर इसके उत्पादन को और व्यापक बनाया जा सकता है। इससे जहाँ हल्दी के किसानों की आय दोगुनी होगी वहीं दुनिया के हल्दी बाजार पर भारत का एकाधिकार होगा। देश के तकरीबन 20 राज्यों में हल्दी की खेती व्यापक पैमाने पर होती है। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मेघालय जैसे राज्य शामिल हैं। हल्दी बोर्ड जहाँ अच्छे उत्पादन देने वाली किस्मों का विकास करेगा। जिसका लाभ देश के किसानों को मिलेगा। हल्दी से जहाँ कई दवाएं बनती है वहीं सौंदर्य प्रसाधन में भी हल्दी का प्रयोग होता है। हमारे जीवन में हल्दी का बहुत उपयोग है। निश्चित रूप से हल्दी बोर्ड सरकार के अन्य मंत्रालयों और विभागों से मिलकर हल्दी के निर्यात की रणनीति बनाएगा। भारत ने बीते साल 2023-2024 में 226.5 मिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात किया। कुल 1.62 लाख टन हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। बोर्ड के गठन के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसन्धान से गुणवता परक हल्दी का निर्यात ग्लोबल स्तर पर होगा। भारत को एक टिकाऊ स्पर्धा का बाजार उपलब्ध कराएगा। इससे जहाँ हल्दी का उत्पादन बढ़ेगा वहीं निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि होगी। सरकार को परम्परागत कृषि को संवृद्ध करने के साथसाथ औषधिय खेती और दूसरे कृषि उत्पाद पर भी इस तरह के आयोग का गठन करना चाहिए। जिसका प्रभाव दुनिया के कृषि बाजार पर व्यपाक होगा। देश का किसान जहाँ आर्थिक रूप से संवृद्ध होगा और दूसरी तरफ भारतीय कृषि उत्पादों का एकाधिकार बढ़ेगा। कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए भारत के पास अपार संभवानाएं हैं। अब सरकार किसानों के लिए कितना कुछ कर पाती है यह उस पर निर्भर है। भारत में गतवर्ष यानी 2023-2024 में 3.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में हल्दी की खेती कर 10.74 लाख टन उत्पादन किया गया। हमारे यहाँ हल्दी की तीस प्रजातियों की खेती की जाती है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी और इस दौरान उत्पादन 11.61 लाख टन रहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक हल्दी उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक है और यहां हल्दी की 30 किस्में उत्पादित की जाती हैं। सरकार को उम्मीद है की पांच साल यानी 2030 तक हल्दी निर्यात एक बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। केंद्र ने हल्दी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दिया है। दुनिया के हल्दी उत्पादन में भारत अग्रणी है। यह विश्व के कुल हल्दी उत्पादन का 60 से 70 फीसदी उत्पादन किया जाता है। साल 2022 और 2023 में 380 देशों को हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। जिससे 207.45 मिलियन अमरीकी डॉलर की आय हुई। भारत के प्रमुख हल्दी आयातकों में अमेरिका, यूएई, मलेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं। हल्दी आयोग का निश्चित रूप से एक खुली पारदर्शी कृषि नीति है। हल्दी की खेती करने वालों के लिए एक सुखद परिणाम लेकर आएगी।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, रविवार, 19 जनवरी, 2025

संक्षिप्त खबरें

फायरस्टेशन के बैरक में उत्पात मचाने वाला फायरमैन निलंबित

गजरौला। फायर स्टेशन के बैरक में उत्पात मचाने वाले फायरमैन को एसपी ने निलंबित कर दिया। गौरतलब है कि स्थानीय फायर स्टेशन पर तैनात फायरमैन विशाल नागर ने बीती 12 जनवरी रात करीब 11:30 बजे नशे में धुत होकर बैरक में जमकर उत्पात मचाया था। आरोप है कि स्टाफ ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने उनके साथ भी गाली-गलौज की। शिकायत रात में ही स्टाफ ने सीएफओ स्तर पर कर दी। इसके बाद रात में ही फायरमैन का मेडिकल कराया गया। बताया जाता है कि इसके पहले विशाल को सीएचसी तक लाने में भी स्टाफ का पसीना छूट गया। वहीं सीएचसी स्टाफ के साथ भी उसने अभद्रता की थी। मेडिकल रिपोर्ट सीएफओ ने एसपी कार्यालय को भेजी थी। शनिवार को सीएफओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी फायरमैन विशाल नागर को निलंबित किया गया है।

बसंत कालीन गन्ना बुआई जागरूकता मिशन 26 से होगा शुरू

अमरोहा। गन्ना विभाग बसंत कालीन गन्ना बुआई जागरूकता मिशन की शुरूआत 26 जनवरी के बाद जिला कृषि कार्यालय पर गोष्ठी आयोजित कर करेगा। मुख्य अतिथि गन्ना उपायुक्त हरपाल सिंह समेत चीनी मिलों का स्टाफ व अन्य प्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे। डीसीओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गन्ना बुआई की विभिन्न विधियों, उन्नतशील गन्ना किस्मों, पोषक तत्व प्रबंधन, पौध संरक्षण, जल प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन एवं पोस्ट हार्वेस्टिंग प्रबंधन की जानकारी गोष्ठी में दी जाएगी। रेडरॉट के चलते 0238 गन्ने की वैरायटी की जगह उन्नत किस्म की प्रजाति का बीज किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि जिले में एक लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल पर गन्ने की खेती की जा रही है। जिले में तीन शुगर मिलें संचालित हैं, जबकि अन्य नौ शुगर मिलों के केंद्र भी जिले में हैं। फरवरी माह में बसंत कालीन गन्ना बुआई शुरू होगी, जो मार्च तक चलेगी।

रैली निकालकर प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की अपील

धनौरा। वाईएमएस पीजी कॉलेज के रासेयो स्व्यंसेवकों ने शनिवार को पॉलिथीन हटाओ, देश बचाओ पर आधारित जागरूकता रैली निकाली। कॉलेज प्रबंधक रियाज अहमद सैफी ने कहा कि पॉलिथीन जमीन की उर्वरा शक्ति को नष्ट करती है। इसलिए पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डा.सोहन सिंह ने कहा कि हमे प्लास्टिक के प्रयोग से बचना चाहिए। यह कई सालों तक भी नष्ट नहीं होती। पॉलीथिन का उपयोग नहीं करें। नाले व खुले स्थानों पर भी पॉलिथीन को न फेंके। इस दौरान शीबा फरीदी, नाहिदा परवीन, मनु सिंह, त्रेता देवी, शमा अख्तर, दीपक त्यागी रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने त्रिवेणी में लगायी पवित्र डुबकी

महाकुंभनगर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में शनिवार दोपहर पवित्र डुबकी लगायी और विधिविधान से पूजन अर्चन कर देश में सुख शांति की कामना की। अपने एक दिवसीय प्रयागराज दौरे के दौरान श्री सिंह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संगम तट पर पहुंचे जहां उन्होने स्नान आदि के उपरांत पुष्प,नारियल आदि से मां गंगा का पूजन अर्चन किया और आरती उतारी। इस अवसर पर सांसद सुधांशु त्रिवेदी भी उनके साथ थे। श्री सिंह महाकुंभ क्षेत्र में संत महात्माओं से भेंट करेंगे। शाम को वह प्रयागराज में एक वैवाहिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे जिसके बाद वह रविवार को जौनपुर के लिये प्रस्थान करेंगे। रक्षा मंत्री के दौरे के मद्देनजर कुंभ क्षेत्र में सुरक्षा के चाक चौबंद प्रबंध किये गये हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था के साथ अर्थव्यवस्था का भी संगम

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 18 जनवरी (वेब वार्ता)। कारोबार और रोजगार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर कारोबार होगा तो रोजी-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इनमें से कुछ रोजगार स्थायी होंगे और कुछ अस्थायी। इससे संबंधित लोगों का जीवन पहले से खुशहाल हो जाएगा। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ भी इसका अपवाद नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कह चुके हैं कि पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक करीब डेढ़ महीने के इस आयोजन में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। अगर औसतन एक पर्यटक अपनी बुनियादी जरूरतों पर लगभग 5,000 रुपए खर्च करे तो इस दौरान करीब दो लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा।

एक्सपर्ट्स के अनुसार करीब डेढ़ महीने का यह कारोबार संबंधित लोगों के लिए आठ महीने के कारोबार के बराबर होगा। इसका बड़ा हिस्सा करीब (25 हजार करोड़ रुपए) टैक्स के रूप में सरकार को मिलेगा। साथ ही देश की जीडीपी में भी इसका .03 फीसद का योगदान होगा। प्रयाग महाकुंभ के दौरान कारोबार के साथ रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे। इस बाबत विभिन्न एजेंसियों के रुझान भी आने लगे हैं।

स्टैफिंग रिक्रूटमेंट सर्विसेज और फर्स्ट मेरिडियन ग्लोबल के मुताबिक महाकुंभ के दौरान 6 लाख से लेकर 10 लाख अस्थायी रोजगार सृजित होंगे। इसमें महाकुंभ की बसाहट और इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी अन्य काम, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, डेटा एनालिस्ट, डिजिटल सुरक्षा, ब्रांडिंग, मार्केटिंग के लिए बैनर, पोस्टर और फ्लेक्स, सोशल इन्फ्लूएंसर, हॉस्पिटैलिटी, इवेंट्स मैनेजमेंट आदि के क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर प्रसाद बेचने वालों, नाई, पुरोहित, सिंदूर, बिंदी, चूड़ी, और टिकुली आदि बेचने वाले सबके हिस्से में कुछ न कुछ आना है। यकीनन यह औसत दिनों से कई गुना होगा। यही स्थिति कमोबेश स्थायी दुकानदारों की भी होगी। कारोबार और रोजगार का यह क्रम विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन प्रयागराज के महाकुंभ तक ही सीमित नहीं है। अगर काशी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद वहां 2023 में करीब 10 लाख पर्यटक आए तो यकीनन उन्होंने काशी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया होगा।

यही स्थिति अयोध्या की भी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यहां पर्यटकों और श्रद्धालुओं के आने का सारा रिकॉर्ड टूट गया। यह मौजूदा समय में हर रोज आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से देश के प्रमुख धर्म स्थलों में नंबर एक पर है। जिस अयोध्या में 2016 से पहले हर साल औसतन 2.83 लाख पर्यटकों और श्रद्धालुओं का आगमन होता था। अब वहां रोज लगभग एक से डेढ़ लाख लोग आ रहे हैं। सितंबर 2024 तक अयोध्या में करीब 13.50 करोड़ पर्यटक एवं श्रद्धालु आ चुके थे।

अनुमान है कि साल के अंत तक यह संख्या 16 करोड़ के आसपास रही होगी। अयोध्या के कारोबारी खुद कहते हैं कि अब हम महीने में हजार की जगह लाख कमा ले रहे हैं। किसी खास अवसर पर होटल पहले से बुक हो जाते हैं। ऑक्यूपेंसी बढ़ने के साथ कुछ नए होटल भी खुले हैं। कुछ ने खुद को रिनोवेट कराया है, कुछ ने विस्तार कर अपनी ऑक्यूपेंसी भी बढ़ाई है। ताज सहित कई नामचीन ब्रांड वहां होटल बनाने जा रहे हैं। कई और पाइपलाइन में हैं। कारोबार और रोजगार के हिसाब से हर धार्मिक स्थल की यही स्थिति है। यही नहीं एक जगह की प्रगति का लाभ दूसरी जगह को भी मिल रहा है।

महाकुंभ इसका उदाहरण है। प्रयाग में दूरदराज से संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद इनमें से कइयों का गंतव्य काशी, अयोध्या के साथ कुछ हद तक विंध्याचल भी है। इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। महाकुंभ के दौरान यहां बढ़ने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या इसका प्रमाण है। इन जगहों पर जाने वालों की सुविधा और सुरक्षा का योगी सरकार का पूरा ध्यान है।

अवध शुगर मिल ने किया बसंतकालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन

- गन्ने की उन्नत प्रजातियाँ ही उत्पादन तथा चीनी परता बढायेंगी:ओम प्रकाश गुप्ता
- को0 15023 गन्ना प्रजाति बोने पर, प्रति एकड़ दो बोरा पोटाश नि: शुल्क देगी चीनी मिल: अरविंद कुमार

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। चीनी मिल परिक्षेत्र में बसंत कालीन गन्ने की वैज्ञानिक खेती के प्रति कृषकों को जागरूक करने, पेड़ी प्रबंध तथा गन्ने के साथ सहफसली को अपनाने एवं गन्ना विकास के लिए चीनी मिल द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देने के लिए ग्राम किवाड़ में बसंतकालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन किया गया। गन्ना वैज्ञानिक ओमप्रकाश गुप्ता ने गन्ना किसानों को जागरुक करते हुए कहा कि गन्ने की उन्नत प्रजातियां ही गन्ने की पैदावार और चीनी परता बढ़ाएंगी। उन्होंने बताया कि गन्ने का सबसे भयंकर रोग है रेड-रॉट जिसे गन्ने का कैन्सर कहते हैं। यह रोग जिस गन्ना प्रजाति में लग जाता है।वह समाप्त हो जाती है। मिल क्षेत्र में सर्वाधिक उपज एवं सर्वाधिक चीनी देने वाली प्रजाति को 0238 में रेड-रॉट रोग लग गया है इसकी बुवाई न करें, किसान, पेड़ी भी न रखे, बचाव के लिए भूमि व बीज गन्ना उपचार अवश्य करें भूमि उपचार के लिए ट्राईकोडर्मा मात्रा 4 किग्रा० को गोवर की सड़ी खाद मे अच्छी तरह मिलाकर पाँच दिन किसी छाया दार स्थान पर रखें, अन्तिम जुताई के समय खेत में बिखेर कर जुताई करें, बीज गन्ना का दो आँख का टुकड़ा काटकर उसे हेक्सास्टॉप के घोल में उपचारित करें। दोहरा लाम लेने के लिए गन्ने की दो पंक्ति के बीच प्याज या भिण्डी, मूग, लोबिया आदि की सहफसली खेती करें। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए चीनी मिल के उपाध्यक्ष (गन्ना विकास) अरबिन्द सिंह ने बताया कि गन्ने की सबसे अधिक उपज देने वाली प्रजाति को0-0118 को0-15023 की बुवाई करें। उन्होने बताया कि को0-0118 की प्रजाति बोने पर एक वोरा वायोपोटाश तथा को०-15023 प्रजाति वोने पर दो वोरा वायोपोटाश निः शुल्क दे रही है। चीनी मिल उन सभी किसानों से अपील कि गन्ने की अस्वीकृत प्रजाति न बोयें। गोष्ठी में किसान भूपेन्द्र सिंह निवासी ग्राम दीनदारपुर ने बताया कि मैने गन्ने के साथ सरसो आलू,गोभी भी बोया है। माहफरवरी में प्याज बोयेंगे।

फोटोन अस्पताल ने सहसपुर देहात मे लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर

गरीब मरीजों को चिकित्सा शिवरो के माध्यम से मिलता है लाभ: मौ.अदिल प्रधान

प्रात: किरण संवाददाता

सहसपुर। मुरादाबाद मंडल के मशहूर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल एंड ट्रामा सेंटर फोटोंन हॉस्पिटल ने सहसपुर देहात के प्रधान शेख मौहम्मद आदिल के सहयोग से सहसपुर देहात ग्राम पंचायत भवन में क्षेत्रीय एवं ग्रामीण मरीजो के लिये एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर लगाया। चिकित्सा शिविर में आए रोगियों की निशुल्क ब्लड प्रेशर , ब्लड शुगर, प्लस, सेचुरेशन आदि की जांच की गई तथा रोगियों को दवाइयां भी निशुल्क दी गई है। चिकित्सा शिविर में लगभग लगभग 100 मरीज ने पहुंचकर लाभ उठाया। जिसमें बुखार, सर्दी, जुकाम ,दमा, जोड़ो व रीढ़ की हड्डी के दर्द आदि के मरीज ज्यादा देखे गए। शिविर में आये रोगियों का परीक्षण करने वाली टीम और चिकित्सा शिविर को सफल बनाने वाली मल्टीस्पेशलिटी फोटोन हॉस्पिटल की टीम में डॉक्टर मोनिस खुर्शीद, रविता सिंह मौहम्मद इमरान, गुलशामा, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव सचिन कुमार, मेडिकल कैम्प मैनेजर कृष्ण मुरारी पाठक, शेख मोहम्मद आदिल ग्राम प्रधान सहसपुर देहात, अमजद अंसारी चेयरपर्सन पति नगर पंचायत सहसपुर, इकबाल अहमद, डॉ खुर्शीद अहमद, इदरीस अहमद पूर्व सभासद, यासमीन जहां रहे। चिकित्सा शिविर के बाद ग्राम प्रधान मौहम्मद आदिल ने कहा जो लोग आर्थिक तंगी के कारण मुरादाबाद या कहीं बड़े शहरों में इलाज के लिये में नहीं जा सकते। उन्हें इस तरह के चिकित्सा शिवरों से बहुत लाभ पहुंचता है उनके पैसे और समय की बचत होती है आगे भी जनता विशेष कर गरीबों के लिए इस तरह के कैंपों का आयोजन होता रहेगा।

सांप के काटने का इलाज करने वाले सरदार जोगेंद्र सिंह का निधन

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर के जाने माने समाजसेवियों में शुमार और एक निस्वार्थ शख्सियत रहे सरदार जोगिंदर सिंह (आयु 96 वर्ष) का लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया। जिससे नगर में शोक की लहर फेल गई। सरदार जोगिंदर सिंह ने सांप,और अन्य जहरीले कीड़ों के द्वारा काटे गए सैकड़ो लोगो का निस्वार्थ इलाज किया। ईश्वर ने उनके हाथों में ऐसी शिफा दी थी। सांप के द्वारा काटे गये व्यक्ति उनके पास बेहोशी की हालत में आते थे। और सही हो कर जाते थे। लोग उनके पास इलाज के लिये दूर दूर से आते थे। सही होकर उन्हें दुआएं देकर जाते थे। बेहद नेक और मिलनसार रहे सरदार जोगेंद्र सिंह लगभग पिछले 50 सालों से अपनी विशेष दवा और इलाज द्वारा सांप और अन्य जहरीले कीड़े के काटने का सफल इलाज करते आ रहे थे जिसकी वजह सैकड़ो लोगों की जान बची और वो स्वस्थ हो हुए।उनके पुत्र सरदार प्रीतपाल सिंह और पौत्र सरदार दलजीत सिंह उर्फ रिंकू ने बताया कि कल सैकड़ो नम आंखों के साथ सरदार जोगेंद्र सिंह जी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके अंतिम संस्कार में नगर जे सभी धर्मो के आम और खास शामिल रहे।

सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर दुष्कर्म का आरोप, मुकदमा दर्ज

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि कोतवाली नगर इलाके की रहने वाली महिला ने सांसद पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मामले से जुड़े साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। इसके आधार पर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार रात को सांसद राठौर के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि महिला ने 15 जनवरी को कोतवाली में शिकायत दर्ज करायी थी। इसमें उसने बताया था कि पिछले चार सालों से शादी का झांसा देकर सांसद राकेश राठौर उसका शारीरिक शोषण कर रहे हैं। उन्होंने उसे राजनीतिक करियर में सहायता देने का आश्वासन भी दिया था। दोनों सजातीय हैं। पीड़िता ने पुलिस को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, कॉल रिकार्डिंग भी उपलब्ध कराया। साथ ही यह भी बताया कि सांसद द्वारा उसे धमकाया जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का मेडिकल कराया गया और न्यायालय के समक्ष बयान भी दर्ज कराया गया। पुलिस ने पीड़ित महिला को सुरक्षा भी मुहैया कराया है।

जनपद भर मे वितरण हुए घरौनी प्रमाण पत्र, खिले ग्रामीणों के चेहरे

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत शनिवार को जिलेभर में घरौनी का वितरण किया गया। डीएम निधि गुप्ता संग शिक्षक विधायक डा. हरि सिंह ढिल्लो ने कलक्ट्रेट परिसर में अमरोहा तहसील के 11 गांवों के 169 ग्रामीणों को खुद घरौनी प्रमाण पत्र सौंपते हुए शुभकामना दी। मौजूद लोगों ने मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन को भी सुना। वहीं जिले की सभी तहसील, ब्लॉक व गांवों में 19251 घरौनियों का वितरण किया गया। कलक्ट्रेट पर आयोजन के दौरान डीएम ने कहा कि घरौनी के जरिए ग्रामीणों को अपनी भूमि का मालिकाना हक मिल सकेगा। ग्रामीण अपनी भूमि पर ऋण लेकर कोई भी व्यवसाय कर सकेंगे। कहा कि घरौनी के जरिए जमीन संबंधी छोटे-छोटे विवादों से भी निजात मिलेगी, लोग सुखमयी जीवन यापन कर सकेंगे। बैंकिंग सेवाओं का मजबूती से लाभ मिल सकेगा। ग्रामीणों की अपनी संपत्ति का एक मुख्य डाटा और रिकॉर्ड उनके पास रहेगा। विवाद की स्थिति नहीं रहेगी और आपसी भाईचारे का भाव होगा। शिक्षक विधायक ने कहा कि जमीन का मालिकाना हक मिलना ग्रामीण जनता के लिए बहुत बड़ी सौगात है। यह सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। यह गांव में लोगों के जीवन में बदलाव लाने में कामयाब साबित होगी। विवाद की स्थिति खत्म हो सकेगी, एकता का भाव सृजित होगा। लोग अपनी जमीन पर लोन लेकर व्यवसाय आगे बढ़ा सकेंगे। आय बढ़ने से उनके जीवन स्तर में भी बदलाव आएगा। आयोजन के समापन पर शिक्षक विधायक ने मौजूद अधिकारी-कर्मचारी व लोगों को नशा मुक्ति, स्वच्छ भारत अभियान के तहत शपथ भी दिलाई। इस दौरान सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा, एडीएम न्यायिक माया शंकर यादव, एडीएम वित्त एवं राजस्व बृजेश त्रिपाठी, एसडीएम सदर सुधीर कुमार, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, डीपीआरओ पारुल सिसोदिया समेत अन्य संबंधित अधिकारी ग्रामीण रहे।

जन चौपाल में दी पार्टी नीतियों की जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पदाधिकारियों ने शनिवार को गांव मुबारकपुर कलां में जन चौपाल लगाई। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने पार्टी नीतियों की जानकारी दी। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर सड़क से लेकर सदन तक गरीब, कमजोर, वंचित, दलित, पिछड़ा अल्पसंख्यक समाज की लड़ाई लड़ रहे हैं। एक देश, एक शिक्षा नीति पर जोर देते हुए समान शिक्षा लागू किए जाने की मांग की। उत्तर प्रदेश में शराब बंदी के साथ ही राजनीति में महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी की भी वकालत की। इस दौरान पंडित राम अवतार शर्मा, मोहम्मद नाजिम, जसवीर सिंह चौहान, रामोतार सिंह चौहान, कमल खान, रिजवान अली, मोनू अली, खुर्शीद, सुभाष सिंह, इरफान खान, अजहरुद्दीन, नितिन, पुष्पेंद्र, युसूफ आदि रहे।

मिल्कीपुर उपचुनाव : अखिलेश ने थानों में एसएचओ/एसओ की नियुक्ति पर उठाए सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित मिल्कीपुर सीट पर पांच फरवरी को चुनाव होना है। ऐसे में समाजवादी पार्टी की ओर से सरकार को घेरने के लिए नए-नए तरीके आजमा रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मतदान से पहले पुलिस थानों में एसएचओ/एसओ की नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं और पीडीए के प्रतिशत का जिक्र किया है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से एक इंडेक्स जारी करके लिखा कि जो यह कह रहे हैं कि नियुक्ति मेरिट के आधार पर हुई हैं, क्या उनका मतलब यह है कि पीडीए में मेरिट नहीं है। अखिलेश यादव ने अपने आंकड़े में लिखा है अयोध्या के थानों में तैनात एसएचओ/एसओ में पीडीए? जिसमें उन्होंने अपने इंडेक्स में लिखा कि टोटल पोस्टिंग 26, पीडीए छह (23 प्रतिशत)।

इसके पहले भी सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर में पुलिस अधिकारियों की तैनाती को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक आंकड़ा शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा कि चुनाव आयोग मिल्कीपुर में भाजपा सरकार के पक्षपाती अधिकारियों की नियुक्ति का संज्ञान ले और अपनी निष्पक्ष कार्यशैली की स्वस्थ परंपरा को

उन्होंने एक आंकड़ा पोस्ट करते हुए कहा कि अयोध्या में 19 पुलिस अधिकारियों में केवल तीन ही पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग से हैं। यह कुल तैनात अधिकारियों का केवल 15 प्रतिशत है। ज्ञात हो कि मिल्कीपुर विधानसभा सीट लोकसभा चुनाव में सपा विधायक अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के कारण यहां पर चुनाव हो रहा है। इस सीट पर सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को सपा ने प्रत्याशी बनाया है। वहीं, भाजपा ने चंद्रभान पासवान को अपना उम्मीदवार बनाया है।

गांधी महात्मा कैसे हो गए उन्होंने तप किया या सिद्धि थी उनके पास?

आईआईटीयन बाबा ने राष्ट्रपिता और इस्लाम को लेकर उठाए सवाल

प्रयागराज। महाकुंभ में अभय सिंह उर्फ आईआईटियन बाबा सुर्खियां बटोर रहे हैं। वह लगातार मीडिया से बात कर रहे हैं और हर मुद्दे पर अपने विचार रख रहे हैं। उन्होंने सनातन और इस्लाम दोनों पर चर्चा की है। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को मिला गांधी टाइटल पर सवाल उठाया है। बाबा अभय ने राष्ट्रपति गांधी को मिली महात्मा की उपाधि को गलत बताया। आईआईटी बाबा अभय सिंह ने कहा कि लोगों को अध्यात्म की समझ नहीं थी इसलिए उन्होंने गांधी को महात्मा की उपाधि दे दी। कैसे महान आत्मा हो गए वह। क्या किया उन्होंने? क्या तप किया उन्होंने? क्या सिद्धि थी उनके पास? आईआईटी बाबा अभय सिंह ने एक साक्षात्कार में इस्लाम के बारे में कहा कि मुसलमानों से मुझे कोई दिक्कत नहीं लेकिन इस्लाम धर्म अच्छा नहीं है। इस्लाम एक गलत विचारधारा है। यह नफरत सिखाता है। बोलता है कि तू शांति में रह। अरे तो तू भी शांति में रह ना। जब उनसे सनातन धर्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा आने वाले समय में सिर्फ सनातन ही रहेगा। आईआईटियन बाबा का एक न्यूज चैनल से बातचीत का वीडियो चार दिन पहले सामने आया था। उसमें उन्होंने बताया था कि उन्होंने आईआईटी मुम्बई से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और कनाडा में 36 लाख के पैकेज की नौकरी छोड़ वैरागी बन गए हैं। वह धाराप्रवाह अंग्रेजी बोल रहे थे। देखते ही देखते उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया था।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर यादव राम मंदिर आंदोलन पर एक संगोष्ठी में शामिल नहीं होंगे

प्रात: किरण संवाददाता

- अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पहली वर्षगांठ के अवसर पर यह संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।
- आयोजन समिति के कुछ सदस्यों ने न्यायमूर्ति यादव के इस कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति ली थी।

महाकुंभ नगर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर यादव कुंभ मेला क्षेत्र में आयोजित संगोष्ठी में शामिल नहीं होंगे। एक आयोजक ने यह जानकारी दी।

न्यायमूर्ति यादव के पिछले वर्ष दिसंबर में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में भाषण देने के बाद विवाद हुआ था। उन्हें 22 जनवरी को कुंभ मेला क्षेत्र में एक संगोष्ठी में मुख्य भाषण देना था लेकिन अब वह इसमें भाग नहीं लेंगे।

आयोजकों के मुताबिक न्यायमूर्ति यादव ने 22 जनवरी को कार्य दिवस बताते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठीः राम मंदिर आंदोलन और गोरक्षपीठ सेमिनार में शामिल होने में असमर्थता जताई।

संगोष्ठी के संयोजक शशि प्रकाश सिंह ने कहा, आयोजन समिति के कुछ सदस्यों ने न्यायमूर्ति यादव के इस कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति ली थी। चूंकि संगोष्ठी कार्य दिवस पर है इसलिए उन्होंने इसमें शामिल होने में असमर्थता जताई है और इस बारे में आयोजन समिति को सूचित कर दिया है।

सिंह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पहली वर्षगांठ के अवसर पर यह संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक अशोक बेरी और विहिप के वरिष्ठ नेता बड़े दिनेश जी सिंह संगोष्ठी को संबोधित करेंगे।

न्यायमूर्ति यादव ने आठ दिसंबर 2024 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पुस्तकालय हॉल में विहिप के विधि प्रकोष्ठ और उच्च न्यायालय इकाई के प्रांतीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है।

अगले दिन, न्यायाधीश के संबोधन के वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हुए, जिस पर कई हलकों से तीखी प्रतिक्रिया हुई और विपक्षी नेताओं ने उनके कथित बयान पर सवाल उठाए और इसे ह्यह्यघृणा भाषण करार दिया।

उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष 10 दिसंबर को समाचार रिपोर्टों पर संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी।

यादव प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कोलेजियम के समक्ष पेश हुए और उनसे उनके बयानों पर अपना पक्ष रखने को कहा गया।

महाकुंभ के भव्य आयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक फीसदी से ज्यादा वृद्धि का अनुमान

महाकुंभ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा महाकुंभ न सिर्फ सांस्कृतिक और सामाजिक बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान की दिशा में भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाल ही में इसकी ओर संकेत किया था, जब उन्होंने कहा था कि महाकुंभ से दो लाख करोड़ का व्यापार होगा।

तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा महाकुंभ न सिर्फ सांस्कृतिक और सामाजिक बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान की दिशा में भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हाल ही में इसकी ओर संकेत किया था, जब उन्होंने कहा था कि महाकुंभ से दो लाख करोड़ का व्यापार होगा।

विशेषज्ञों की मानें तो 45 दिन तक चलने वाले इस महाआयोजन से उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक प्रतिशत या उससे भी ज्यादा की वृद्धि हो सकती है। यही नहीं, जीएसटी कलेक्शन में भी भारी उछाल देखने को मिलेगा। दुनियाभर से आ रहे श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे खर्च से मांग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार में वृद्धि होगी और छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों की जेब में पैसा आएगा। सरकार को भी आयोजन से बड़े पैमाने पर आय होगी, जिसका उपयोग प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में होगा। कुल मिलाकर यह आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित होगा।

देश के मशहूर सीए और अर्थशास्त्री पंकज गांधी जायसवाल के अनुसार, इस बार के महाकुंभ के आंकड़े जो सरकार बता रही है, उसके होने भर से ही नॉमिनल और रियल दोनों जीडीपी के आंकड़ों में एक प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। देश-विदेश से करीब 45 करोड़ लोग इस महाकुंभ में आएंगे। वो काशी, अयोध्या, चित्रकूट समेत देश के कई हिस्सों में जाएंगे। यदि उनके घर से कुंभ में आने से लेकर घर वापस आने तक का प्रति व्यक्ति औसत खर्च जोड़ लेंगे तो औसत करीब 10 हजार रुपए प्रति व्यक्ति हो सकता है। ऐसे में यदि 45 करोड़ में इस दस हजार प्रति व्यक्ति खर्च का गुणा करेंगे तो यह करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपए होता है। इसे हम दस फीसदी अनुमान रिस्क के नाम पर थोड़ा कम चार लाख करोड़ ही मान लेते हैं तो भी यह अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए कमाल का आंकड़ा है। महाकुंभ का अर्थशास्त्र तिमाही के आंकड़ों को तो मजबूत करेगा ही, साथ ही देश के वार्षिक राष्ट्रीय जीडीपी को भी मजबूत करेगा और अर्थव्यवस्था को भी।

पंकज गांधी जायसवाल के अनुसार, सरकार को महाकुंभ में हुए निवेश से कई गुना रिटर्न आ जाएगा। डबल इंजन की सरकार महाकुंभ के आयोजन पर मिलकर करीब सोलह हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है। अगर इसी को आधार मान लें तो सरकार की ही आय कई गुना हो जाएगी। अगर चार लाख करोड़ पर औसत जीएसटी का संग्रह निकालें तो यह करीब 50 हजार करोड़ के आसपास होगा। इस खर्च पर जो लोगों को आय होगी उस पर आयकर तथा अन्य सुविधाओं के अप्रत्यक्ष कर जोड़ दें तो यह आंकड़ा एक लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा, मतलब कई गुना आय तो सरकार को ही होगी। सारे विश्लेषण और आंकड़े बताते हैं कि किताबी आंकड़े भले ही कुछ कहें, महाकुंभ के बाद अगली तिमाही में अर्थ अमृत का प्रसाद मिलने वाला है। तिमाही आंकड़े के साथ शेयर बाजार भी नृत्य करेगा। प्रयागराज के प्रख्यात सीए अनिल गुप्ता के अनुसार महाकुंभ के भावनात्मक पहलू के साथ ही आर्थिक पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। सरकार ने इस बार महाकुंभ को लेकर जो निवेश किया है, उससे बड़े पैमाने पर रेवेन्यू भी जेनरेट होगा। रेलवे, ट्रांसपोर्ट, इलेक्ट्रिसिटी समेत महाकुंभ मेले में रेंट पर जो भूमि आवंटित की गई है, इन सभी से व्यापक रेवेन्यू जनरेट होगा। इन सभी को मिलाकर देखें तो जीएसटी और समस्त इंफ्रास्ट्रक्चर से सरकार को करीब एक लाख करोड़ रुपये आय की संभावना है। इस आय को सरकार जब इंफ्रास्ट्रक्चर में डालेगी तो निश्चित रूप से इसका असर इकॉनमी पर भी देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि जानकारी के अनुसार पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं, इससे टूरिज्म को बहुत बल मिलेगा। अगर सिर्फ प्रयागराज की ही बात करें तो पहले यहां 5 स्टार, 7 स्टार होटल नहीं थे, अब सारे स्थापित हो रहे हैं। निश्चित रूप से इन सभी फैक्टर्स से जीडीपी में एक प्रतिशत की ग्रोथ आराम से हो जाएगी। जहां तक जीएसटी की बात है तो यह प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश को मिलाकर देखें तो दिसंबर, जनवरी और फरवरी में इसके तीन गुना तक बढ़ने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत ट्रांसफार्मर से तेल चोरी

नोएडा,। सेक्टर-50 के बी ब्लॉक में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर से चोर कीमती तेल चुरा ले गए। सेक्टर-49 पुलिस को दी शिकायत में विद्युत निगम के अवर अभियंता राम मिलन ने बताया कि शुक्रवार सुबह जब वह अपने घर पर थे तभी उपभोक्ता द्वारा संविदाकर्मी सौदान सिंह बघेल को दूरभाष द्वारा सूचना दी गई कि बिजली आपूर्ति में कुछ दिक्कत आ रही है। सूचना मिलते ही उपभोक्ता द्वारा बताई गई जगह पर टीम निरीक्षण के लिए पहुंच गई। टीम ने पहुंचने के बाद देखा कि सेक्टर-50 में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर के ड्रेन वाल्व को खोलकर किसी ने तेल चुरा लिया है। जनपद में इस समय विद्युत ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने की लगातार शिकायतें आ रही हैं। आशंका है कि संगठित गिरोह बनाकर कुछ आरोपी ऐसा कर रहे हैं।

बिजली आपूर्ति आज बाधित रहेगी

नोएडा,। बिजली उपकेंद्रों पर मरम्मत कार्य के चलते रविवार को कुछ सेक्टरों में सुबह नौ से शाम चार बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान एबीसी कनेक्टर बदलने के काम के चलते सेक्टर-67 के ए, बी और सी ब्लॉक की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अलावा सेक्टर-63 के ए और बी, सेक्टर-65 के बी और सी ब्लॉक में आपूर्ति बाधित रहेगी।

सोसाइटी की सुरक्षा को लेकर डीसीपी के साथ बैठक

ग्रेटर नोएडा, । मिगसन ट्विंज सोसाइटी के निवासियों ने डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी के साथ बैठक की। जिसमें सोसायटी के अंदर और बाहर सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा की गई। निवासियों ने चोरी की घटनाओं, नियमित गश्त की अनुपस्थिति व हाल ही में कुछ बदमाशों के साथ सुरक्षा गार्ड के साथ हुई लड़ाई से संबंधित मुद्दों को उठाया। साथ ही समग्र सुरक्षा ढांचे को बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की मांग की। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने निवासियों को तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया। गश्त बढ़ाने, अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी कैमरे लगाने, सामुदायिक पुलिसिंग पहल और सोसायटी के पास पुलिस चौकी बनाने का वादा किया।

सीलिंग कार्रवाई से 6 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स वसूला

फरीदाबाद,। नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई का असर दिखने लगा है। प्रॉपर्टी टैक्स बकाया होने पर अधिकारियों ने जब मौके पर कार्रवाई शुरू की, तो कई प्रॉपर्टी मालिकों ने तुरंत चेक और आरटीजीएस के माध्यम से टैक्स जमा कर दिया। नगर निगम के ओल्ड जोन में क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी सृष्टि बब्बर और बल्लभगढ़ जोन में अधिकारी दीपा की टीम ने सीलिंग अभियान चलाया। इस दौरान करीब 6 लाख रुपये की बकाया राशि वसूली गई। निगम अधिकारियों द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स बकायादारों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे, जिसका असर अब नजर आने लगा है। एडिशनल कमिश्नर स्वप्निल रविंद्र पाटील ने हाल ही में अधिकारियों के साथ बैठक कर बकायादारों पर नोटिस भेजने और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में वसूली अभियान चला रहे हैं। निगम का कहना है कि समय पर टैक्स जमा होने से शहर का विकास तेज होगा।

ग्रीन बेल्ट में अतिक्रमण पर लोगों ने जताया विरोध

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की निराला एस्टेट सोसाइटी के पास ग्रीन बेल्ट पर अवैध रूप से दुकान खोलने और अतिक्रमण करने पर लोगों ने विरोध जताया। उनका आरोप है कि रोज नई दुकानें खुल रही हैं। लोगों ने ग्रेनो प्राधिकरण से कार्रवाई कर अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोसाइटी के पास में तिकोना पार्क बना है, जिसके सामने ग्रीन बेल्ट पर लगातार अतिक्रमण बढ़ता जा रहा। रोजाना एक नई दुकान खुल रही। करीब दो दिन पहले ही एक फूड स्टॉल खोलकर अतिक्रमण किया गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही। लोगों का आरोप है कि दुकान खुलने से रोड पर भी जाम की समस्या है। इस मामले को लेकर कई बार प्राधिकरण से भी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बढ़ते अतिक्रमण से लोगों को दिक्कत होगी।

दादरी में बसें रोकने की मांग

ग्रेटर नोएडा,। दादरी आर्य प्रतिनिधि सभा ने सिकंदराबाद रोडवेज बस डिपो के एआरएम के समक्ष एक मांग रखी है। इसमें महाकुम्भ जाने वाली बसों को दादरी से निकालने की बात की है। प्रतिनिधि सभा के जिला उपाध्यक्ष आनंद आर्य ने बताया कि प्रयागराज के लिए कौशांबी गाजियाबाद से बस सेवा संचालित कराई गई है, लेकिन चालक और परिचालक बसों को दादरी बाईपास से लेकर जा रहे। इससे क्षेत्र की जनता को इसका भरपूर लाभ नहीं मिल रहा है। जनहित में इस विशेष बस सेवा को दादरी बस स्टैंड से होकर गुजारा जाए, दादरी और इसके आसपास क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल सके।

यूपी में 45 लाख लोगों को उट योगी ने बांटी घरौनी, कहा- पहले दबंग जमीन कब्जाते थे. अब प्रॉपर्टी विवादों में आएगी कमी

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामित्व योजना में तैयार की जा रही घरौनी को गांव और ग्रामीणों समृद्धि का आधार बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश भर में 223 लाख अधिक घरौनियां बनाई गई हैं। इनमें से अकेले उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 50 हजार से अधिक घरौनियां बनी हैं। इससे गांवों में संपत्ति के विवादों में कमी आई है। पहले दबंग कमजोर व्यक्ति की जमीन पर कब्जा कर लेता था, लेकिन पहली बार तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन सर्वे के माध्यम से गांवों में घरौनी रूपी कानूनी दस्तावेज के माध्यम से घर का मालिकाना हक दिया जा रहा है, जिसे अब कोई भी नहीं छीन सकेगा।45 लाख से ज्यादा घरौनियां बांटी गईं घरौनी अब गांव और ग्रामीणों की समृद्धि का आधार बनेगी। शनिवार को 29 हजार से अधिक गांवों के 45 लाख से अधिक घरों की घरौनियों का वितरण किया गया। सीएम योगी ने शेष गांवों में घरौनियों के निर्माण के लिए ड्रोन दीदी का सहयोग लेने के भी निर्देश दिए। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली बटन दबाकर घरौनी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश के लाभार्थी से संवाद किया। लाभार्थियों ने बताया कि उनको कानूनी दस्तावेज के रूप में घरौनी मिलने से बहुत लाभ हो रहा है। इसके बाद अपने आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 लाभार्थियों को घरौनी प्रदान की। शेष घरौनियां जल्द ही वितरण की जाएंगी मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गरीब की तीन से चार फुट जमीन दबंग इधर-उधर करके कब्जा कर लेते थे। पीएम नरेन्द्र मोदी ने ड्रोन सर्वे के जरिये गरीबों को उनका वास्तविक हक दिलाया है। 37 हजार से अधिक गांव की 55 लाख 14 हजार से अधिक घरौनियों को पहले ही वितरण किया जा चुका है। आज 45,35,680 घरौनियों का वितरण किया गया। शेष को जल्द ही घरौनी वितरित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब ग्रामीण क्षेत्र में आबादी की जमीन पर बसे हुए लोगों को उनकी जमीन का कानूनी हक दिया जा रहा है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 57,000 से अधिक ग्राम पंचायत हैं। इन ग्राम पंचायत में एक-एक ग्राम सचिवालय के निर्माण का कार्य हो रहा है, जिससे हर गांव में रोजगार का सृजन हो रहा है। आज युवा स्वरोजगार कर सकते हैं- योगी आज नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में हर ग्राम पंचायत अपने यहां पांच से सात लोगों को रोजगार दे रहा है। अब घरौनी के रूप में कानूनी दस्तावेज होने से ग्रामीण बैंक से लोन ले सकते हैं और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। घरौनी से राजस्व वादों के निस्तारण में भी तेजी आएगी।कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, विधायक नीरज बोरा, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार, प्रमुख सचिव राजस्व पी गुरु प्रसाद आदि उपस्थित थे। जल्द सर्वे के लिए सर्वे ऑफ इंडिया की मदद ले राजस्व विभाग सीएम योगी ने राजस्व विभाग को निर्देश दिये कि शेष गांव में तय समय में पैमाइश कराकर लोगों को घरौनी दी जाए। इसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए राजस्व विभाग को सर्वे आफ इंडिया से वार्ता करने के निर्देश दिये।

मालवाहक वाहनों की दिल्ली में रहेगी नो एंट्री, गणतंत्र दिवस के अवसर पर ट्रैफिक विभाग ने जारी किया प्लान

नोएडा। गणतंत्र दिवस के रिहर्सल और मुख्य कार्यक्रम को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक विभाग ने अपना ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। इस ट्रैफिक प्लान के मुताबिक 22 जनवरी की रात 10 बजे से 23 जनवरी के रिहर्सल खत्म होने तक और 25 जनवरी की रात 10 बजे से गणतंत्र दिवस कार्यक्रम खत्म होने तक दिल्ली की सीमा में मालवाहक वाहनों का पूरी तरह से प्रवेश वर्जित रहेगा। जरूरी सामान ढोने वाले वाहनों को छोड़कर यह सभी प्रकार के मालवाहक वाहनों पर लागू होगा। यातायात एडवाइजरी के मुताबिक दिल्ली में गणतंत्र दिवस फुल ड्रेस परेड रिहर्सल तथा गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर यह प्लान जारी किया गया है। जनपद गौतमबुद्धनगर से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले मालवाहक (भारी, मध्यम व हल्के) वाहनों का सुरक्षा के दृष्टिकोण से दिल्ली राज्य में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह वाहन डायवर्जन किए गए मार्गों का प्रयोग कर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। जिनमें चिल्ला रेड लाइट (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन चिल्ला रेड लाइट से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डीएनडी (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन डीएनडी टोल प्लाजा से यू-टर्न लेकर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। कालिंदी कुंज यमुना (बॉर्डर) से दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन यमुना नदी से पहले अंडरपास तिराहा से डायवर्ट किए जाएंगे, जो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन फलैदा कट, रबुपुरा से सर्विस रोड होकर, गलगोटिया, गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी से होते हुए पुस्ता तिराहे से होंडा सीएल चौक से कस्बा कासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस-वे से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली राज्य में प्रवेश कर अन्यत्र जाने वाले वाहन जीरो प्वाइंट से परी चौक की ओर डायवर्ट किए जाएंगे, जो ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे।

अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह के दो शातिर बदमाश गिरफ्तार, पुलिस टीम को मिलेगा 25 हजार का इनाम

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा,। नोएडा में अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह के दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य वाहनों की चोरी के अलावा अन्य कीमती सामान चोरी करने में माहिर है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की कार, मोबाईल फोन, नकदी, वोटर आईडी कार्ड, अवैध तमंचा मय 2 जिन्दा कारतूस तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के सूरजपुर स्थित पुलिस मुख्यालय पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना सेक्टर-142 व सीडीटी टीम सेन्ट्रल पुलिस सेक्टर-140 कट के पास सर्विस रोड पर संयुक्त रूप से चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध हितेश कुमार पुत्र रोहताश तथा दीपांशु कश्यप पुत्र विपिन कुमार को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से बिसरख क्षेत्र से चोरी की एक कार बरामद हुई। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के द्वारा बीते दिनों थाना सेक्टर-142 थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर बने शौचालय के पास से कार से शख्स के उतरने के पश्चात उनका सामान चोरी कर भाग गये थे। उन्होंने बताया कि पूछताद के दौरान पता चला है कि अभियुक्त हितेश व दीपांशु अपने सहअभियुक्तों आदित्य पुत्र अमरजीत, राहुल कश्यप पुत्र विजेन्द्र कश्यप, किशन कुमार पुत्र सत्यभान तथा अतुल कुमार पुत्र कुँवरसैन के साथ मिलकर एनसीआर में रेकी कर कारों के लॉक तोडकर चोरी करके व खुद सवारी बनकर लोगो को गुमराह कर दिल्ली एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में बस स्टाप, टैम्पो स्टैण्ड आदि स्थानों से सवारियों को कैब में बैठा लेते थे व रास्ते में चाय पीने या लघुशंका आदि के बहाने से गाडी को रोककर सवारी के नीचे उतरते ही उनके डिग्गी में रखे सामान तथा बैग आदि को चोरी कर फरार हो जाते थे। जिसे बाद में चोरी किये गये समान को बेच दिया करते थे तथा प्राप्त आर्थिक लाभ को आपस में बांट लेते थे। उन्होंने बताया कि शातिर गैंग में कुछ सदस्य पूर्व में टैक्सी चलाने का कार्य करते थे, सवारियों के साथ उनके सामान व नगदी आदि को देखकर लालचवश अपने सहखर्चे को पूरा करने के इरादे से इनके दिमाग में चोरी करने की योजना तैयार की गयी व घटनाये कारित की गयी है। उन्होंने बताया कि इनके सह अभियुक्तों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीसीपी ने बताया कि चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी है।

फरीदाबाद : पशुधन गणना को लेकर भारत सरकार के अधिकारियों ने किया क्षेत्रों का निरीक्षण

नोडल अधिकारियों और सुपरवाइजरों से की बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। 21वीं पशुधन गणना 2024 का कार्य पूरे भारत में प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में शनिवार को पशुधन गणना की प्रगति, निरीक्षण और फील्ड में आ रही चुनौतियों के समाधान हेतु सेक्टर-12 लघु सचिवालय के सभागार कक्ष में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार और हरियाणा सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से केंद्रीय नोडल अधिकारी सलाहकार (सांख्यिकी) जगत हजारिका, पशुधन गणना 2024, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली संयुक्त आयुक्त (डीडी) चिन्मयजीत सेन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग उप निदेशक डॉ. सी आर मीना, संयुक्त निदेशक एवं राज्य नोडल अधिकारी निदेशालय हरियाणा डॉ. प्रेम सिंह, उप निदेशक फरीदाबाद डॉ. वीरेंद्र सहरावत शामिल थे। केंद्रीय नोडल अधिकारी जगत हजारिका ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय निरीक्षण, प्रगणकों द्वारा की जा रही गणना की समीक्षा और फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों का समाधान करना था। बैठक से पहले अधिकारियों ने फरीदाबाद के सेक्टर-88 के वार्ड नंबर 34 और गांव कमारा खुर्द का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों द्वारा एकत्र किए जा रहे विवरणों का निरीक्षण किया और पशुधन गणना के फील्ड कार्य का आंकलन किया। फील्ड स्तर पर सामने आ रहीं समस्याओं, जैसे डिजिटल टूल्स का उपयोग, सटीक डेटा संग्रहण, और प्रगणकों की दक्षता में सुधार पर चर्चा की गई। हरियाणा राज्य नोडल अधिकारी डॉ प्रेम सिंह ने इन चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य में पशु गणना के लिए कुल 1806 प्रगणकों को नामित किया गया है जिनका कार्य राज्य के 9003 गांव/वार्डों में प्रत्येक हाउसहोल्ड में घर द्वार जाकर पशु गणना संबंधित डाटा मोबाइल एप द्वारा इक्ठा करना है तथा इस कार्य का पर्यवेक्षण करने के लिए 386 पर्यवेक्षक व 22 जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 7,50,824 हाउस होल्ड का आकड़ा संग्रहण कर लिया गया है। पशुपालन एवं डैरीइंग विभाग, फरीदाबाद उपनिदेशक डॉ विरेन्द्र सहरावत ने भारत सरकार व राज्य मुख्यालय से आए अधिकारियों का स्वागत किया व जिला फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम और नूंह जिलों का अब तक किया गया पशु गणना कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में उपमंडल अधिकारी डॉ सचिन धनकड़, जिला नोडल अधिकारी डॉ विनोद दहिया, डॉ अमनगीत (फरीदाबाद), डॉ महेंद्र सिंह (पलवल), डॉ रविन्द्र कुमार (गुरुग्राम), डॉ सतीश कुमार (नूंह) तथा जिला फरीदाबाद के पर्यवेक्षक और प्रगणकों ने भाग लिया।

फरीदाबाद में भाई की हत्या करने वाला गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। फरीदाबाद में पुलिस ने हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने जमीनी विवाद में अपने ही भाई की गोली मार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो दिन के भीतर आरोपी को पकड में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपी का नाम विकास है, जिसकी उम्र 41 साल है। पुलिस के अनुसार, घटना 16 जनवरी को हुई, जब फतेहपुर चन्दीला गांव के निवासी नरेंद्र (बलराम के पुत्र) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के भाई प्रदीप की शिकायत पर थाना ओल्ड फरीदाबाद में हत्या का मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने आरोपी विकास को मेवला महाराजपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों भाइयों के बीच पारिवारिक जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस मुद्दे पर पहले भी कई बार कहासुनी हो चुकी थी। आरोपी विकास ने जमीनी रंजिश में अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से भाई नरेंद्र पर गोली चलाई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस आगे की जांच और अन्य कार्रवाई के लिए आरोपी को रिमांड पर लेगी।

महिलाओं पर अत्याचार रोकने को मानसिकता बदलना जरूरी : रेणु भाटिया

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन ने किया बीके सिविल अस्पताल का निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने शनिवार को बीके सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला के सिविल अस्पताल के मरीजों से उनका हालचाल जाना और अस्पताल में इलाज के दौरान किसी प्रकार की कोई समस्या तो नहीं आ रही इसके बारे में जानकारी ली। सर्वप्रथम हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने रेप पीड़ित लडकी से मुलाकात कर उसका हाल चाल जाना और उसके परिवार को आश्वासन दिया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने बताया कि पीड़ित लडकी के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हीं है जिसके लिए उन्होंने प्रशासन से सहयोग की अपील की है ताकि पीड़ित के पिता को चाय का ठेला और चाय बनाने का सामान दिया जाए और उनको एक महीने का राशन भी दिया जाए। श्रीमती भाटिया ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के लिए आयोग पूरी तरह से सजग है और किसी भी रूप से महिला अत्याचार को सहन नहीं किया जा रहा है। हर बेटी की परेशानी को समझते हुए उसका समाधान सुनिश्चित करने में आयोग अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार समाप्त तभी होंगे जब लोग अपनी मानसिकता बदलेंगे। समाज में बदलाव के लिए मानसिकता का बदलना बेहद जरूरी है। उन्होंने पीएमओ डॉ विकास यादव से कहा कि लोग यहां बीमार होकर आते हैं। उनको ठीक करके भेजना हमारा उद्देश्य है। अस्पताल प्रशासन सफाई का विशेष ध्यान रखे। साथ ही मरीजों को ज्यादा इंतजार करना पड़ता है, उस समय को भी कम से कम किया जाए ताकि मरीजों को कोई परेशानी न हो। इस अवसर पर उन्होंने जच्चा-बच्चा वार्ड में मरीजों को दिए जाने वाले खाने को भी चेक किया और बच्चा होने पर महिलाओं को खाने में ब्रेड के स्थान पर दूसरी पौष्टिक चीज देने के बारे में निर्देश दिए। उन्होंने पीएमओ व अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों से अस्पताल परिसर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने के विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने जच्चा-बच्चा वार्ड में महिलाओं को कंबल भी वितरित किए।

हाइड्रा क्रेन की टक्कर से ऑपरेटर की मौत

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में सड़क पर पैदल चल रहे एक युवक को हाइड्रा क्रेन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई ने हाइड्रा क्रेन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। सूरजपुर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूल रूप से हाथरस का रहने वाला 30 वर्षीय गोपाल औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में ऑपरेटर की नौकरी करता था। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को गोपाल फैक्ट्री से निकलकर किसी काम से दूसरी जगह जा रहा था। केलकम कंपनी के मोड़ के समीप एक हाइड्रा क्रेन के चालक ने लापरवाही से गोपाल को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल गोपाल को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में मृतक के भाई नारायण सिंह ने हाइड्रा क्रेन के चालक बॉबी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि हाइड्रा को कब्जे में ले लिया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

महिला को जान से मारने की धमकी दी

नोएडा,। शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर युवक ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर सेक्टर-39 पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। सेक्टर-100 स्थित सेंचुरी अपार्टमेंट निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि बीते कुछ दिनों से एक व्यक्ति उसे परेशान कर रहा। आरोपी सोशल मीडिया महिला का नाम लेकर अश्लील फोटो डाल रहा। अभद्र और अश्लील बातें भी लिख रहा। आरोप है कि गलत संबंध नहीं बनाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी भी दे रहा। साथ ही महिला की अश्लील तस्वीरों को आरोपी सोशल मीडिया पर वायरल करने का प्रयास कर रहा। महिला ने आरोपी का नाम अभी प्रताप बताया है और पुलिस को उसका मोबाइल नंबर भी उपलब्ध करा दिया है। कई बार मना करने के बावजूद भी जब आरोपी नहीं माना तो महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की। थाना प्रभारी का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसकी गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित है।

मारपीट कर युवक को छत से नीचे फेंकने का आरोप

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेनो वेस्ट के बिसरख गांव में दो लोगों पर एक युवक के साथ मारपीट कर छत से नीचे फेंकने का आरोप लगा है। घायल का दिल्ली के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। इस मामले में घायल के भाई ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बिसरख गांव के रहने वाले सागर ने पुलिस से शिकायत की है। सागर ने पुलिस को बताया कि गांव के रहने वाले राजेश और पंकज ने उसके भाई संदीप के साथ मारपीट की। आरोप है कि नशे में धुत आरोपियों ने उसके भाई को छत से नीचे गिरा दिया। इस दौरान संदीप को गंभीर चोट लगी है। पहले उसे ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इसके बाद हालत गंभीर होने पर दिल्ली रेफर कर दिया। दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में संदीप का इलाज चल रहा है। संदीप की हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में सागर ने आरोपी राजेश व पंकज के खिलाफ बिसरख कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद : नाबालिग से गैंगरेप में पड़ोसी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। फरीदाबाद जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ हैवानियत की सीमाएं पार करने का मामला सामने आया है। दो ऑटो चालकों ने भाई की तलाश के बहाने बच्ची को ग्रीनफील्ड इलाके में ले जाकर गैंगरेप किया। इसके अलावा बच्ची के 55 वर्षीय पड़ोसी ने भी कई बार उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के जिला बाल संरक्षण इकाई के प्रदीप कुमार के अनुसार 14 जनवरी की शाम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली। टीम ने सराय इलाके के बायपास रोड पर बच्ची से संपर्क किया, जहां उसकी हालत बेहद नाजुक थी और हाथ में कैनूला लगा हुआ था। पीड़िता ने बताया कि वह अपने भाई की तलाश में थी, तभी एक ऑटो चालक उसे भाई का पता बताने के बहाने ग्रीनफील्ड ले गया। वहां उसने और उसके एक साथी ने गैंगरेप किया। सूरजकुंड थाना पुलिस ने 40 वर्षीय जसवंत और 42 वर्षीय मोहम्मद सुल्तान को गिरफ्तार कर लिया। बच्ची ने बताया कि उसके 55 वर्षीय पड़ोसी सिकंदर ने भी कई बार उसका यौन शोषण किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। बाद में एक महिला की मदद से गर्भपात करवाया गया। फिलहाल पीड़िता को इलाज के बाद बाल देख-रेख गृह में रखा गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

फरीदाबाद: लूटपाट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

फरीदाबाद,। फरीदाबाद पुलिस ने लूट का प्रयास करने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राज कुमार (22), विष्णु (19) और शाहरुख (21) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद के निर्देश पर अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने यह कार्रवाई की। घटना 16 जनवरी की रात की है, जब पीड़ित देवेंद्र अपनी कार से रेलवे ब्रिज नचौली के पास से गुजर रहा था। आरोपियों ने उनकी कार पर पत्थर फेंक कर रोकने का प्रयास किया और लूटने की कोशिश की। पीड़ित की शिकायत पर थाना भूपानी में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन 17 जनवरी को तीनों आरोपियों को सेक्टर-29 खेड़ीपुल एरिया से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बेरोजगार हैं और नशे के आदी हैं। शराब खरीदने के लिए पैसों की जरूरत थी, इसलिए लूट की योजना बनाई, लेकिन सफल नहीं हो पाए। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

भारत का पहला राष्ट्रीय माइक्रो ड्रामा फेस्टिवल, थेस्पिस अपने चौथे संस्करण के साथ वापसी के लिये तैयार

प्रात: किरण,/ एजेंसी

नई दिल्ली,। भारत का पहला माइक्रो ड्रामा फेस्टिवल, थेस्पिस अपने चौथे संस्करण के साथ थिएटर प्रेमियों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वृक्ष द थिएटर की ओर से आयोजित, इस फेस्टिवल ने खुद को माइक्रो ड्रामा में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है, जिसमें अधिकतम दस मिनट की अवधि वाले छोटे नाटक दिखाए जाते हैं। अपने चौथे संस्करण में, यह फेस्टिवल एक दिन में विभिन्न भारतीय भाषाओं के 30 नाटकों को एक साथ लाएगा, जो आकर्षक कहानियों की मैराथन देखने के लिए भाषाई विविधता का जश्न मनाने की अपनी परंपरा को जारी रखेगा, जहां प्रत्येक नाटक 10 मिनट के संक्षिप्त प्रदर्शन में भावना, नाटक और रचनात्मकता को समेटे हुए है। इस कार्यक्रम में कई श्रेणियों में 600 से अधिक कलाकारों के शामिल होने की उम्मीद है। थेस्पिस के फेस्टिवल डायरेक्टर डॉ. अभिलाष पिल्लई ने कहा, मुझे 2017 से 2019 तक आयोजित तीनों संस्करणों के लिए फेस्टिवल डायरेक्टर होने का बहुत बड़ा सौभाग्य मिला है। प्रत्येक संस्करण एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसने न केवल भारतीय रंगमंच को एक नया स्वरूप दिया, बल्कि अपने अनूठे दृष्टिकोण के लिए प्रशंसा भी प्राप्त की। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि इस महोत्सव ने कला में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए पहले ही दो ह्लबेस्ट ऑफ इंडियाह्व रिकॉर्ड हासिल कर लिए हैं। आपकी भागीदारी इस प्रेरक यात्रा का अगला अध्याय हो सकती है। डॉ. अभिलाष पिल्लई ने कहा,इस महोत्सव में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, हर साल देश भर से 250 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त होती हैं। 2025 में, 30 चयनित नाटक प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। पिछले वर्षों की तरह, सर्वश्रेष्ठ निर्माण, सर्वश्रेष्ठ पटकथा, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ तकनीशियन सहित दस श्रेणियों में नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। शीर्ष सम्मान, सर्वश्रेष्ठ नाटक, 50,000 रुपये के नकद पुरस्कार के साथ आएगा। थेस्पिस थिएटर समूहों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है, जो प्रतिभा को बढ़ावा देने और उसका जश्न मनाने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करता है। थेस्पिस के फेस्टिवल डायरेक्टर ने कहा,यह उत्सव भारतीय थिएटर प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव का वादा करता है, जिसमें प्रत्येक माइक्रो-ड्रामा दस मिनट की सीमा के भीतर एक विशिष्ट कथा प्रस्तुत करता है। प्रत्येक वर्ष के साथ, थेस्पिस प्रमुखता प्राप्त करना जारी रखता है, देश भर में ध्यान आकर्षित करता है और लघु-प्रारूप थिएटर के पुनरुद्धार को प्रेरित करता है। यह उत्सव 02 फरवरी को प्रतिष्ठित एलटीजी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

सात फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित होगी दिलजीत दोसांझ की पंजाब 95

प्रात: किरण,/ एजेंसी

नई दिल्ली,। पंजाबी अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ ने घोषणा की है कि मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म पंजाब 95 बिना किसी काट-छांट के सात फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित होगी । हनी त्रेहन द्वारा निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला के बैनर आरएसवीपी मूवीज द्वारा निर्मित ह्यह्यपंजाब 95ह्लह्ल फिलहाल भारत में रिलीज नहीं होगी। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीएफबीसी) के साथ गतिरोध के बाद फिल्म में देरी हुई। इसमें अर्जुन रामपाल और कोहरा में अपने अभिनय से सुर्खियों में आए सुविंदर विक्की भी हैं। शुक्रवार शाम को दिलजीत ने शेसल मीडिया पर फिल्म का एक ट्रेलर साझा किया, जिसमें वह खालड़ा का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म पंजाब में आतंकवाद के दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघन और सिखों के लापता होने की घटनाओं को लेकर जसवंत की पड़ताल पर आधारित है। उन्होंने लिखा,पंजाब 95 सात फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अर्जुन-भूमि की फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी के सेट पर हुआ बड़ा हादसा

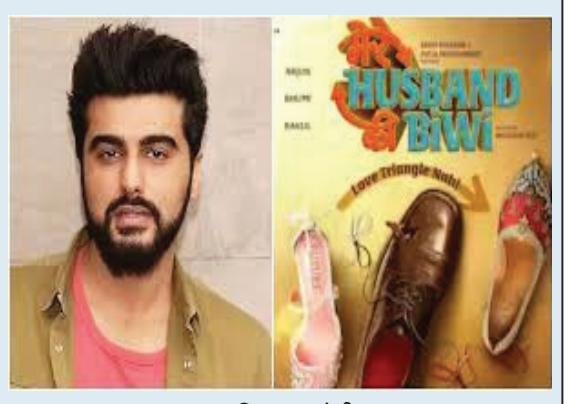

प्रात: किरण,/ एजेंसी

मुंबई,। बॉलीवुड मनोरंजन जगत से बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी के सेट पर शूटिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया। फिल्म सेट पर अचानक छत गिरने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस बार सेट पर अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर, जैकी भगनानी और फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज मौजूद थे। सौभाग्य से, इस दुर्घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। अर्जुन कपूर- भूमि पेडनेकर के सेट पर हादसा-फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी की शूटिंग मुंबई के रॉयल पाम्स इंपीरियल पैलेस में शुरू की गई थी। तभी अचानक फिल्म सेट पर छत गिर गई। ये हादसा तब हुआ जब शूटिंग के दौरान तेज आवाज के कारण छत गिर गई। अर्जुन, भूमि, जैकी और निर्देशक मुदस्सर को मामूली चोटें आईं। कहा जा रहा है कि यह हादसा इसलिए हुआ क्योंकि यहां कई दिनों से भारी शूटिंग चल रही थी। फिल्म ह्यमेरे हस्बैंड की बीवीह्ल के गाने की शूटिंग शुरू हो गई है। पहले दिन शूटिंग अच्छी रही। अगले दिन शाम 6 बजे एक सीन की शूटिंग के दौरान अचानक छत गिर गई। जैसे ही सेट पर छत के टुकड़े गिरे, समय रहते सभी को बचा लिया गया। यदि पूरी छत गिर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। यह फिल्म 21 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है।

अमन जायसवाल के निधन पर दीपिका चिखलिया समेत कई सितारों ने जताया शोक

प्रात: किरण,/ एजेंसी

मुंबई,। अभिनेता अमन जायसवाल के असामयिक निधन की खबर से फिल्म जगत आहत है। सुधा चंद्रन, दीपिका चिखलिया समेत कई कलाकारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर युवा अभिनेता के निधन पर शोक जताया। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेत्री दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पर अमन की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा,अमन जायसवाल... मेरे धारावाहिक धरतीपुत्र नंदिनी के नायक का एक्सीडेंट हो गया और अब वह नहीं रहे। यह खबर चौंकाने वाली और सोच से परे है। भगवान उनके परिवार को ये दुख सहने की शक्ति दें। अमन आपको हमेशा प्यार से याद किया जाएगा, आपकी आत्मा को शांति मिले। दिग्गज अभिनेत्री सुधा चंद्रन ने लिखा,बहुत ही हैरान करने वाली खबर। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को मुंबई के जोगेश्वरी पश्चिम इलाके में एक ट्रक ने 23 वर्षीय अभिनेता की बाइक को टक्कर मार दी थी, उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन आधे घंटे बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया। दुर्भाग्यपूर्ण घटना दोपहर में हिल पार्क रोड पर हुई। मुंबई डीसीपी जोन 9 दीक्षित गेदम द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, घटना दोपहर 3 बजकर 15 मिनट पर हिल पार्क रोड पर हुई। आरोपी, ट्रक के चालक ने मोटरसाइकिल सवार (अमन जायसवाल) को टक्कर मार दी। पीड़ित को ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मुंबई पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अमन जायसवाल उत्तर प्रदेश के बलिया के रहने वाले थे। उन्होंने सोनी टीवी के शो पुण्यश्लोक अहिल्याबाई में यशवंत राव फांसे की भूमिका निभाई थी, जो रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित थी। अभिनेता ने एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अमन ने रवि दुबे और सरगुन मेहता स्टारर शो उड़ारियां में भी काम किया था। वह कई टीवी शो में सहायक एक्टर की भूमिका में नजर आए थे। अमन को असली पहचान साल 2023 में प्रसारित टीवी शो धरतीपुत्र नंदिनी से मिली थी।

टीवी अभिनेता अमन जयसवाल की मुंबई में सड़क हादसे में मौत

मुंबई,। टीवी अभिनेता अमन जयसवाल (23) की शुक्रवार को मुंबई उपनगर अंधेरी जोगेश्वरी रोड पर एक दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। यह दुर्घटना दोपहर लगभग दो बजे हुई जब अभिनेता ऑडिशन के लिए जा रहे थे। जायसवाल टीवी धारावाहिक धरतीपुत्र नंदिनी में आकाश भारद्वाज की मुख्य भूमिका के लिए जाने जाते थे और उनका स्थानीय अस्पताल में भर्ती होने से पहले ही निधन हो गया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है। जैसे ही उनके निधन की खबरें फैली, उनकी आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट भी वेब पर फिर से सामने वायरल होने लगा। अमन का इंस्टाग्राम हैंडल था। उन्होंने अपना आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट 31 दिसंबर 2024 को किया था। उनके पोस्ट के कैप्शन में लिखा था कि नए सपनों और अनंत संभावनाओं के साथ 2025 में कदम रख रहा हूं। उनके सोशल मीडिया बायो में लिखा था, पात्रों के माध्यम से जीना।

अक्षय कुमार की फिल्म स्काईफोर्स का गाना रंग रिलीज

मुंबई,। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म स्काईफोर्स का गाना रंग रिलीज हो गया है। फिल्म स्काईफोर्स में अक्षय कुमार के साथ निमरत कौर, सारा अली खान और वीर पहाड़िया की अहम भूमिका है। यह फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के जवाबी हमले पर आधारित है। वीर पहाड़िया इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का गाना रंग रिलीज हो गया है। यह गाना एक देसी पार्टी ट्रैक है, जिसे सतिंदर सरताज और जाहरा एस खान ने गाया है। इसका संगीत तनिष्क बागची ने तैयार किया है। इस गाने में अक्षय कुमार के साथ देव पहारिया, निमरत कौर और सारा अली खान हैं। फिल्म स्काईफोर्स का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है,जबकि इसका निर्माण मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन और अमर कौशिक और जियो स्टूडियोज के तहत ज्योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म 24 जनवरी को रिलीज होगी।

रजत दलाल को सपोर्ट करने बिग बॉस के घर पहुंचे एल्विस यादव

प्रात: किरण,/ एजेंसी

मुंबई,। 06 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ बिग बॉस के 18वें सीजन का सफर अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। 19 जनवरी को बिग बॉस के 18वें सीजन का ग्रैंड फिनाले होगा। तो सोशल मीडिया पर कई सर्वेक्षणों के माध्यम से कौन जीतेगा? इसको लेकर तर्क-वितर्क किये जा रहे हैं। कोई कह रहा है कि विवियन डिसेना जीतेंगे तो कोई कह रहा है कि करणवीर मेहरा जीतेंगे। तो कौन सा सदस्य बनेगा बिग बॉस के 18वें सीजन का ग्रैंड विनर? इस पर सभी का ध्यान है। बिग बॉस के 18वें सीजन के ग्रैंड फिनाले से पहले एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई लेकिन इस बार एक ट्विस्ट है। यानी पत्रकारों के ज्वलंत सवालों का जवाब देने के लिए सदस्यों के समर्थक मौजूद रहे हैं। रजत दलाल को सपोर्ट करने के लिए ह्यबिग बॉस ओटीटीह्ल के दूसरे सीजन के विजेता एल्विस यादव मौजूद थे। इसका प्रोमो अब वायरल हो गया है। इस प्रोमो में एक पत्रकार ने एल्विश यादव से पूछा है कि क्या आप रजत का समर्थन कर रहे हैं? वह कहते रहते हैं, मैं तुम्हें फाड़ डालूँगा, मैं तुम्हें मार डालूँगा। उन्होंने मीडिया के सामने कहा कि मुझे मीडिया पर भरोसा नहीं है। अगर आप रजत का समर्थन कर रहे हैं। आप उन्हें जिताते हो तो क्या ये आपके लिए सही होगा? एल्विस ने कहा, यह एक रियलिटी शो है। यहां कोई कल्पना नहीं है, जहां यह दिखावा किया जाता है कि मैं बहुत अच्छा हूँ वगैरह-वगैरह। आपकी राय से मेरी दोस्ती नहीं बदलेगी। मेरा दोस्त है मैं यहां उनका समर्थन करने के लिए हूं, डंके की चोट पे। इसी बीच कुछ दिनों पहले मिड वीक एविक्शन हुआ। इसी दौरान शिल्पा शिरोडकर घर से बाहर चली गईं। अब बिग बॉस के घर में छह सदस्य विवियन डीसेना, करणवीर मेहरा, चुम दरंग, अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह और रजत दलाल हैं। इन छह लोगों में से कौन है बिग बॉस के 18वें सीजन की ट्रॉफी का हकदार? यह देखना दिलचस्प है।

जल्द शुरू होगी तमिल एक्शन फिल्म वादी वासल की शूटिंग

प्रात: किरण,/ एजेंसी

चेन्नई,। सुपरस्टार सूर्या की प्रमुख भूमिका वाली तमिल एक्शन फिल्म वादी वासल की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। फिल्म का निर्देशन वेत्रिमारन कर रहे हैं। निमार्ता कलईपुली एस थानु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक और सूर्या के साथ एक तस्वीर साझा की। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा,वादी वासल दुनिया की खुशियों के बीच खुलने जा रहा है। वादी वासल मशहूर तमिल लेखक सीसु चेल्लप्पा के उपन्यास पर आधारित है। यह फिल्म तमिलनाडु के पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू और बैलों को वश में करने की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जल्लीकट्टू पोंगल उत्सव के दौरान आयोजित होने वाला एक खेल है, जिसमें बैलों की पूजा के बाद उन्हें मैदान में छोड़ा जाता है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार द्वारा तैयार किया गया है। उन्होंने पहले ही वादी वासल के दो-तीन गानों को तैयार कर लिया है। उन्होंने एक चैट सेशन के दौरान बताया था कि फिल्म के लिए देहाती और देशी संगीत का उपयोग किया गया है, जो कहानी के परिवेश और विषय को जीवंत बनाएगा। फिल्म को लेकर अफवाहें हैं कि वादी वासल को तीन भागों में बनाया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक निमार्ताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वादी वासल सूर्या और निर्देशक वेत्रिमारन का पहला प्रोजेक्ट है, जिसे लेकर प्रशंसकों में भारी उत्साह है।

सैफ अली खान हमला मामला : अभिनेत्री करीना कपूर ने दर्ज कराया पुलिस को बयान

प्रात: किरण,/ एजेंसी

मुंबई,। अभिनेता सैफ अली खान अटैक मामले की जांच कर रही पुलिस ने अभिनेत्री करीना कपूर का बयान दर्ज किया है। अभिनेत्री ने पुलिस को बताया है कि वो हमले के वक्त घबरा गई थीं। अभिनेत्री ने बताया कि सैफ के बीच में आने की वजह से हमलावर जहांगीर तक नहीं पहुंच पाया था। करीना ने बयान में ये भी कहा है कि हमलावर ने घर से कोई भी चीज नहीं चुराई थी, लेकिन उसका व्यवहार बहुत ही आक्रामक रहा। इस दौरान आरोपी ने कई बार सैफ पर हमला किया, जिससे मैं घबरा गई थी। इस दौरान उन्होंने अपने छोटे बेटे को घरेलू सहायिका के साथ 12वीं मंजिल पर भेज दिया था। पुलिस इस मामले में 40 से 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। पुलिस ने घटना वाले दिन अभिनेता के घर पर काम करने वाली घरेलू सहायिका को हिरासत में ले पूछताछ की थी, जिसने पुलिस को बताया कि हमलावर अचानक से घर में घुसा था और उसे उंगली दिखाते हुए कहा था कि तुम शोर मत मचाओ लेकिन वो चीख पड़ी, जिसके बाद सैफ मौके पर पहुंच गए फिर हमलावर ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। अभिनेता पर चोर ने छह बार चाकू से हमला किया था। इनमें से दो वार काफी गंभीर थे, जिसमें से एक उनकी रीढ़ की हड्डी के पास लगा था। जिसे देखते हुए डॉक्टर को उनकी सर्जरी करनी पड़ी। अब उनकी हालत स्थिर है। लीलावती अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक, अभिनेता की हालत में सुधार है। उन्हें जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि 21 जनवरी को उन्हें डिस्चार्ज किया जा सकता है। पुलिस जांच में जुटी है। इस मामले में अब तक कई सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं। एक वीडियो में हमलावर जहां बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास घूमता हुआ नजर आ रहा है, तो दूसरी वीडियो में वो एक मोबाइल की दुकान में हेडफोन खरीदता भी दिखा है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर ने जिस तरह से अभिनेता पर हमला किया है, उससे साफ जाहिर है कि वो उनके घर के लेआउट से पूरी तरह वाकिफ था।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत

मुंबई,। एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत की बहुचर्चित फिल्म इमरजेंसी आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म शुक्रवार 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में कंगना के अभिनय की हर जगह सराहना हो रही है। हालांकि, इमरजेंसी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। फिल्म की शुरूआत धीमी है। हालांकि फिल्म इमरजेंसी को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला, लेकिन कोरोना के बाद यह कंगना रनौत की सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। उनकी पिछली फिल्म तेजस ने पहले दिन 1.25 करोड़ का बिजनेस किया था। लेकिन इमरजेंसी ने इस फिल्म से ज्यादा कमाई की है। सैनिलक की रिपोर्ट के मुताबिक,इमरजेंसी ने ओपनिंग डे पर देश में 2.35 करोड़ रुपये का कलेक्शिन किया है। कंगना को बीते 5 साल में यह सबसे बड़ी ओपनिंग मिली है। कंगना की पिछली फिल्म तेजस ने 2023 में ओपनिंग डे पर 1.25 करोड़ रुपये कमाए थे। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही विवाद जारी है। अब इस फिल्म को बांग्लादेश में बैन कर दिया गया है। इस फिल्म को पंजाब में भी बैन करने की मांग हो रही है।

मेरे लिए साड़ी या सलवार-कुर्ता में से कौन सा लुक बेहतर होगा : मुमताज

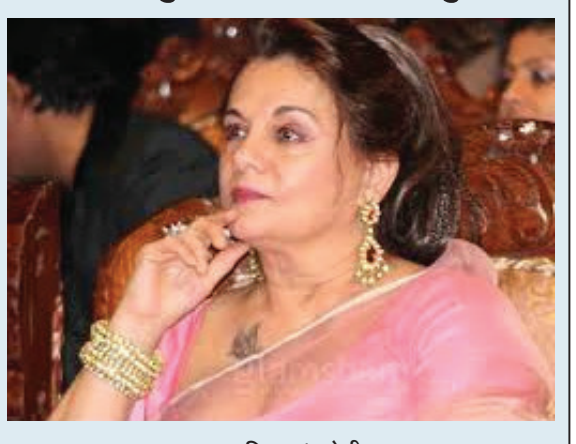

प्रात: किरण,/ एजेंसी

मुंबई,। 77 वर्षीय दिग्गज अभिनेत्री मुमताज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सफेद सलवार-कुर्ता में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री मुमताज ने प्रशंसकों की मांग पर भारतीय पारंपरिक पोशाक में अपनी झलक साझा की। वीडियो में मुमताज ने कहा, आप सभी ने कहा था कि मुझे भारतीय कपड़ों में देखना चाहते हैं, इसलिए मैंने खास आपके लिए यह सलवार-कुर्ता पहना है। मुझे उम्मीद है कि आपको यह पसंद आएगा। लव यू। वीडियो के साथ मुमताज ने कैप्शन में लिखा, हेलो, मेरे दोस्तों, आप चाहते थे कि मैं भारतीय पोशाक पहनूं, इसलिए मैंने चूड़ीदार सलवार-कुर्ता पहना है। अगली बार मैं साड़ी पहनूंगी। प्लीज बताएं कि मुझे साड़ी या सलवार-कुर्ता में कौन सा लुक बेहतर लगता है। मुमताज की इस पोस्ट पर उनके प्रशंसकों और कई मशहूर हस्तियों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता सोमी अली ने मुमताज की खूबसूरती की तारीफ करते हुए एक पुराना किस्सा साझा किया। उन्होंने लिखा, आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं। आपके गाने और राजेश खन्ना (काकाजी) के साथ आपकी जोड़ी मुझे बहुत पसंद है। मैं सात साल की थी, जब मुंबई में छुट्टियों के दौरान काकाजी से मिली थी। मैंने उनसे कहा था कि बड़ी होकर मैं उनसे शादी करूंगी। इस पर उन्होंने मेरे गाल पर किस किया और मुझे चॉकलेट दी थी। मुमताज, जिन्होंने 11 साल की उम्र में 1958 में फिल्म ह्यसोने की चिड़िया से बाल कलाकार के रूप में अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी, ने हिंदी सिनेमा को कई यादगार फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ह्यराम और श्याम, मेरे हमदम मेरे दोस्त,सच्चा झूठा,खिलौना,हरे रामा हरे कृष्णा, और रोटी शामिल हैं।

निकिता दत्ता ने मुंबई मैराथन के लिये तैयार

मुंबई,। अभिनेत्री निकिता दत्ता बहुप्रतीक्षित मुंबई मैराथन के लिए 19 जनवरी को ट्रैक पर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने अनुशासित फिटनेस के लिये लिए जानी-जानी वाली निकिता ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशंसकों और दर्शकों को अपनी मैराथन तैयारियों के बारे में जानकारी दी है। निकिता ने अपने प्री-मैराथन तैयारी दिनचर्या की झलकियां साझा कीं। निकिता को बर्फीले पानी से भरे टब में नहाते हुए ठंड के बीच मुस्कुराते हुए देखा गया। उन्होंने तस्वीरों को कैप्शन दिया, प्री-मैराथन रिकवरी के लिए बर्फ स्नान। यह पहली बार नहीं है जब निकिता ने अपनी फिटनेस यात्रा पर प्रकाश डाला है। अपनी योग दिनचर्या को साझा करने से लेकर दौड़ने के अपने जुनून के बारे में पोस्ट करने तक, निकिता प्रशंसकों और दर्शकों को एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करती रहती हैं।

एक्ट्रेस अनन्या और मृणाल के वीडियो खूब हो रहे वायरल

मुंबई,। हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे और मृणाल ठाकुर अपनी वर्कआउट वीडियो के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और प्रशंसकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इस वीडियो में अनन्या की छोटी बहन रिसा पांडे भी उनके साथ जिम में वर्कआउट करती नजर आईं, और तीनों की बॉन्डिंग ने फैंस को काफी पसंद किया। उनकी इस फिटनेस वीडियो ने न सिर्फ फिजिकल फिटनेस को प्रमोट किया, बल्कि उनके साथ-साथ फैमिली बॉन्डिंग की एक खूबसूरत झलक भी दिखाई। हाल ही में यह खबर सामने आई थी कि अनन्या पांडे और विक्की कौशल को गली बॉय 2 में मुख्य भूमिका में देखा जा सकता है। हालांकि फिल्म से जुड़े आधिकारिक विवरण का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन इस खबर के बाद फैंस का उत्साह और बढ़ गया है। एक सूत्र ने बताया, अर्जुन वरैन सिंह, जिन्होंने खो गए हम कहां का निर्देशन किया था, गली बॉय के सीक्वल का निर्देशन करेंगे। उन्हें पूरी उम्मीद है कि अनन्या, जो पहले खो गए हम कहां में हीरोइन थीं, इस प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही रहेंगी। विक्की इस फिल्म से काफी समय से जुड़े हुए हैं। अब देखना ये है कि ये तीन कलाकार गली बॉय का जादू फिर से बना पाते हैं या नहीं। अनन्या पांडे की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही अक्षय कुमार और आर. माधवन के साथ करण जौहर की आगामी फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं किया गया है, लेकिन यह फिल्म 14 मार्च 2025 को रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक करण सिंह त्यागी होंगे। फिल्म की कहानी भारतीय वकील सी. संकर्णन नायर द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लड़ा गया ऐतिहासिक मुकदमा पर आधारित है।

पति संग मौनी रॉय ने किए महाकाल के दर्शन, भस्म आरती में हुईं शामिल

उज्जैन,। अभिनेत्री मौनी रॉय शनिवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहुंचीं। पति सूरज नांबियार के साथ वो भस्म आरती में भी शामिल हुईं। अभिनेत्री ने बताया कि महाकाल मंदिर आकर जो अनुभव हुआ है, वो अविस्मरणीय है। मुख्य मंदिर में भस्म आरती के बाद यश पुजारी ने पूजा सम्पन्न कराई। मंदिर में उन्होंने दो घंटे से भी ज्यादा समय बिताया। अभिनेत्री नंदी हाल में शिव साधना में लीन नजर आईं। मौनी राय ने कहा,मुझे काफी समय से मन था कि मैं दर्शन-पूजन करूं। यहां आकर मुझे अद्भुत लगा। मैंने सोचा नहीं था कि ऐसा शानदार अनुभव मिलेगा जिसे मैं कभी भूल नहीं सकती हूं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने मैनेजमेंट टीम और मंदिर के पुजारी का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा,जिस तरह से आपने दर्शन-पूजन कराया वह अद्भुत था। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देती हूं। टीवी और फिल्म जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री शिव भक्त हैं और अक्सर शिव मंदिर जाया करती हैं। पिछले साल नवंबर में अभिनेत्री तमिलनाडु स्थित आदियोगी शिव का दर्शन करने पहुंची थीं। जिसकी झलक उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर दिखाई थी। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कर कैप्शन में लिखा था, ह्लशिवोहम्-शिव स्वरूपहम, कृतज्ञ धन्य।

संक्षिप्त खबरें

सरकार बजट सत्र में पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

नई दिल्ली, । सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है । इसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी करना है । वित्तन मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में इसकी घोषणा की थी । आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा । यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन । फिलहाल, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है, जिसे बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की संभावना है । आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के लिए जुलाई बजट में वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसरण में सीबीडीटी ने समीक्षा और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को ज्याआदा कर निश्चितता मिलेगी । संसद का अगामी बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा । पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा । इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा । केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया जाएगा । संसद का बजट सत्र 10 मार्च को पुनः आरंभ होगा, जो 4 अप्रैल तक चलेगा । उल्लेजखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के केंद्रीय बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी ।

कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,701 करोड़ रुपये पर

मुंबई, । कोटक महिंद्रा बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 10.22 प्रतिशत बढ़कर 4,701 करोड़ रुपये हो गया । पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,265 करोड़ रुपये रहा था और जुलाई-सितंबर, 2024 तिमाही में 5,44 करोड़ रुपये रहा था । निजी क्षेत्र के बैंक का शुद्ध लाभ एकल आधार पर दिसंबर तिमाही में 3,304 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,005 करोड़ रुपये जबकि जुलाई-सितंबर तिमाही में 3,343 करोड़ रुपये रहा था । बैंक की कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 16,050 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,096 करोड़ रुपये रही । कंपनी का खर्च दिसंबर तिमाही में 10,869 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,530 करोड़ रुपये था । कंपनी का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात तीन महीने पहले के 1.49 प्रतिशत से बढ़कर 1.50 प्रतिशत हो गया । कुल प्रावधान दिसंबर तिमाही में बढ़कर 794 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 579 करोड़ रुपये से और चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 660 करोड़ रुपये था ।

भारत में पिछले साल इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 14.08 लाख के पार हुई: कुमारस्वामी

नई दिल्ली, । केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री 2024 में 14.08 लाख इकाई को पार कर गई, जिससे बाजार में प्रवेश दर 5.59 प्रतिशत हो गई । साल 2023 में बाजार में प्रवेश दर 4.44 प्रतिशत रही थी । मंत्री ने जोर देकर कहा कि बढ़ती ईवी स्वीकार्यता इसमें बढ़ते सार्वजनिक विश्वास को रेखांकित करती है, साथ ही सरकारी प्रोत्साहन और उद्योग नवाचार के सकारात्मक प्रभाव को भी दशार्ती है । भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने यहां फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक कार्यक्रम में कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में कुल ईवी बिक्री 14,08,245 तक पहुंच गई, जिसमें 5.59 प्रतिशत की प्रवेश दर थी । कैलेंडर वर्ष 2023 में 4.44 प्रतिशत की प्रवेश दर के साथ कुल 10,22,994 से अधिक ईवी बिक्री हुई थी । उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का मोटर वाहन क्षेत्र वृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है ।

सराफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी, 81 हजार के पार पहुंचा सोना

●चांदी की कीमत में भी 1,100 रुपये का उछाल

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ है । आज के कारोबार में सोना 610 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है । इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है । सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 81 हजार रुपये के स्तर को पार करके 81,430 रुपये से लेकर 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है । इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये से लेकर 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है । चांदी की कीमत में आई तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है । देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है । वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है । इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है । इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है । इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है । लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है । वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 81,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 74,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है । इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 81,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है । देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है । इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 81,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है । इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 74,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है ।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही बिटकॉइन में जोरदार तेजी, एक बार फिर 1 लाख डॉलर के पार पहुंची क्रिप्टो करेंसी

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरंसी बिटकॉइन ने एक बार फिर जोरदार तेजी दिखाते हुए 1 लाख डॉलर के स्तर को पार कर लिया । शुक्रवार देर रात बिटकॉइन 1,05,782.40 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था । हालांकि उसके बाद इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में गिरावट आई । आज भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11.30 बजे बिटकॉइन 1,03,403.60 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था । उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के कारण क्रिप्टोकरंसी मार्केट में लगातार उत्साह का माहौल बना हुआ है । अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को दुनिया का क्रिप्टो कैपिटल बनाने का ऐलान किया था । ट्रंप के वायदे में क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए फेवरेबल रेगुलेशंस लाने की बात भी कही गई थी । इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो मार्केट के लिए रेगुलेटर नियुक्त करने का भी वादा किया था । अपने वायदे में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति के रूप में वे इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिकी सरकार सोने की तरह ही बिटकॉइन का भी स्ट्रैटेजिक रिजर्व बनाए । इसके साथ ही राष्ट्रपति पद संभालने के बाद पहले 100 दिन के अंदर ही क्रिप्टो करेंसी के संबंध में स्पष्ट और सरल नियम बनाने के लिए एक विशेष सलाहकार परिषद बनाने का भी ट्रंप ने ऐलान किया था । चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्रिप्टोकरंसी के प्रति पॉजिटिव रूप दिखाने के कारण ही चुनाव में ट्रंप की जीत का ऐलान होने के साथ ही क्रिप्टोकरंसी मार्केट में तेजी आ गई थी । खासकर, बिटकॉइन ने जबरदस्त तेजी दिखाई थी । ट्रंप के चुनाव जीतने के 1 महीने बाद 5 दिसंबर को बिटकॉइन पहली बार एक लाख डॉलर के स्तर को पार करके 1,03,242.70 डॉलर के स्तर पर पहुंचा था । इसी महीने 17 दिसंबर को बिटकॉइन ने अपने सर्वोच्च स्तर 1,06,490.10 डॉलर के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की थी । हालांकि इसके बाद बिटकॉइन की कीमत में गिरावट आई, जिसकी वजह से ये क्रिप्टोकरंसी 90 हजार डॉलर के स्तर तक गिर गई । लेकिन अब ट्रंप की शपथ लेने का समय पास आते ही एक बार फिर इस क्रिप्टोकरंसी में तेजी आ गई है और ये 1 लाख डॉलर के स्तर को पार करके कारोबार करने लगी है ।

ग्रीव्ज कॉटन ने दोपहिया, तिपहिया वाहन श्रेणी में नए उत्पाद प्रदर्शित किए

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । ग्रीव्ज कॉटन लिमिटेड ने अपने मेड इन इंडिया उत्पादों का ताजा अनावरण किया, जो दोपहिया और तिपहिया श्रेणी में आते हैं । इन उत्पादों में कॉन्सेप्ट वाहन, चार्जिंग समाधान, इंजन, पावरट्रेन सिस्टम और खुदरा उपकरण शामिल हैं । कंपनी ने ये नए उत्पाद भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में प्रदर्शित किए । ग्रीव्ज की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल जाइबर और एक्सप्रेस का कॉन्सेप्ट मॉडल भी लोगों को प्रभावित कर रहा है । उन्होंने तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक तिपहिया जारगो को भी लॉन्च किया, जो ई-कॉमर्स परिवेश के लिए उपयुक्त है । इसके साथ नेक्सस और मैग्नस ब्रांड के तहत नए संस्करण भी पेश किए गए । ग्रीव्ज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के एक व रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम इलेक्ट्रिक यात्रा और कार्गो परिवहन में सर्वोत्तम समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं । हमारे उत्पाद व्यावसायिक तथा परंपरागत इंजन वाहनों के लिए सुविधाजनक विकल्प प्रस्तुत करते हैं । उन्होंने भविष्य में और नए नवाचार मोबिलिटी समाधान प्रस्तुत करने का एलान भी किया ।

रिलायंस जियो ने टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में किया बड़ा एलान

वाइस ओवर न्यू रे डियो नेटवर्क किया शुरू

प्रात: किरण/एजेंसी

मुंबई, । रिलायंस जियो ने अपने ग्राहकों के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए अपनी 5जी नेटवर्क पर वीओएनआर तकनीक की तैनाती की पुष्टि की है । वीओएनआर यानी वाइस ओवर न्यू रेडियो नेटवर्क एक नई कॉलिंग तकनीक है जो 5जी नेटवर्क के साथ सम्बंधित है । रिलायंस जियो वर्तमान में एकमात्र टेलीकॉम ऑपरेटर है जिसने 5जी सेवा को लागू किया है । वहीं एयरटेल अभी तक 5जी एसए तकनीक का अभ्यास नहीं किया है जिसका मतलब है कि वो अपने ग्राहकों को सुपरियर तकनीक वीओएनआर प्रदान नहीं कर पा रहे हैं । इसलिए, यदि आप बेहतर कॉलिंग अनुभव की तलाश में हैं, तो रिलायंस जियो एकमात्र विकल्प है । वीओएनआर और वीओएलटीई दोनों ही कॉलिंग तकनीक हैं, लेकिन वीओएनआर 5जी और वीओएलटीई 4जी नेटवर्क पर काम करती है । वीओएनआर के माध्यम से उपयोगकताओं को उच्च गुणवत्ता वाली कॉल की सुविधा मिलती है क्योंकि यह 5जी की ऊंची डेटा क्षमता पर निर्भर है । वहीं वीओएलटीई 4जी पर काम करती है जिससे उपयोगकताओं को उचित कॉलिंग अनुभव मिलता है ।

एमजी मोटर ने किया ऑल इलेक्ट्रिक रोडस्टर का अनावरण

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । वाहन विनिमार्ता जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने शुक्रवार को दो नए इलेक्ट्रिक मॉडल के साथ किफायती लक्जरी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में कदम रखने की घोषणा की । कंपनी ने यहां आयोजित वाहन प्रदर्शनी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के पहले दिन भारत की पहली पूर्ण-इलेक्ट्रिक रोडस्टर एमजी साइबरस्टर और तीन कतार वाली पहली इलेक्ट्रिक लिमोसिन एमजी एम9 का अनावरण किया । इन दोनों मॉडलों को इसी साल बाजार में उतारे जाने की योजना है । कंपनी ने अपने नए लक्जरी ब्रांड चैनल एमजी सेलेक्ट के तहत इन नए मॉडलों को सार्वजनिक रूप से पेश किया । इस अवसर पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा, आज भी भारत में ईवी की पहुंच बहुत कम है । यह कुल बाजार का सिर्फ दो से 2.2 प्रतिशत है । हम इस अनुपात को वर्ष 2030 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाना चाहते हैं । उन्होंने कहा, ह्यहम हर तीन से छह महीने में नए उत्पाद लाने और इस खंड का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं । जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने कहा कि एमजी साइबरस्टर और एम9 मॉडल पेश होने के साथ उसके पास जल्द ही सबसे बड़ा ईवी पोर्टफोलियो होगा । एमजी विंडसर, एमजी कॉमेट और एमजी जेडएस पहले से ही इसके ईवी बेड़े में शामिल हैं ।

अपडेटेड किआ ईवी6 का अनावरण

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । मार्च 2025 में लॉन्च होने से पहले, किआ ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में फेसलिफ़्टेड ईवी6 का अनावरण किया है । लॉन्च के बाद से यह ईवी6 का पहला अपडेट है, जिसमें डिजाइन में बदलाव और एक हाईटेक बैटरी शामिल है । अपडेटेड मॉडल के लिए बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है । फेसलिफ़्टेड ईवी6 को सिंगल-मोटर और डुअल-मोटर कॉनफि गरेशन में पेश किया जाएगा, जबकि हाई-परफॉर्मेंस ईवी6 जीटी वेरिएंट के बारे में टेक्नीकल डिटेल्स अभी नहीं आई हैं । अपडेटेड ईवी6 में एक ताजा डिजाइन है, जिसमें सबसे जोरदार अपडेट्स हैं । नए डिजाइन किए गए एलईडी डीआरएल के साथ फिर से तैयार की गई हेडलाइट्स शामिल हैं । अन्य एक्सटीरियर अपडेट्स की बात करें तो इनमें नए अलॉय व्हील्स शामिल हैं । इनमें एक री डिजाइन की गई ग्रिल और एक अपडेटेड फ्रंट बम्पर शामिल है जिसमें नए आकार के एयर इनटेक शामिल हैं । जबकि समग्र सिल्हूट और टेल-लैंप सिस्टम प्री-फेसलिफ्ट एडिशन के हिसाब से है । इस अपडेट में रियर बम्पर को फिर से स्टाइल किया गया है । जहां तक इंटीरियर की बात है, ईवी6 फेसलिफ्ट में पैनोरमिक कर्व्ड डिस्प्ले बरकरार है, जिसमें 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एक इंफोटेनमेंट सिस्टम है । एक मुख्य अतिरिक्त फिंगरप्रिंट सेंसर है, जो ड्राइवरों को वाहन को निर्बाध रूप से अनलॉक करने और स्टार्ट करने में सक्षम बनाता है । एडीएएस सूट में 5 सेफ्टी फीचर्स को शामिल किया गया है । रियर-व्हील-ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) सिंगल-मोटर संस्करण 226 बीएचपी और 350 एनएम टॉर्क पैदा करता है, जबकि ऑल-व्हील-ड्राइव (एडब्ल्यूडी) डुअल-मोटर संस्करण 321 बीएचपी और 605 एनएम टॉर्क पैदा करता है । सबसे बड़ा अपग्रेड बड़ा 84 केडब्लूएच बैटरी पैक है, जो पिछली 77.4 केडब्लूएच यूनिट की जगह लेता है । किआ का दावा है कि नया 84 केडब्लूएच बैटरी पैक 650 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज देगा । इसके अतिरिक्त, ईवी6 फेसलिफ्ट अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट करता है, जो 350 किलोवाट डीसी चार्जर का उपयोग करके केवल 18 मिनट में 10-80% चार्ज प्राप्त करता है ।

निर्मला सीतारमण के निर्णय से आयकर कानून में आएगा बदलाव

व्यवसायिक धाराएं क्लीनअप होंगी और कानून की भाषा को सरल बनाया जाएगा

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उदाहरण और व्याख्या को मजबूत करने के लिए 1 फरवरी 2025 को नया डायरेक्ट टैक्स कोड 2025 पेश करने की योजना बनाई है । यह कदम एक प्रयास है जिससे व्यवसायिक धाराएं क्लीनअप होंगी और कानून की भाषा को सरल बनाया जाएगा । डीटीसी में कुछ महत्वपूर्ण प्रावधान हैं, जिनमें धाराओं को संशोधित करने के साथ ही कानूनी विवादों को कम करने का माध्यम शामिल है । विशेषज्ञों का मानना है कि यह कानून उन्हें आसानी से समझने में मदद करेगा और सामान्य लोगों के लिए भी कानून के प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाएगा । वित्त मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के मिलकर काम करने से उम्मीद है कि नया कानून समय पर पेश किया जाएगा । बजट भाषण में नए विधेयक का उल्लेख किया जाएगा, जो देश की आर्थिक परिस्थितियों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है । इस प्रयास के माध्यम से, सरकार इस सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि आम लोगों को कानून को समझनामें मदद मिले और कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़े । यह नया कानून इकोनॉमी को मजबूती प्रदान कर सकता है और तकनीकी धाराओं को शामिल करके आयकर का संरचन अधिक स्पष्ट बना सकता है । देश की आर्थिक दृष्टि से, यह कदम महत्वपूर्ण है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता को बनाए रखने में मददगार साबित हो सकता है । नया डायरेक्ट टैक्स कोड कानून के प्रावधान वित्तीय स्थिति में सुधार और समृद्धि के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं ।

आरबीआई का एफडी, लॉकर और बचत खाते में नॉमिनेशन पर बैंकों को सर्कुलर जारी

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को नॉमिनी को लेकर निर्देश जारी किए हैं । देश के बैंकों और एनबीएफसी में हजारों करोड़ रुपये की राशि पड़ी है, जिनके दावेदार नहीं हैं । आरबीआई की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार सभी बैंकों का दायित्व होगा कि वे अपने हर पुराने और नए ग्राहकों से नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी करवाएं । अभी भी बड़ी संख्या में बैंकों में जमा खाते के नॉमिनी उपलब्ध नहीं है । बैंकों में नॉमिनेशन की प्रगति की रिपोर्ट को हर तिमाही में दक्ष पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए हैं । इसके अलावा बैंकों में खाता ओपन करने के फॉर्म में बदलाव करने को कहा गया है, जिसमें ग्राहकों के लिए नॉमिनी के विकल्प को अनिवार्य करना जरूरी होगा । सर्कुलर के अनुसार जिन लोगों की एफडी या सेविंग अकाउंट में नॉमिनी नहीं रहते उनकी मौत के बाद उनके परिजन अपना हक प्राप्त करने के लिए कानूनी झंझट का सामना करते हैं । इसलिए सभी लोगों को अपने खाते में नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए । सर्कुलर में बैंकों और एनबीएफसी को अपने सभी ग्राहकों को नॉमिनेशन के लाभ की जानकारी देने को कहा गया है । इसके साथ ही कस्टमर सर्विस कमिटी को बैंकिंग संस्थानों में खाताधारकों के नॉमिनेशन की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं ।

शेयर बाजार के लिए मिलाजुला रहा यह हफ्ता, डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण पर होंगी निवेशकों की निगाहें

मुंबई, । अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले शेयर बाजार में निवेशक सर्तक बने हुए हैं और इस हफ्ते बाजार का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है । बाजार में हफ्ते की शुरूआत में तेजी देखी गई थी, लेकिन शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बिकवाली देखी गई । इस दौरान लार्जकैप आईटी और बैंकिंग शेयरों पर दबाव देखने को मिला । हालांकि, सरकारी बैंकों का प्रदर्शन मजबूत रहा । हफ्ते के अंत में सेंसेक्स 76,619.33 पर और निफ्टी 23,203.2 पर बंद हुआ । वहीं, निफ्टी बैंक 738.10 अंक या 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,540.6 पर बंद हुआ । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 123.85 अंक या 0.23 प्रतिशत चढ़कर 54,607.65 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 28.75 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,672.05 पर बंद हुआ । सितंबर 2024 के उच्च स्तर से बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली है । इस दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 11.5 प्रतिशत, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 12 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 11 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हुई है । बाजार की मजबूती के लिए आने वाले समय में तीसरी तिमाही के नतीजे काफी महत्वपूर्ण होंगे । बाजार के जानकारों के अनुसार, डॉलर के मजबूत होने के कारण निवेशक सतर्क बने हुए हैं और जोखिम को कम कर रहे हैं । इसके अलावा नए अमेरिकी प्रशासन की संभावित आर्थिक नीतियों पर बढ़ती अनिश्चितता ने बाजार के सेंटीमेंट को नुकसान पहुंचाया है । कुल मिलाकर तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजों की उम्मीदों के कारण अल्पावधि में बाजार के सतर्क रहने की उम्मीद है । वहीं, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से बाजार में अस्थिरता जारी रह सकती है । कैपिटलमाइंड रिसर्च के कृष्णा अप्पाला ने कहा कि यह समय घबराने का नहीं, बल्कि स्पष्टता के साथ काम करने का है । बाजार में गिरावट अच्छे स्टॉक्स खोजने के अवसर प्रदान करती है, जिसमें विकास की अच्छी संभावना हो ।

बीएमडब्ल्यू एक्स 1 इलेक्ट्रिक लॉंच, कीमत 49 लाख रुपये

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । लक्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पहली बार बीएमडब्ल्यू एक्स 1 लॉन्ग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 49 लाख रुपए है । कंपनी ने यहां इसे लॉंच करते हुए कहा कि स्थानीय रूप से निर्मित बीएमब्ल्यू एक्स 1 लॉन्ग व्हीलबेस ऑल इलेक्ट्रिक पूरे भारत में डीलरशिप पर बुकिंग के लिए उपलब्ध है । चेन्नई में निर्मित यह मॉडल भारत में बनने वाला ब्रांड का पहला इलेक्ट्रिक वाहन है । पांचवीं पीढ़ी की बीएमडब्ल्यू ई ड्राइव तकनीक द्वारा संचालित इस वाहन में मल्टी-वे एडजस्टेबल फ्रंट सीटें और अपने सेगमेंट में सबसे बड़ा पैनोरमिक सनरूफ शामिल है । यह इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लक्जरी और प्रदर्शन को फिर से परिभाषित करने का वादा करता है । इस मौके पर बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावा ने कहा, ह्यहम नए भारत की बढ़ती आकांक्षाओं के लिए एकदम सही प्रीमियम एसयूवी है । बीएमडब्ल्यू की पहली ह्यमेक इन इंडियाह्व ईवी के रूप में एक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस नवाचार और उत्कृष्टता के एक नए युग की शुरूआत करती है ह्व उन्होंने कहा कि बीएमडब्ल्यू इंडिया छोटी वित्तीय योजनाओं और नई सेवाओं के साथ एक व्यापक ईवी परिवेश के जरिए एक समग्र समाधान पेश कर रही है ।

शारजाह वॉरियर्स की टीम में इरादे की कभी कमी नहीं होगी : कोच जेपी डुमिनी

प्रात: किरण,/ एजेसी

शारजाह,। श्रीलंकाई बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो की शानदार पारी की बदौलत शारजाह वॉरियर्स ने शारजाह में दुबई कैपिटल्स को हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इस सीजन में अपना पहला घरेलू मैच खेल रहे शारजाह वॉरियर्स ने 201 रनों का लक्ष्य 5 विकेट और 11 गेंद शेष रहते सफलतापूर्वक हासिल किया। मैच के बाद शारजाह वॉरियर्स के कप्तान टिम साउथी ने आईएलटी20 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, इस तरह के स्कोर का पीछा करना और फर्नांडो की पारी अविश्वसनीय थी। सुबह विमान से उतरना और ऐसा करना विशेष है। फर्नांडो हमारे लिए शानदार था। कप्तान ने आगे कहा, सुधार करने के लिए बहुत सी चीजें हैं, क्षेत्ररक्षण और गेंद के साथ, जो जीत के बाद हमेशा करना आसान होता है।

यह एक अच्छा विकेट था, अगर आपने गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन किया तो यह अच्छा था लेकिन अगर आप थोड़ा चूक गए, तो यह एक अलग कहानी है।

कुछ खिलाड़ी शानदार थे और जब दूसरे खिलाड़ी आकर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह टीम की गहराई को दशार्ता है।

कोच जेपी डुमिनी ने कहा, फील्डिंग हमारे खेल का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम काम कर सकते हैं।

हम सामूहिक रूप से फील्डिंग में बड़ा प्रयास करने की कोशिश

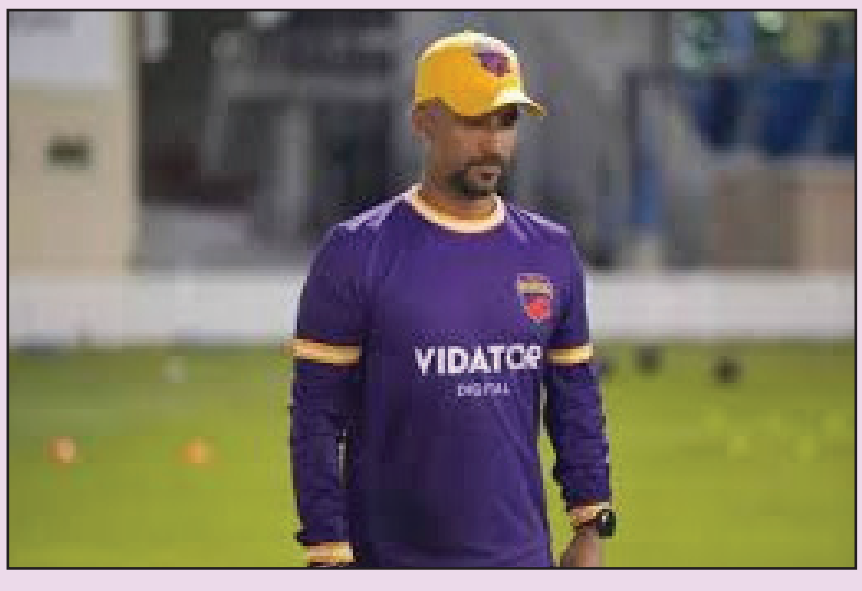

करते हैं। इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करना चाहते हैं और फील्डिंग कुछ ऐसा है जिसमें हम निश्चित रूप से बेहतर होना चाहते हैं।

अविष्का फर्नांडो, जिन्होंने 27 गेंदों में 8 छक्के और 6 चौके की मदद से 81 रन बनाए,ने कहा, अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और आज की पारी के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं।

आज विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, 200 रन का पीछा करते समय विचार सकारात्मक थे, यह स्वाभाविक रूप से हुआ और इसके लिए मैं आभारी हूं।

मुझे एहसास नहीं हुआ कि मैंने सबसे तेज 50 रन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

आईएलटी20 के इतिहास में सबसे तेज 50 रन बनाने वाले अविष्का ने अपने कोच डुमिनी से खूब प्रशंसा अर्जित की। डुमिनी ने कहा, वह कल रात विमान से उतरा और उसके बाद टीम से परिचित हुआ। और जिस तरह से उसने आकर खेला, उसका आत्मविश्वास न केवल उसके चरित्र को दशार्ता है।

बल्कि उसकी क्षमता को भी दशार्ता है।

और उसे हमारे वातावरण में सहज महसूस कराना कुछ ऐसा है जिसके लिए हम (शारजाह वारियर्स) प्रयास करते हैं।

लेकिन यह निश्चित रूप से सबसे खास पारियों में से एक थी जिसे हमने देखा है।

शारजाह वारियर्स को 200 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करना था।

लेकिन कोच ने समझाया कि टीम की बातचीत चीजों को सरल रखने की दिशा में अधिक थी।

उन्होंने कहा, टीम के साथ बातचीत काफी हल्की-फुल्की रही।

हम जानते थे कि यह एक अच्छी पिच ह।

और हमें बस अपनी क्षमता के अनुसार खेलना था।

और मुझे लगता है कि हमने ऐसा किया।

इस लाइनअप में इरादे की कभी कमी नहीं होगी।

और अब हमें बस निरंतरता खोजने की जरूरत है।

शारजाह वारियर्स का अगला मुकाबला रविवार को शारजाह में एमआई एमिरेट्स से होगा।

भारत की महिला और पुरुष टीम पहुंची खो खो विश्वकप के सेमीफाइनल में

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली,। भारतीय महिला टीम बंगलादेश को 109-16 के अंतर से और पुरुष टीम ने श्रीलंका को 100-40 से जीत दर्ज कर हराकर खो-खो विश्वकप के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले मेंरामजी कश्यप, वी सुब्रमण्यम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय पुरुष टीम ने श्रीलंका को हराया। भारतीय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले टर्न में 58 अंक बनाए। उन्होंने ड्रीम रन के जरिए श्रीलंका को एक भी अंक हासिल करने से रोका, जिससे पहले टर्न के अंत में खेल की मजबूत शुरूआत सुनिश्चित हुई। श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने दूसरे टर्न में कड़ी मेहनत की, जिसमें अनिकेत पोटे और आदित्य गणपुले ने बढ़त बनाई। रामजी कश्यप जल्द ही अपनी टीम के लिए पार्टी में शामिल हो गए, लेकिन श्रीलंकाई हमलावर भी कम नहीं थे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि भारतीय टीम दूसरे टर्न के दौरान अपनी लीड को और बड़ी ना कर सके। हालांकि भारत ने इस टर्न के महत्वपूर्ण क्षणों में अच्छा खेल दिखाया और पर्याप्त बढ़त बना ली थी, जिससे उन्हें टर्न 3 की शुरूआत में एक मजबूत मंच मिल गया। तीसरे टर्न में भारतीयों ने आक्रामक हमला किया। शिवा रेड्डी, वी सुब्रमणि, वजीर प्रतीक वायकर ने श्रीलंकाई लोगों को शांत रखने के लिए ढेर सारे स्काई डाइव और पोल डाइव किए। ज़िम्मेदारी श्रीलंकाई लोगों पर थी, लेकिन उन्हें मेरी पहल करने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि तीसरे टर्न के अंत में भारतीय 100 अंक तक पहुँच गए, जिससे खो खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में उनकी जगह लगभग पक्की हो गई। पबानी सबर मैच के अंतिम टर्न के पहले बैच में अनिकेत पोटे और शिवा रेड्डी के साथ शामिल हुईं। जैसे ही मैच 100-40 के स्कोर पर समाप्त हुआ, भारतीयों ने बहुत आसानी से सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इससे पहले महिला वर्ग में कप्तान प्रियंका इंगले की अगुआई में भारतीय टीम ने सभी चार टर्न में अपना दबदबा दिखाया, जिसमें टर्न 2 में पांच मिनट से अधिक समय तक चला शानदार ड्रीम रन भी शामिल है। टीम ने 100 से अधिक अंक हासिल करने का अपना शानदार सिलसिला जारी रखा, जिससे टूर्नामेंट में शतक लगाने वाला यह उनका लगातार पांचवां मैच बन गया। इस जीत के साथ ही शनिवार, 18 जनवरी को होने वाला सेमीफाइनल

मुकाबला भी बहुप्रतीक्षित हो गया है। पहले टर्न में बांग्लादेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें नसरीन शेख और प्रियंका इंगले के अनुभव की बदौलत अंकों का अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने बांग्लादेशियों को कभी भी शांत नहीं होने दिया, यहाँ तक कि दूसरे टर्न में भी, क्योंकि उन्होंने अपने टर्न की शुरूआत से ही ड्रीम रन बनाया। एक बार फिर, कप्तान प्रियंका इंगले, अश्विनी शिंदे और रेशमा राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन किया। उनका बैच 5 मिनट और 36 सेकंड तक चला, जहाँ उन्होंने 6 अंक अर्जित किए और पर्याप्त बढ़त हासिल की। दूसरे टर्न के आखिर में, बंगलादेश की टीम ने केवल चार आसान टच ही किए, जिससे स्कोर 56-8 हो गया, जबकि खेल में दो और टर्न बचे थे। तीसरे टर्न में भारत ने एक बार फिर मैट पर राज किया, क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश को खेल में पैर नहीं जमाने दिया। रेशमा राठौड़ के स्काई डाइव ने खो खो विश्व कप 2025 में उनके लगातार पाँचवें 100 अंक दिलाए। तीसरे टर्न के अंत में, क्वार्टरफाइनल गेम में एक टर्न बचे रहने पर स्कोर 106-8 हो गया। चौथे टर्न में मैच एक बार फिर एकतरफा रहा, जिससे एक प्रभावशाली तीन-पॉइंट ड्रीम रन हुआ। इसका मतलब यह हुआ कि टीम 109-16 पर पहुंच गई, जिससे शनिवार, 18 जनवरी को होने वाले एक और रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले की तैयारी हो गई। महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में युगांडा ने न्यूजीलैंड पर निर्णायक जीत के साथ उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया। 71-26 के अंतिम स्कोर के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका केन्या के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में 51-46 से जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। नेपाल ने ईरान के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 103-8 के प्रभावशाली स्कोर के साथ दबदबा बनाया। पुरुष वर्ग क्वार्टर फाइनल मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे। ईरान ने केन्या के खिलाफ असाधारण प्रदर्शन किया और 86-18 के स्कोर के साथ शानदार जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका ने निर्णायक मैच में इंग्लैंड को हराकर 58-38 की जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। नेपाल ने बंगलादेश पर 67-18 के अंतिम स्कोर के साथ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

दिल्ली एसजी पाइपर्स ने जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी को 2-0 से हराया

प्रात: किरण,/ एजेसी

राउरकेला,। संगीता कुमारी और दीपिका के गोलों की मदद से दिल्ली एसजी पाइपर्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में अंक तालिका में अव्वल रही सूरमा हॉकी की जीत का सिलसिला शुक्रवार देर शाम आखिरकार टूट गया। संगीता कुमारी दूसरे क्वार्टर में दिल्ली एसजी पाइपर्स को बढ़त दिलाई जबकि दीपिका ने 47वें मिनट में एक और गोल कर सीजन की पहली जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने मैच की शुरूआत आक्रामक ढंग से की और विपक्षी टीम की पासिंग लेन को प्रभावी ढंग से काट दिया। इस बीच, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने शानदार रक्षात्मक रवैया अपनाया और दबाव के बावजूद पाइपर्स को पहले क्वार्टर में गोल का मौका नहीं दिया। दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही सूरमा के हमले तेज हो गए। उन्होंने मिडफील्ड में कब्जा करते हुये पाइपर्स सर्कल पर धावा बोल दिया, लेकिन वे गोल करने में असफल रहे। इस बीच जैसे ही पाइपर्स ने सूरमा को पीछे धकेला, मैच की दिशा बदल गयी। क्वार्टर में छह मिनट बचे होने पर, पाइपर्स ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाया जब संगीता कुमारी ने स्टेफनी डी ग्रोफ के शॉट को चतुराई से नेट में डाल दिया। यह दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए सीजन का पहला गोल था। पाइपर्स ने क्वार्टर के अंत में कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन सूरमा की मारिया वर्सचूर और रक्षात्मक इकाई ने गोल के लिए किसी भी खतरे को टालने के लिए अपने शरीर को लाइन में लगा दिया। तीसरा क्वार्टर शुरू होते ही सूरमा ने जोरदार दबाव डाला, जिससे पाइपर्स वापस अपने घेरे में आ गए, लेकिन वे सूरमा को स्पष्ट गोल करने का मौका दिए बिना ही टिके रहे। पाइपर्स ने, खेल की दौड़ के बावजूद, क्वार्टर के मध्य में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन इसका फायदा उठाने में असफल रहे। इसके तुरंत बाद, सूरमा की वैष्णवी ने सर्कल के ऊपर से गोल पर एक शक्तिशाली शॉट लिया, लेकिन एलोडी पिकार्ड इसे किक करने के लिए सतर्क थे। क्वार्टर समाप्त होने पर सूरमा ने कुछ पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन उनके प्रयास बचा लिए गए और पाइपर्स महत्वपूर्ण दबाव के बावजूद अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रहे। आखिरी क्वार्टर शुरू होते ही दिल्ली एसजी पाइपर्स को पेनल्टी मिली और दीपिका ने आगे बढ़कर बाएं कोने पर जोरदार फ्लिक लगाया और अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। सूरमा ने इसके जवाब में कुछ ही मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया लेकिन वे इसका फायदा उठाने में असफल रहे।

विराट कोहली, केएल राहुल ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैचों से अपना नाम वापस लिया

प्रात: किरण,/ एजेसी

नई दिल्ली,। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम को सूचित किया कि वे छोटी-मोटी चोटों से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वे रणजी ट्रॉफी 2024-25 सीजन के दूसरे दौर में क्रमशः अपनी घरेलू टीमों दिल्ली और कर्नाटक के लिए भाग नहीं ले पाएंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, कोहली गर्दन में दर्द से पीड़ित हैं। कोहली ने बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ को बताया कि उन्होंने 8 जनवरी को एक इंजेक्शन लिया था, लेकिन फिर भी उनकी गर्दन में दर्द है, जिसके कारण उन्हें राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के आगामी मुकाबले से बाहर होना पड़ा। 36 वर्षीय कोहली ने रणजी में आखिरी बार नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उन्हें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने दोनों पारियों में 14 और 42 रन पर आउट कर दिया था। 155 प्रथम श्रेणी मैचों में, विराट ने 258 पारियों में 37 शतक और 39 अर्द्धशतक के साथ 48.23 की औसत से 11,479 रन बनाए हैं, जिसमें 254* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। दूसरी ओर, केएल राहुल कोहनी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वह बेंगलुरू में पंजाब के खिलाफ कर्नाटक के अगले दौर के मैच से बाहर हो गए हैं। दाएं हाथ के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपना आखिरी रणजी मैच 2020 मार्च में कर्नाटक के लिए बंगाल के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने सेमीफाइनल में 26 और 0 रन बनाए थे, जिसमें उनकी टीम हार गई थी। हाल के दिनों में, ऋषभ पंत (दिल्ली), शुभमन गिल (पंजाब) और यहां तक कि यशस्वी जायसवाल (मुंबई) के साथ-साथ अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र) उन लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने कथित तौर पर आगामी रणजी ट्रॉफी मैचों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

बालाजी-वरेला की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न,। भारत के एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला शनिवार को यहां नूनो बोर्गेस और फ्रांसिस्को कैब्राल की पुर्तगाली जोड़ी से दूसरे दौर में हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल से बाहर हो गए। मेलबर्न पार्क में दो घंटे और नौ मिनट तक चले करीबी मुकाबले में बालाजी और वरेला की जोड़ी को 6-7 (7), 6-4, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहला सेट काफी रोमांचक रहा जो 56 मिनट तक चला। इस सेट में कोई भी जोड़ी सर्विस नहीं तोड़ पाई और मामला टाईब्रेकर में चला गया, जहां बोर्जेस और कैब्राल ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए जीत हासिल की। बालाजी और वरेला की जोड़ी ने दूसरे सेट में दमदार शुरूआत की और फिर और अपनी लय बरकरार रखते हुए इस सेट को अपने नाम करके मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक सेट में बोर्गेस और कैब्राल ने चौथे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस तोड़कर 3-1 की बढ़त बना ली।

जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल, सिराज बाहर

प्रात: किरण,/ एजेसी

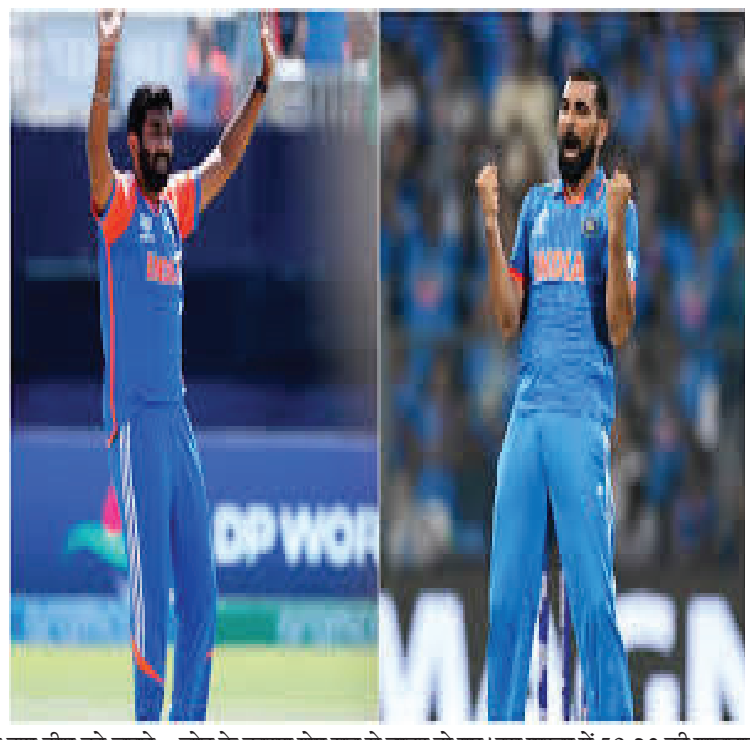

मुंबई,। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए शनिवार दोपहर (18 जनवरी) को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या सभी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इन तीनों ने आखिरी बार 2023 विश्व कप में वनडे प्रारूप में हिस्सा लिया था। 15 सदस्यीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे जबकि शुभमन गिल उपकप्तान होंगे। हालांकि मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे। कप्तान रोहित शर्मा ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम बुमराह के बारे में निश्चित नहीं हैं, कि वह खेलेंगे या नहीं। इसलिए हम ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो आगे और पीछे दोनों जगह गेंदबाजी कर सके। शमी के बारे में सभी जानते हैं कि वह नई गेंद से क्या करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मोहम्मद सिराज को टीम से बाहर होना पड़ा। लेकिन हमारे पास निर्धारित भूमिकाओं के लिए उपयुक्त खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अर्शदीप ने बहुत ज्यादा वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन वह पिछले कुछ समय से सफेद गेंद वाले क्रिकेट में हैं। इसलिए हम अनुभवहीनता के बारे में चिंतित नहीं हैं। आप सभी को खुश नहीं कर सकते। दिन के अंत में, आप उस टीम को चुनते हैं जो आपको गेम जिता सकती है। बुमराह को भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दौर में पीठ में दर्द की शिकायत थी, इस अभियान में उन्होंने 151.2 ओवर फेंके और 13.06 की औसत से 32 विकेट लिए। वह मोहम्मद शमी के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। शमी 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, लेकिन तब से अपने बाएं अकिलीज टेंडन की सर्जरी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। अर्शदीप सिंह तीसरे तेज गेंदबाज हैं। पांड्या की वापसी के बाद भारत के पास ऑलराउंडर की अच्छी टीम है। रवींद्र जडेजा एक और खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आखिरी बार 14 महीने पहले वनडे खेला था, लेकिन अपने बाएं हाथ के कौशल के साथ बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करते हैं। अक्षर पटेल, जिन्हें श्रीलंका में भारत के सबसे हालिया वनडे असाइनमेंट में चुना गया था, एक और खिलाड़ी हैं जो टीम के संतुलन को जोड़ने में सक्षम हैं। हार्निया की सर्जरी के बाद बाहर रहने वाले कुलदीप यादव की टीम में वापसी से भारत के स्पिन आक्रमण को एक बड़ा बढ़ावा मिला है। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला का पहला टेस्ट खेला, इसके बाद वह कमर की चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गए। इस प्रारूप में 58.20 की शानदार औसत रखने वाले गिल को शीर्ष क्रम में अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है, क्योंकि चयनकताओं ने यशस्वी जायसवाल को टीम में दूसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में चुनने का फैसला किया है। हालांकि जायसवाल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरूआत की है और बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्होंने अभी तक इस प्रारूप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है। विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 203 रन के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत 54 है। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। वे अपना अभियान 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेंगे। वे अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड वनडे के लिए भारत की टीम-रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा। अपडेटः इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे।

सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को संभाला

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुल्तान,। वेस्टइंडीज के जायडेन सील्स के शुरूआती झटकों से उबरते हुए पाकिस्तान ने सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान के नाबाद अर्द्धशतकों की मदद से पहले टेस्ट के शुरूआती दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 143 रन बना लिए हैं। मुल्तान में खेले जा रहे मुकाबले में पाकिस्तान के सऊद शकील नाबाद 56 रन और मोहम्मद रिजवान नाबाद 51 रन बनाकर क्रीज पर जमे हुए हैं। कोहरे की वजह से सुबह के सत्र में खेल नहीं हो सका, लेकिन पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद का मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में बल्लेबाजी करने का फैसला उलटा पड़ता दिखाई दिया। दरअसल, पाकिस्तान की टीम ने अपने शुरूआती 4 विकेट महज 46 रन पर गंवा दिए थे। शान मसूद (11), मुहम्मद हुरैरा (6), बाबर आजम (8) और कामरान गुलाम (5) को कैरेबियाई गेंदबाजों ने जल्द पवेलियन भेजकर पाकिस्तान टीम की मुश्किलें बढ़ा दी थी। हालाकि सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने सूझबूझ भारी पारी खेलते हुए ना सिर्फ अपनी टीम को संभाला बल्कि दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद रहते हुए 5वें विकेट के लिए 97 रन की नाबाद साझेदारी कर डाली। दोनों अभी भी क्रीज पर जमे हुए हैं। वेस्टइंडीज के 23 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जायडेन सील्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान के तीन खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा। वहीं गुडाकेश मोती ने एक विकेट चटकाए। इन दोनों गेंदबाजों के अलावा कैरेबियाई टीम का कोई भी बॉलर विकेट झटकने में कामयाब नहीं हो सका। जायडेन सील्स ने पहले दिन के खेल की समाप्ति के बाद कहा, ह्लहमें अच्छी गेंदें फेंकना जारी रखना होगा। स्पिनर या तेज गेंदबाज के रूप में हमारे लिए पिच में हमेशा कुछ न कुछ होता है। यह हमारी अच्छी गेंदों को यथासंभव लंबे समय तक फेंकने की बात है। मुझे लगता है कि इस पिच पर 250 के आसपास का स्कोर शायद एक अच्छा स्कोर है।

संक्षिप्त समाचार

राजनीति से ऊपर उठकर ब्रांड गोवा बना रहे, सीएम प्रमोद सावंत के मुरीद हुए आप विधायक

पणजी, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक वेंजी विगास ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रगति के लिए गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा, मैं डॉ. प्रमोद सावंत को धन्यवाद देना चाहता हूं। वह भाजपा से हैं और मैं आम आदमी पार्टी से हूं। फिर भी, उन्होंने राजनीति से ऊपर उठकर गोवा को ब्रांड बनाने के लिए काम किया। मैं उन्हें गोवा के पहले मुख्यमंत्री दयानंद बांदोडकर से जोड़कर देखता हूं। यह टिप्पणी वेंजी विगास ने उस अवसर पर की जब मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बेनॉलिम विधानसभा क्षेत्र के कोलावा गांव में 7.5 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री अलेक्सियो सेक्वेरा और विधायक वेंजी विगास भी मौजूद थे। वेंजी विगास बेनॉलिम से ही आप के विधायक हैं। परियोजना की बात करें तो यह गोवा की सीवरेज और इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा शुरू की गई थी। इस प्लांट का उद्देश्य स्थानीय पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखना है, साथ ही क्षेत्र की बुनियादी ढांचा जरूरतों को पूरा करना है।

महाकुंभ के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए अधिकारियों को भेजे राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

प्रयागराज, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी को पत्र लिखकर प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ की विविध पहलुओं को समझने के लिए अधिकारियों को भेजने को कहा है। आदित्यनाथ ने शुक्रवार शाम लखनऊ में 5, कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पर वरिष्ठ पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस बार जो एक बात सामने आई है, वह है पुलिस का व्यवहार। हमने युवा पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें महाकुंभ ड्यूटी के लिए तैनात किया है। उन्होंने कहा, हमने सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी को भी पत्र लिखकर युवा अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन और इस तरह के विशाल आयोजन से जुड़े अन्य विविध पहलुओं का अध्ययन करने के लिए यहां भेजने को कहा है। आदित्यनाथ ने कहा, उन्हें (युवा अधिकारियों को) इतना अध्ययन करने, इतना कुछ सीखने का मौका और कहां मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश प्रमुख वैश्विक संस्थान महाकुंभ के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन और शोध कर रहे हैं। महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ है।

उम्मीद है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम अच्छा प्रदर्शन करेगी: ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में प्रस्तावित बिहार विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। हैदराबाद के सांसद ओवैसी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में भाग लेने के लिए पटना आये थे। ओवैसी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी पार्टी (विधानसभा चुनावों में) अच्छा प्रदर्शन करेगी और उम्मीदवार जीतेंगे और विधायक बनेंगे।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर निशाना साधा, बोले- हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के और होते हैं

जोधपुर, एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने महाकुंभ के आयोजन पर भी प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति और उनके नेतृत्व को लेकर अब वह बेनकाब हो चुके हैं। हिंदी में कहावत है कि हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के और होते हैं। उनका चाल चरित्र और चेहरा सबके सामने आ चुका है।

1954 की भगदड़ की घटना को तत्कालीन सरकार के दबाने के सवाल पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 1954 की ही एक घटना नहीं है। आजादी के बाद से इमरजेंसी से लेकर 2014 तक इस पर ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि उन्होंने लोकतंत्र की कैसे हत्या की।

इसके अलावा उन्होंने महाकुंभ के भव्य आयोजन को लेकर देशवासियों

को बधाई थी। साथ ही कहा कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन में जिस तरह से व्यवस्थाएं की गई हैं, यह केस स्टडी की तरह आवश्यक है। 45 दिन के इस महाकुंभ के आयोजन में 45 करोड़ से ज्यादा लोग आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन पूर्णिमा और बाद में मकर संक्रांति के दिन, लगभग इन दो दिनों में पांच करोड़ लोगों ने महाकुंभ में स्नान किया है, लेकिन इसके साथ-साथ लगभग 15 लाख लोग महाकुंभ में पूरे 45 दिन तक रह करके कल्पवास कर रहे हैं। लगभग इतनी ही बड़ी संख्या साधुओं की है, जो पूरे 45 दिन तक लगभग यहां रहने वाले हैं। लगभग 15 लाख लोग ऐसे हैं जो सफाई कर्मचारी के रूप में विभिन्न व्यवस्थाओं को देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 50 लाख लोग महाकुंभ में स्थाई रूप से निवास कर रहे हैं। बाकी लोग आते हैं और स्नान करके चले जाते हैं। महाकुंभ का आयोजन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह से किया गया है वो निश्चित रूप से अनूठा है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने आजादी के बाद पहले कुंभ का जिक्र करते हुए विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 2013 में कुंभ में भगदड़ मची थी और उस समय की तत्कालीन सरकार ने असंवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया था। आजादी के बाद में जब पहले कुंभ का आयोजन किया गया था, उस समय के कुंभ की व्यवस्थाओं को देखें तो तत्कालीन सरकार कुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर किस तरह से उदासीन थी। नेहरू जी के कुंभ में जाने के कारण लोगों ने लिखित रूप से रिपोर्ट किया है कि कुंभ में भगदड़ मची थी, जिसमें 1000 से ज्यादा लोग दिवंगत हुए थे। आज की सरकार हमारी विरासत और संस्कृति का संरक्षण करने वाली सरकार है। निश्चित रूप से इस बार के महाकुंभ की व्यवस्थाएं पहले से बहुत अच्छी और बेहतर हैं।

5 साल की बच्ची से बलात्कार के बाद हत्या, अदालत ने दोषी को सुनाई सजा-ए-मौत

हुगली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले की पोस्को अदालत ने 5 वर्षीय बच्ची से बलात्कार-हत्या के मामले में दोषी को मौत की सजा सुनाई। पिछले साल नवंबर में हुए इस जघन्य अपराध के ठीक 54 दिन बाद न्यायाधीश चंद्रप्रभा भट्टाचार्य ने अशोक सिन्हा ने यह फैसला सुनाया। मालूम हो कि हुगली जिले के गुराप का यह मामला था। छोटी बच्ची से ऐसी बर्बरता का खबर सामने आते ही काफी हंगामा मचा था और लोगों ने न्याय पाने के लिए जोरदार आवाज उठाई थी। शुक्रवार को आए अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने त्वरित न्याय का स्वागत किया।

सीएम ममता ने एक्स पर लिखा, आज अदालत ने गुराप की छोटी बच्ची से बलात्कार और हत्या करने वाले दोषी को मौत की सजा सुनाई है और मैं इसके लिए न्यायपालिका को धन्यवाद देती हूं। मैं हुगली ग्रामीण जिला पुलिस को उनकी त्वरित कार्रवाई और गहन जांच के लिए धन्यवाद देती हूं जिसने 54 दिनों में त्वरित सुनवाई और सजा सुनिश्चित की। मेरा दिल उनके परिवार के साथ है और मैं उनका दर्द और लालसा साझा करती हूं। उन्होंने कहा कि बलात्कारी के लिए हमारी दुनिया में कोई जगह नहीं है। साथ मिलकर, हम कड़े कानूनों, सामाजिक सुधारों, प्रभावी और अक्षम्य प्रशासन के माध्यम से इसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बनाएंगे। ऐसा कोई भी अपराध बख्शा नहीं जाएगा। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक व्यक्ति को अपनी पोती की 5 वर्षीय सहेली के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हनुमानताल पुलिस थाने की निरीक्षक संगीता चौधरी ने बताया कि बुधवार को लड़की 42 वर्षीय आरोपी के घर गई थी, जब वह अकेला था। चौधरी ने बताया, वह आरोपी की पोती की दोस्त है और अक्सर उसके घर खेलने जाती थी। बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने उसे चिप्स खरीदने के लिए पैसे दिए।

कोलकाता पुस्तक मेले में हिंदू संगठन को स्टॉल लगाने की नहीं मिली इजाजत, हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में इन दिनों 48वें अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले का आयोजन हो रहा है। इस मेले में एक हिंदु संगठन को स्टॉल लगाने से रोक दिया गया, जिसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट को दरवाजा खटखटाया गया। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने विक्रेताओं और प्रकाशकों की गिल्ड फटकार लगाई है। आपको बता दें कि गिल्ड ने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) को आगामी 48वें अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं दी थी। पुस्तक मेला में स्टॉल लगाने के लिए स्थान दिया जाना चाहिए और यह सवाल उठाया कि गिल्ड, जो मेले का आयोजन करता है, ने इस बार ऐसा क्यों नहीं किया। ड्ढाक्के आयोजक से पुस्तक मेला में स्टॉल लगाने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, संगठन को अनुमति नहीं दी गई क्योंकि गिल्ड ने दावा किया कि इस वर्ष नियमों में बदलाव के कारण प्रक्रिया सही तरीके से नहीं पालन की गई। गिल्ड के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि वीएचपी संवेदनशील पुस्तकें प्रकाशित करता है और संगठन का कोई प्रकाशन हाउस नहीं है। दूसरी ओर वीएचपी के वकील ने तर्क दिया कि विश्व हिंदू बार्ता उनका संगठन है और यह 2011 से पुस्तक मेले में स्टॉल लगा रहा है। सुनवाई के

दौरान न्यायमूर्ति सिन्हा ने गिल्ड से कहा, पिछले कुछ वर्षों से इस संगठन को अनुमति दी गई है। अब इसे क्यों नहीं दी जा रही है? उन्होंने हमें पहले यह क्यों नहीं बताया कि वे कौन सी संवेदनशील पुस्तकें प्रकाशित कर रहे हैं? वे अब तक संवेदनशील पुस्तकें नहीं प्रकाशित कर रहे थे और अब अचानक वे संवेदनशील पुस्तकें प्रकाशित कर रहे हैं? गिल्ड के वकील ने कहा कि इस वर्ष पुस्तक मेले में कुछ नियम बदले हैं और इसलिए अनुमति नहीं दी गई। न्यायमूर्ति सिन्हा ने जवाब दिया, आपके पास कोई कानूनी नियम नहीं हैं, जो बदल गए हैं। आपने इतने वर्षों तक अनुमति क्यों दी? आप अपनी मर्जी से नियम बना रहे हैं। उन्होंने गिल्ड को आदेश दिया कि वह ड्ढाक्के को पुस्तक मेला में स्टॉल लगाने के लिए स्थान प्रदान करे और 20 जनवरी (सोमवार) को अगले सुनवाई में इस पर अद्यतन जानकारी पेश करे।

भारत में हर चौथी दवा नकली, तेलंगाना में करोड़ों की नकली दवाएं बरामद, एसोचैम की रिपोर्ट का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसोचैम की रिपोर्ट मेंचैंकाने वाला खुलासा हुआ है। भारत में हर चौथी दवा नकली या घटिया है। इन दवाओं में सक्रिय साल्ट या तो मौजूद नहीं होता या बेहद कम मात्रा में होता है, जिससे मरीज की बीमारी ठीक होने के बजाय बिगड़ने लगती है। नकली दवाओं का यह कारोबार मरीजों की जान को जोखिम में डाल रहा है और इसका वार्षिक कारोबार 352 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (ड्ढह्व) के अनुसार, नकली दवाओं का वैश्विक कारोबार करीब 16,60,000 करोड़ रुपये का है। इन दवाओं का 67त्न हिस्सा जीवन के लिए खतरनाक होता है। वहीं, भारतीय बाजार में नकली और घटिया दवाओं का सालाना कारोबार 352 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। एसोचैम की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 25त्न दवाएं नकली या घटिया गुणवत्ता की हैं, जिससे मरीजों की हालत बिगड़ने का खतरा बढ़

जाता है। पिछले साल तेलंगाना में ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन की छापेमारी के दौरान करोड़ों की नकली दवाएं पकड़ी गईं। इन दवाओं में चाक पाउडर और स्टार्च भरा गया था। अमोक्सिलिन जैसी दवाओं में सक्रिय साल्ट की मात्रा तय मानक से बेहद कम पाई गई। यह खेप उत्तराखंड के काशीपुर और यूपी के गाजियाबाद से कूरियर के जरिए तेलंगाना भेजी गई थी। उत्तराखंड में सैंपल जांच में कई दवा कंपनियों के प्रोडक्ट खरे नहीं उतरे, जिसके चलते उनके लाइसेंस रद्द किए गए। 2024 में आगरा के मोहम्मदपुर इलाके में नकली दवाएं बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया, जहां से 80 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की गईं।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाओं के कई सिंडिकेट का खुलासा किया। गाजियाबाद के लोनी में एक गोदाम पकड़ा गया, जहां डॉक्टरों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर नकली दवाएं बनाई जा रही थीं। ये दवाएं भारत समेत अमेरिका, इंग्लैंड और बांग्लादेश को भी सप्लाई की जा रही थीं।

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कीमोथेरेपी इंजेक्शन बनाने वाला एक गिरोह भी पकड़ा गया। ये लोग ब्रैंडेड इंजेक्शन की खाली शीशियों में सस्ती एंटी-फंगल दवा भरकर लाखों रुपये में बेच रहे थे। कुछ दवाएं, जैसे कफ सिरप और डिप्रेशन पिल्स, नशे के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। रेव पार्टियों में डिप्रेशन की गोलियां और एविल इंजेक्शन का खूब इस्तेमाल हो रहा है।

कई नामी दवा कंपनियां अब अपने उत्पादों पर क्यूआर कोड और हेल्पलाइन नंबर अंकित कर रही हैं, ताकि ग्राहक नकली दवाओं की पहचान कर सकें। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट और पुलिस को मिलकर एक्सपर्ट टीम बनानी चाहिए, जो नकली दवाओं के कारोबार पर सख्त निगरानी रखे।

चीजें पॉजिटिव हैं, भारत-अमेरिका संबंध पर और बोले एलन मस्क

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भारत-अमेरिका संबंध पर अपने विचार साझा किए हैं। एलन मस्क ने टेक्सास में अपनी स्पेसएक्स स्टारबेस सुविधा में प्रमुख भारतीय व्यापारिक हस्तियों के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनका मानना है कि भारत-अमेरिका संबंध सकारात्मक चलन में हैं और वह दोनों देशों के बीच एक बढ़ी हुई व्यापार साझेदारी के पक्षधर हैं।

इस हफ्ते यूके-मुख्यालय नीति और इवेंट प्लेटफॉर्म के अमेरिका में विस्तार को चिह्नित करने के लिए इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के नेतृत्व में भारतीय उद्यमियों ने कंपनी की अत्याधुनिक अंतरिक्ष से संबंधित सुविधाओं का दौरा किया और स्पेसएक्स की स्टारशिप फ्लाइट 7 के सफल लॉन्च को देखा।

अंतरिक्ष क्षेत्र में गहरे सहयोग की संभावना: चर्चा के दौरान, मस्क ने संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच विशेष रूप से टेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष

क्षेत्रों में गहरे सहयोग की संभावना पर जोर दिया। सत्र के दौरान मस्क के हवाले से कहा गया, चीजें सकारात्मक चल रही हैं। मैं निश्चित रूप से अमेरिका और भारत के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए बाधाओं को कम करने के पक्ष में हूं।

मस्क ने भारत को प्राचीन सभ्यताओं में से एक और बहुत महान और बहुत ही अच्छी सभ्यता के रूप में वर्णित किया। ऑटोमोटिव प्रमुख टेस्ला और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के पीछे के उद्यमी ने टेक्नॉलिजी और वैश्विक नवाचार परिदृश्य में भारत की बढ़ती भूमिका पर विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय व्यापार प्रमुखों के साथ बातचीत की।

व्यापार क्षेत्र को लेकर क्या बोले एलन मस्क: टेक अरबपति एलन मस्क ने टेक्सास में अपनी स्पेसएक्स स्टारबेस सुविधा में प्रमुख भारतीय व्यापारिक हस्तियों के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनका मानना है कि भारत-अमेरिका संबंध सकारात्मक चलन में हैं और वह दोनों देशों के बीच एक बढ़ी हुई व्यापार साझेदारी के पक्षधर हैं।

एलन मस्क ने कहा, इंडिया ग्लोबल फोरम में, हमारा मिशन हमारे समय की परिभाषित चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक नेताओं और इनोवेटर को एक साथ लाना है... मेरा मानना है कि भारत असीमित अवसर प्रस्तुत करता है, और यह बैठक शक्तिशाली साझेदारी की क्षमता का प्रतीक है।

टिकटॉक पर प्रतिबंध का फैसला आगामी प्रशासन करेगा: कैरीन जीन पियरे

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा है कि चीनी सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध का फैसला अब आने वाला प्रशासन करेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने कहा कि कानून को लागू करने की जिम्मेदारी अब आने वाले प्रशासन पर है। शुक्रवार को एक बयान में जीन-पियरे ने कहा, टिकटॉक पर राष्ट्रपति बाइडन की स्थिति महीनों से स्पष्ट है, वे चाहते हैं कि टिकटॉक अमेरिकियों के लिए उपलब्ध रहना चाहिए, लेकिन उसका स्वामित्व अमेरिकी कंपनी के पास होना चाहिए। जैसा कि कानून में प्रावधान भी है। गौरतलब है कि अमेरिकी संसद ने पिछले साल एक कानून पारित किया था, जिसके तहत टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस को 19 जनवरी तक अमेरिका में अपने कारोबार को बेचना है। बाइडन सरकार का कार्यकाल लगभग खत्म हो चुका है और 20 जनवरी को ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। यही वजह है कि बाइडन प्रशासन ने टिकटॉक पर कोई फैसला नहीं लेने का तय किया है। प्रतिबंध लगाने की बात कही है, लेकिन अगर बाइटडांस अमेरिका में अपने कारोबार को किसी अमेरिकी कंपनी को बेच देती है तो इस प्रतिबंध को टाला जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सुप्रीम कोर्ट से ऐसे ही फैसले की उम्मीद थी। और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। मैं भी टिकटॉक को लेकर जल्द ही फैसला करूंगा। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने टिकटॉक के बारे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी बात की है। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ हुई बातचीत को शानदार बताया।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन कर जबरन रहे निकाह, सच्चाई आई सामने

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिन्दू, सिक्ख और इसाईयों, पर हो रहे अत्याचारों का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान से भागकर भारत आए शरणार्थियों का कहना है कि उन्हें अब वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद अपने देश वापस लौटने का मन नहीं है। पाकिस्तान में बढ़ते धार्मिक अत्याचारों और नाबालिग बालिकाओं के अपहरण, धर्मांतरण और जबरन निकाह की घटनाओं के कारण बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत में अपनी जिंदगी बिताने के लिए बसने को मजबूर हो रहे हैं।

पाकिस्तान में हिन्दू, सिक्ख और इसाई अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। सिंधी फाउंडेशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2018 से 2024 के बीच 5000 से अधिक हिन्दू युवतियों का अपहरण कर उनका जबरन निकाह किया गया। साल 2024 में मानवाधिकार

संगठन ने 112 ऐसे मामलों का खुलासा किया है। इनमें से ज्यादातर घटनाएं सिंध, पंजाब और कश्मीर क्षेत्र से हैं, जहां धर्मांतरण और सामाजिक उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ गई हैं।

सिंध प्रांत में दलितों पर धर्मांतरण के दबाव में इजाफा हुआ है। यहां के मदरसों में धार्मिक शिक्षा देने की बजाय अब दलितों को जबरन धर्म बदलने का दबाव डाला जा रहा है। सिंध के कई परिवारों को यह मानना पड़ा कि अगर वे धर्मांतरण नहीं करेंगे।

अमेरिका के निचले सदन में ताइवान के साथ दोहरे कर से राहत देने वाला विधेयक पारित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 15 जनवरी को एक विधेयक पारित किया। इसका उद्देश्य टैक्स (कर) भुगतान को कम करना, डबल टैक्सेशन (दोहरे कर) से बचना और ताइवान के व्यवसायों, निवासियों तथा कर्मचारियों के लिए कर में छूट देना है। बता दें, इस विधेयक को यूएस-ताइवान एक्सपेडाइटेड डबल-टैक्स रिलीफ एक्ट कहा गया है। यह सदन में 423-1 मतों से पारित हुआ। अब इसे अमेरिकी सीनेट में भेजा जाएगा। अगर इसे मंजूरी मिल जाती है तो यह अमेरिकी राष्ट्रपति के पास जाएगा, जिनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा। विधेयक का मुख्य उद्देश्य अमेरिका और ताइवान के बीच दोहरे कर को रोकना है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह अमेरिका में रहने वाले पात्र ताइवानी निवासियों को कर छूट प्रदान करने के लिए वर्तमान अमेरिकी कर कानूनों में

संशोधन करना चाहता है और अमेरिका में लाभांश और ब्याज जैसे विशिष्ट स्रोतों से आय पर रोक लगाने वाले कर की दरों को कम करना चाहता है। इस विधेयक के तहत, एक महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि यूएस-ताइवान टैक्स एग्रीमेंट ऑथराइजेशन एक्ट को लागू किया जाएगा, जिसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को ताइवान के साथ कर समझौते पर बातचीत करने और उसे लागू करने का अधिकार मिलेगा। प्रतिनिधि जूडी ने कहा कि वर्तमान कानूनों के तहत ताइवान में व्यापार करने वाले अमेरिकियों को दोनों देशों में एक ही आय पर कर देना पड़ता है, जिससे हर तरह के व्यापार को नुकसान होता है। इसी तरह ताइवानी लोगों को भी दोहरा कर देना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में सिर्फ ताइवान के पास दोहरे कर समझौते का अभाव है। ताइवान में अमेरिकी इंस्टीट्यूट द्वारा कराए गए एक सर्वे का हवाला देते हुए जूडी ने कहा कि 79 प्रतिशत ताइवान कंपनियों ने बताया कि आय पर दोहरे कर का नियम एक महत्वपूर्ण कारण है, जो उन्हें अमेरिका में अधिक निवेश करने से रोकता है। सदन में वेस एंड मीन्स कमेटी की अध्यक्षता करने वाले जेसन स्मिथ ने कहा कि ताइवान अमेरिका का आठवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, लेकिन यह अब तक उन 66 देशों की सूची में शामिल नहीं है, जिनके साथ अमेरिका का आयकर संधि समझौता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस नए विधेयक को आर्थिक दक्षता और एकीकरण को बढ़ावा देने, ताइवान के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और अमेरिकी व्यवसायों तथा हमारे विश्वासपात्र सहयोगियों के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के रूप में देखा गया है, ताकि भविष्य में निवेश किया जा सके और खराब तत्वों के प्रभाव से मुकाबला किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129